RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 285
नई दिल्ली, बुधवार, 25 अगस्त, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

मैं हमेशा से अभिनय करना चाहती थी!
विविध-12

www.dailypioneer.com

अफगानिस्तान संकटः 12 सदस्यीय काउंसिल चलाएगी देश

● तालिबान ने पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई, अब्दुल्ला और बरादर को किया शामिल

एजेंसियां। काबुल

तालिबान ने मंगलवार को अपनी 12 सदस्यीय काउंसिल में पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई, अब्दुल्ला अब्दुल्ला और तालिबान के सह संस्थापक अब्दुल गनी बरादर को शामिल किया है। यही काउंसिल देश में सरकार चलाएगी। 12 सदस्यों में से सात सदस्यों ने पहले ही सहमति दे दी है। सूत्रों ने बताया 'अफगानिस्तान को 12 सदस्यीय काउंसिल चलाएगी। फिलहाल काउंसिल ने अब्दुल गनी बरादर (तालिबान के संस्थापक का बेटा), मुल्ला याकूब (आतंकवादी ग्रुप हक्कानी नेटवर्क का उच्च पदस्थ सदस्य), खलीलुर्र रहमान हक्कानी, डॉ. अब्दुल्ला अब्दुल्ला, हामिद करजई, हनीफ अतमार (पार्टी ऑफ इस्लाम का नेता), गुलबुद्दीन हिकमतयार के नामों पर सहमति जताई है। बाकी पांच सदस्यों की नियुक्ति के लिए बातचीत चल रही है। सूत्रों ने बताया कि अफगान नेशनल आर्मी मार्शल अब्दुल रशीद दोस्तम और बाल्ख प्रांत के पूर्व गवर्नर अता मोहम्मद नूर संभवतः

फाइल फोटो

काउंसिल में शामिल नहीं होंगे। रविवार को काबुल पर नियंत्रण हासिल करने के बाद तालिबान अफगानिस्तान में नई सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुटा है। बहरहाल तालिबान ने अभी आधिकारिक रूप से काउंसिल के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। इस बीच, ब्रिटेन को उम्मीद है कि अमेरिका काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बचाव अभियान को 31 अगस्त के बाद भी जारी रखेगा। फिलहाल इस अभियान की निर्धारित समय सीमा 31 अगस्त तक ही है। तालिबान ने भी अमेरिका समेत मित्र देशों को हर हालत में 31 अगस्त को देश छोड़ने की धमकी दी है। अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से सिर्फ पंजशीर प्रांत ही तालिबान के कब्जे में अभी नहीं आ सका है। इसके लिए तालिबान ने अपने सैकड़ों आतंकियों को भेज दिया है। तालिबान का मुकाबला करने के लिए पंजशीर घाटी में हजारों लड़ाके पहले से जमा हैं। उल्लेखनीय है कि अहमद मसूद के साथ ही खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर चुके अमरुल्ला सालेह इसका नेतृत्व कर रहे हैं। तालिबान के खिलाफ लोगों को एकजुट करने में सालेह अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दूसरी ओर काबुल के उत्तर में एक पर्वत घाटी में अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों के अंतिम बचे-खुचे सैनिकों ने तालिबान को एक सुदूर क्षेत्र में रोककर रखने का संकल्प लिया है। हिंदूकुश पर्वत शृंखला में फैली पंजशीर घाटी का एक संकरा प्रवेश मार्ग है और यह एकमात्र क्षेत्र है, जो तालिबान के कब्जे से बचा हुआ है। स्थानीय लड़ाकों ने 1980 के दशक में सोवियत सैनिकों को और एक दशक बाद गुरिल्ला लड़ाके अहमद शाह मसूद के नेतृत्व में तालिबान को रोका था। मसूद के विदेश में शिक्षित 32 साल के बेटे अहमद मसूद और कई शीर्ष अधिकारी घाटी में जमा हैं।

सीआईए निदेशक ने काबुल में बरादर से की मुलाकात

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की केन्द्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक ने तालिबान के नेता अब्दुल गनी बरादर के साथ काबुल में सोमवार को गुप्त बैठक की। मंगलवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद दोनों पक्षों के बीच यह पहली उच्च स्तर की बैठक थी। अमेरिकी सैनिकों की वापसी से दो सप्ताह पहले 15 अगस्त को तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था और इस कारण राष्ट्रपति अशरफ गनी को देश छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाना पड़ा था। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से अपनी खबर में बताया कि सीआईए के निदेशक विलियम जे. बर्न्स ने सोमवार को काबुल में बरादर के साथ एक गुप्त बैठक की। खबर में (शेष पेज 9)

अफगानिस्तान में शांति व स्थिरता पर मोदी और पुतिन ने की बात

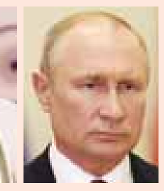

● दोनों नेताओं ने मिलकर काम करने की जरूरत पर दिया बल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां के बिगड़ते सुरक्षा हालात को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को वहां की ताजा परिस्थिति पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया और मिलकर काम करने की जरूरत पर बल दिया।

भारत स्थित रूसी दूतावास ने मोदी और पुतिन की वार्ता के बाद एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने आतंकवादी विचारधारा को नेस्तनाबूद करने और अफगानिस्तान से नशीले पदार्थों के प्रवाह के खतरे के लिए सहयोग बढ़ाने का इरादा जताया तथा इस मुद्दे पर विमर्श के लिए एक स्थायी द्विपक्षीय प्रणाली विकसित करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि अफगानिस्तान के ताजा हालात पर मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन से विचारों का उपयोगी और विस्तृत आदान-प्रदान हुआ। हम लोगों ने कोविड-19 के खिलाफ भारत-रूस सहयोग सहित द्विपक्षीय एजेंडे से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। महत्वपूर्ण मुद्दों पर घनिष्ट विमर्श जारी रखने पर दोनों सहमत हुए। ज्ञात हो कि पिछले दिनों अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल है। भारत और अमेरिका सहित कई देश वहां से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान चला रहे हैं। रूसी दूतावास के (शेष पेज 9)

अफगान सिख व हिंदुओं संग 78 और भारतीय स्वदेश लौटे

अफगानिस्तान से नई दिल्ली लाए गए गुरु ग्रंथ साहिब के तीनों स्वरूपों का स्वागत किया गया

● तीनों गुरु ग्रंथ साहिब भी लाए, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अफगानिस्तान से लोगों को सुरक्षित वापस लाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है, इसके साथ ही मंगलवार को भारत के एयर इंडिया विमान से 78 लोगों को स्वदेश लाया गया। इनमें 25 हिंदुओं के अलावा कुछ अफगान सिख हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी व केंद्रीय राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने विमान के साथ आए तीन पवित्र गुरु ग्रंथ साहिबों की प्रतियों के साथ यहां पहुंचे लोगों का भी स्वागत किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुलासा किया कि एक सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू किए गए बचाव मिशन को 'ऑपरेशन देवी शक्ति' नाम दिया गया है। जयशंकर ने अपने ट्वीट में कहा कि ऑपरेशन देवी शक्ति जारी है। काबुल से 78 लोग दुशांबे होते हुए पहुंचे।

इस अथक प्रयास के लिए भारतीय वायुसेना, एयर इंडिया और विदेश मंत्रालय की टीम को सलाम। मंगलवार को आए लोगों के बाद, अफगानिस्तान से अब तक लाए गए लोगों की संख्या 800 से अधिक हो चुकी है। काबुल पर तालिबान के कब्जा के (शेष पेज 9)

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद पर बरकरार रहेंगे बघेल

● राहुल गांधी की सीएम और कैबिनेट मंत्री टीएस सिंह देव के साथ तीन घंटे तक चली बैठक में निकला रास्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ में दो वरिष्ठ नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष सुलझाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के अनुसार राहुल ने दोनों नेताओं के साथ तीन घंटे की लंबी बैठक में टीएस सिंह देव को राज्य में मौजूदा नेतृत्व के सुचारू कामकाज चलते रहने के लिए राजी कर लिया है।

राहुल गांधी के आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और राज्य इकाई प्रभारी पीएल पुनिया के साथ मौजूद थे। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने टीएस सिंह देव और केसी वेणुगोपाल द्वारा उठाई गई शिकायतों के प्रति सीएम बघेल को आगाह किया। इसके साथ ही राहुल ने कथित तौर पर भगेल से देव द्वारा उठाई गई शिकायतों को दूर करने के लिए भी कहा। राहुल गांधी पहले सभी नेताओं से एक एक करके मिले और उसके बाद एक साथ। बाद में उन्होंने पुनिया, वेणुगोपाल, बघेल और देव के साथ एक तस्वीर भी साझा की।

सिंह देव द्वारा उनके साथ खराब व्यवहार की शिकायत पर बघेल को कैबिनेट सहयोगियों को अच्छे विश्वास में रखने के लिए कहा गया था। जानकारी के अनुसार राज्य के स्वास्थ्य मंत्री (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री 70 साल में बनी पूंजी बेच रहे हैंः राहुल

● राष्ट्रीय एनएमपी की घोषणा को युवाओं के भविष्य पर आक्रमण करार दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) की घोषणा को मंगलवार को युवाओं के भविष्य पर आक्रमण करार दिया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 70 साल में जनता के पैसे से बनी देश की बहुमूल्य संपत्तियों को अपने कुछ उद्योगपति मित्रों को बेच रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि कुछ कंपनियों को यह उपहार देने से उनका एकाधिकार बनेगा जिस कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाएगा।

राहुल गांधी ने एनएमपी के मुद्दे पर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं केसी वेणुगोपाल एवं रणदीप सुरजेवाला के साथ संवाददाताओं को संबोधित किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, नरेंद्र मोदी जी और भाजपा का नारा था कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ। लेकिन वित्त मंत्री ने कल 70 साल में जो पूंजी बनी थी, उसे बेचने का फैसला किया। मतलब यह है कि प्रधानमंत्री ने सबकुछ बेच दिया।

उन्होंने एनएमपी का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा, इन संपत्तियों को बनाने में 70 साल लगे हैं और इनमें देश की जनता का लाखों करोड़ों रुपए लगे हैं। अब इन्हें तीन-चार उद्योगपतियों को उपहार में दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, हम निजीकरण के खिलाफ नहीं है। हमारे समय निजीकरण विवेकपूर्ण था। उस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संपत्तियों का निजीकरण नहीं किया जाता था। जिन उद्योगों में बहुत नुकसान होता था, उसका हम निजीकरण करते थे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, यह सब, कुछ कंपनियों का एकाधिकार बनाने के लिए किया जा रहा है। जैसे ही इनका एकाधिकार बढ़ेगा, वैसे ही रोजगार कम होगा। नरेंद्र मोदी जी अपने दो-तीन उद्योगपति मित्रों के साथ युवाओं के भविष्य पर आक्रमण कर रहे हैं। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि सरकार का कदम एक स्कैंडल है जिस पर देश को चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार को बताना चाहिए कि उसके इस कदम का आधार क्या है, इसका लक्ष्य क्या है? आधार और लक्ष्य तय करने के बाद इस तरह का बड़ा कदम उठाना चाहिए था। क्या कर्मचारियों और दूसरे संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श किया गया था? चिदंबरम ने दावा किया कि 70 साल में बनी संपत्तियों को बेचा जा रहा है और इस कदम के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की कोई इकाई निजी हाथ में जाने से सुरक्षित नहीं रह पाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले तीन वर्षों में तीन बार 100 लाख करोड़ रुपए के राष्ट्रीय आधारभूत पाइपलाइन की घोषणा की। लेकिन आप इससे (एनएमपी) चार साल में छह लाख करोड़ रुपए एकत्र करेंगे। जबकि 100 लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की गई है। बहुत जादूगर (शेष पेज 9)

कोरोना में गरीबी से दो लाख 67 हजार ज्यादा बच्चों की मौत

● विश्व बैंक का दावा, पहली लहर में भारत में भी 99,642 अतिरिक्त शिशुओं की जान गई

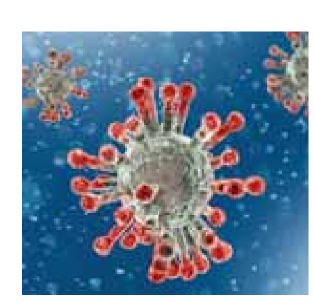

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना की पहली और दूसरी लहर में जहां व्यस्कों और बुजुर्गों की मौतें अधिक हुई वहीं, महामारी के चलते पैदा हुए आर्थिक संकट की मार से लाखों बच्चों पर पड़ी। विश्व बैंक के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि दुनियाभर में कोविद-19 की वजह से आर्थिक मंदी के कारण 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 267,000 अतिरिक्त शिशुओं की मौत होने की आशंका है।

इससे भारत भी अछूता नहीं रहा और यहां लगभग 99,642 शिशुओं की जान गई। शोधकर्ताओं ने कहा कि दुनिया में कोरोना से उपजे हालात की चपेट में आने से सबसे अधिक 113,141 छोटे बच्चों की मौतें दक्षिण एशिया में दर्ज की गईं। इनमें से एक तिहाई से अधिक संख्या भारत से है। ऑनलाइन जर्नल बीएमजे ओपन में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि ये मौतें उस वर्ष के लिए अनुमानित संख्या से 7 प्रतिशत अधिक हैं।

इस रिपोर्ट में महामारी से बढ़ रही आर्थिक मंदी के दौरान होने वाली मौतों की तुलना जन्म के आंकड़ों से भी की गई है। इसके अनुसार भारत में वार्षिक स्तर पर जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या 2020 में सबसे अधिक 24,238,000 रही। यही नहीं, महामारी की पहली लहर में आर्थिक तंगी भी अनुमानित माइनस 17.3 प्रतिशत आंकी गई है। विश्व बैंक के शोधकर्ताओं के (शेष पेज 9)

सिर्फ आर्थिक मानदंड पर क्रीमी लेयर का निर्धारण नहीं किया जा सकताः सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित करने के लिए पिछड़े वर्गों में क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल आर्थिक मानदंड के आधार पर नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने पिछड़े वर्गों के भीतर क्रीमी लेयर को हटाने के लिए मापदंड निर्धारित करने की हरियाणा सरकार की 17 अगस्त 2016 की अधिसूचना को खारिज करते हुए कहा यह इंदिरा साहनी मामले में इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों का सरासर उल्लंघन है। इस मामले को मंडल फैसला के नाम से भी जाना जाता है। अधिसूचना के अनुसार, पिछड़े वर्ग के सदस्य जिनकी सकल वार्षिक आय तीन लाख रुपए तक है उन्हें सबसे पहले सेवाओं में आरक्षण और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश का लाभ मिलेगा। इसमें यह भी प्रावधान था कि कोटा के शेष हिस्से में नागरिकों के पिछड़े वर्ग के उस (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	55,958	↑ 403	
निफ्टी	16,624	↑ 128	
सोना	46,544	↑ 170	/10g
चांदी	61,584	↑ 172	/kg

क्विक न्यूज

गुरुग्राम में पुत्रवधू समेत चार की हत्या की

गुरुग्राम। गुरुग्राम में पूर्व फौजी ससुर द्वारा मंगलवार सुबह पुत्रवधू समेत चार लोगों की हत्या कर दी। ससुर ने हमला पांच लोगों पर किया था, लेकिन इसमें एक बच्ची बच गई है, जिसकी हालत गंभीर बताई जाती है। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंच गया। मंगलवार सुबह रावराय सिंह नामक एक व्यक्ति खून से सने कपड़ों के साथ राजेंद्रा पार्क पुलिस थाने में पहुंचा। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपनी पुत्रवधू के साथ किराएदार और उसकी पत्नी समेत नौ व तीन साल की बेटी की हत्या कर दी है। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है। अभी यह सामने नहीं आया है कि आरोपी ने अपने पारिवारिक सदस्यों के विरुद्ध यह हिंसक कदम क्यों उठाया है?

उद्धव पर टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री राणे गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में विवादित टिप्पणी के कारण राजनीतिक घमासान शुरू होने और राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राणे को रत्नागिरि जिले में पुलिस ने हिरासत में लिया, जहां वह जन आशीर्वाद यात्रा के तहत दौरे पर थे। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लेने के बाद राणे को संगमेश्वर थाना ले जाया गया। शिवसेना की नासिक शहर इकाई के प्रमुख द्वारा वहां साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद राणे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 (मानहानि), 505 (2) (शरारत), 153-बी (1) (सी) (टिप्पणी से वैमनस्य, या शत्रुता या घृणा या द्वेष की भावना पैदा होने की आशंका) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। ऐसी खबरें आई हैं कि भाजपा के नेता राणे

ने उच्च रक्तचाप और शुगर लेवल बढ़ने की शिकायत की तथा उनकी जांच के लिए एक डॉक्टर को बुलाया गया। राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। राणे ने रायगढ़ जिले में सोमवार को जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कहा, यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि आजादी को कितने साल हो गए हैं। भाषण के दौरान वह पीछे मुड़कर इस बारे में पूछते नजर आए थे। अगर मैं वहां होता तो उन्हें एक जोरदार थप्पड़ मारता। राणे अपनी इस टिप्पणी के बाद विवादों में घिर गए और शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने राज्य के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन किया है। इससे पहले, राणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के खिलाफ दिए गए अपने कथित बयान का मंगलवार को बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी टिप्पणी कर कोई अपराध नहीं किया है। गिरफ्तारी से पहले- मामले में उनकी गिरफ्तारी की खबरों पर राणे ने कहा कि वह कोई आम आदमी नहीं हैं और इस तरह की खबरों के खिलाफ उन्होंने मीडिया को आगाह किया। राणे ने कहा, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। आप खबरों का सत्यापन कर उन्हें टीवी पर दिखाएं नहीं तो मैं आपके (मीडिया के) खिलाफ मामला दर्ज कराऊंगा। कोई अपराध ना करने के बावजूद मीडिया में मेरी आसन्न गिरफ्तारी की अटकलें लगाई जा रही हैं। आपको क्या लगता है कि मैं कोई आम आदमी हूं? ठाकरे के खिलाफ राणे के बयान की शिवसेना ने कड़ी निंदा की है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुंबई और कई अन्य स्थानों पर पोस्टर लगाए।

अमरिंदर के विरोध में आए 24 विधायक

● चार मंत्री भी शामिल, पार्टी नेतृत्व से करेंगे कैप्टन को हटाने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब के चार कैबिनेट मंत्रियों और कांग्रेस के कई विधायकों ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करते हुए कहा कि उन्हें सिंह पर विश्वास नहीं है क्योंकि उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा नहीं किया है।

चार मंत्रियों तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, सुखजिंदर सिंह रंधावा और चरणजीत सिंह चन्नी और लगभग 24 विधायकों ने मंगलवार को यहां बाजवा के आवास पर मुलाकात की। बाजवा ने कहा कि वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने और राज्य की राजनीतिक स्थिति से उन्हें अवगत कराने के लिए समय मांगेंगे। उन्होंने कहा कि कड़े कदम उठाने की जरूरत है और अगर मुख्यमंत्री को बदलने की जरूरत है, तो यह किया जाना चाहिए। बैठक के बाद, चन्नी ने मीडिया से कहा कि पार्टी के कई विधायक और मंत्री मंगलवार को यहां एकत्रित हुए और उन वादों को लेकर चिंता व्यक्त की, जिन्हें पूरा नहीं किया गया है।

इन वादों में 2015 में धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी के मामलों में न्याय में देरी, मादक पदार्थ रैकेट में शामिल बड़े लोगों को पकड़ना और बिजली खरीद समझौतों को रद्द करना शामिल है। उन्होंने कहा कि बाजवा, सरकारिया, रंधावा और पंजाब कांग्रेस महासचिव परगट सिंह पार्टी आलाकमान से मुलाकात करेंगे। ये पांचों अमरिंदर सिंह के विरोधी माने जाते हैं। यह बैठक पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत (शेष पेज 9)

नवजोत सिद्धू के दो सलाहकारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़। पंजाब में मंत्रियों और विधायकों के एक समूह ने मंगलवार को कांग्रेस की प्रदेश ईकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकारों की कथित राष्ट्र विरोधी एवं पाकिस्तान समर्थक टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सलाहकार, मालविंदर सिंह माली और प्यारे लाल गर्ग कश्मीर और पाकिस्तान पर अपनी हालिया विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर विपक्ष और पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा, विजय इंदर सिंगला, भारत भूषण आशु, बलबीर सिंह सिद्धू और साधु सिंह धर्मसोत के साथ विधायक राज कुमार वेरका ने यहां एक संयुक्त बयान में कहा कि सिद्धू के नवनियुक्त सलाहकारों की टिप्पणी स्पष्ट रूप से भारत के हितों के खिलाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नुकसानदेह थी। यह बयान ऐसे दिन आया है जब चार कैबिनेट मंत्रियों और कांग्रेस के कई विधायकों ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करते हुए कहा कि उन्हें सिंह पर विश्वास नहीं है क्योंकि उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा नहीं किया है।

पलटवार

प्राधिकरण के सॉफ्टवेयर से घर बैठे मिलेगा कंप्लीशन सर्टिफिकेट

युवा कर सकेंगे इंटर्नशिप के लिए आवेदन, दोनों सुविधाओं का हुआ शुभारंभ

प्राधिकरण द्वारा शुरू किए गए दो नए सॉफ्टवेयर के शुभारंभ अवसर पर अधिकारियों संग उपस्थित सीईओ रितु माहेश्वरी।

● अथॉरिटी की कार्यशैली में बढ़ेगी पारदर्शिता : सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु महेश्वरी ने मंगलवार को दो नए सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया। इससे शहर के लोगों और युवाओं को बड़ी राहत मिलेगी। इसके जरिए युवा नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन और प्राधिकरण के कार्यालय में इंटर्नशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे जबकि उद्यमियों और निवासियों को घर बैठे ही कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिल जाएगा। उन्हें सिर्फ ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन करना होगा। इस सिलसिले में प्राधिकरण कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इस दौरान दोनों सॉफ्टवेयर विकसित करने वाली एजेंसी के अफसर और प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी समेत वरिष्ठ अफ सर उपस्थित रहे। एजेंसी के कर्मचारियों ने दोनों सॉफ्टवेयर का प्रेजेंटेशन दिया। उन पर काम करने के तौर-तरीके सिखाए। इसके साथ ही प्राधिकरण ने दिल्ली-एनसीआर के युवाओं के लिए नोएडा अथॉरिटी और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के दरवाजे खोल दिए हैं। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे युवा इन दोनों सरकारी निकायों में इंटर्नशिप कर सकते हैं। इसके लिए बस ऑनलाइन एप्लिकेशन सबमिट करना पड़ेगा। मंगलवार से अथॉरिटी ने ऑनलाइन कम्प्लीशन सर्टिफिकेट सुविधा भी शुरू कर दी है। इसका फायदा लाखों आवंटियों को मिलेगा।

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ अथॉरिटी की कार्यशैली में बड़े बदलाव कर रही हैं। ऑफ लाइन सिस्टम को ऑनलाइन बनाया जा रहा है। शहर के लोगों को सुविधाएं देने के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण कदम है। इसी कड़ी में मंगलवार को सीईओ ने दो सेवाओं की शुरुआत की। सीईओ का कहना है कि इससे प्राधिकरण की कार्यशैली में पारदर्शिता बढ़ेगी और काम में तेजी आएगी। साथ ही शहर के युवाओं और आम आदमी को बड़ा फायदा होगा।

एनसीआर के युवा ले सकेंगे हिस्सा

इस मौके पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया, पहला सॉफ्टवेयर इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए है। इससे शहर के युवाओं को तकनीकी और प्रबंधन के क्षेत्र में करियर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी। इस प्रोग्राम के तहत नोएडा अथॉरिटी के तमाम विभागों और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन में प्रशिक्षण का अवसर दिया गया है। वैसे तो यह प्रोग्राम नोएडा शहर के युवाओं को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है लेकिन सीईओ ने कहा कि एनसीआर के बाकी शहरों से भी युवा इसमें हिस्सा ले सकते हैं।

बेरोजगार युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र के नया गांव में रहने वाले 22 वर्षीय युवक ने कथित रूप से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। वहीं थाना फेस-3 क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

थाना फेस-2 के थानाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय ने बताया कि शाहजहांपुर के रहने वाले भुनेश्वर (22) ने मंगलवार की सुबह अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि वह नया गांव में रहता था और नौकरी की तलाश में था।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही थाना फेस-3 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में रहने वाली 20 वर्षीय युवती ने पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

किसान एकता संघ ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, पदाधिकारियों ने की भूख हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

किसान एकता संघ ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ मंगलवार को सूरजपुर स्थित जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किय। किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह के नेतृत्व में एक दिवसीय भूख हड़ताल भी किया।

किसान एकता संघ द्वारा दो बार पहले महंगाई को लेकर ज्ञापन दिया जा चुका है। महंगाई ने किसानों की कमर तोड़ रखी है। डीजल-पेट्रोल के रेट लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर किसान एकता संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भूख हड़ताल की और इसके बाद 5 सूत्रीय ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम गजेंद्र सिंह को सौंपा। जिसमें मुख्यत: 72 पैसे प्रति किलो धान का केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाया गया रेट किसानों के साथ भद्दा मजाक है। किसान लंबे समय से संपूर्ण कर्ज माफी की मांग कर रहे हैं। किसानों को बिजली मुफ्त मिलनी चाहिए और काले कानूनों को रद्द कर स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आशा कर्मचारियों का स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शोषण कर रहे हैं। आशा कर्मचारियों का मानदेय बढ़ना चाहिए। आशाओं का 700 रुपए बढ़ा हुआ मानदेय अभी तक नहीं दिया गया। इस मौके पर देशराज नागर, गीता भाटी, रमेश कसाना, राजेंद्र नागर, कृष्ण बैसला, पप्पू प्रधान, अखिलेश प्रधान, डॉक्टर विकास प्रधान, बृजेश भाटी, आलोक नागर, लोकेश भाटी, मनीष बीडीसी, अमित अवाना, कमल यादव, इंद्रपाल मास्टर, मेहरबान अली, मिथिलेश भाटी, अर्चना शर्मा, जगदीश शर्मा, अरविंद सेक्रेटरी, कपिल नागर, जितेंद्र नागर, कपिल कसाना, आशु अटटा, सुभाष भाटी, मोहित भाटी और ओमवीर समसपुर आदि लोग मौजूद रहे।

सूरजपुर स्थित जिला मुख्यालय पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते किसान एकता संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

सोसाइटी की लिफ्ट में फंसे एक ही परिवार के 6 लोग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित विक्ट्री वन अमरा हाउसिंग सोसाइटी में सोमवार को एक टावर की लिफ्ट अचानक बीच में अटक गई। लिफ्ट में सवार 6 लोग करीब 10 मिनट तक फंसे रहे। अन्य सोसाइटी निवासियों की मदद से लिफ्ट में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। लिफ्ट में आपातकालीन बटन ने काम नहीं किया था।

सोसाइटी निवासी एके शर्मा ने बताया कि उनका परिवार सोसाइटी के ए टावर में रहता है। वह अपने परिवार के 6 सदस्यों के साथ ए-टावर के 12वें फ्लोर पर रहते है। सोमवार दोपहर वह लिफ्ट के माध्यम से अपने परिवार के साथ नीचे आ रहे थे, तभी अचानक लाइट ने ट्रिप मारा और लिफ्ट रुक गई। जिसमें 6 लोग लिफ्ट में फंस गए।

उन्होंने बताया कि लिफ्ट में लगे आपातकालीन बटन का इस्तेमाल किया लेकिन बटन ने काम नहीं किया। उसके बाद उन्होंने और लिफ्ट में फंसे अन्य लोगों ने शोर मचाया और लिफ्ट को थपथपाना शुरू किया, जिसके बाद सोसाइटी के अन्य लोगों ने नीचे वाले फ्लोर पर लिफ्ट को किसी तरीके से खोला तो लिफ्ट में फंसे सभी लोग बाहर निकल पाए।

पत्नी की हत्या कर फंदे से लटकाया शव, फरार

महिला के मायके वालों को फोन करके खुद ही दी आरोपी ने सूचना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के सेक्टर-101 स्थित सलारपुर गांव में रविवार रात को एक व्यक्ति ने गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को फंदे पर लटका दिया और फरार हो गया। आरोपित ने खुद ही फोन करके पत्नी के घरवालों वालों को हत्या के बारे में बताया। मृतका के स्वजन के सूचना पर पहुंची सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी पति की तलाश की जा रही है।

मूलरूप से कासगंज निवासी अवधेश सलारपुर गांव में रहता है। वह एक फैक्ट्री में काम करता है।

● दहेज को लेकर करता था प्रताड़ित

अवधेश की शादी मैनपुरी निवासी 23 साल की खुशबू से वर्ष 2019 में हुई थी। रविवार रात को शराब के नशे में धुत अवधेश का अपनी पत्नी का साथ किसी बात पर विवाद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद अवधेश ने पत्नी की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। पत्नी की हत्या बाद आरोपित ने उसके शव को फंदे से लटका दिया। वारदात के बाद वह बाहर से कमरे का ताला लगा कर फरार हो गया।

इसके बाद आरोपी पति ने पत्नी के स्वजन को सूचना दी कि उसने महिला की हत्या कर दी है। शव कमरे के अंदर पड़ा है। सूचना मिलने के बाद मृतका के परिजन पुलिस के साथ कमरे पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली प्रभारी राजीव बालियान ने बताया कि अवधेश शादी के कुछ दिन बाद से ही दहेज की मांग को लेकर पत्नी को प्रताड़ित करता था। उसके साथ शराब के नशे में आए दिन मारपीट करता था। दहेज की मांग पूरी नहीं होने के चलते ही आरोपित ने पत्नी की हत्या की है। मृतका के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

जिला कारागार में वर्चुअल निरीक्षण के दौरान डिप्टी जेलर शिवानी यादव से वार्ता करतीं प्राधिकरण सचिव नेहा रूंगटा।

जिला जेल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

गाजियाबाद। जिला विधिक प्राधिकरण के तत्वावधान में मंगलवार को जिला कारागार का वर्चुअल निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी जेलर शिवानी यादव ने बताया कि वर्तमान में कुल 4286 बन्दी निरूद्ध हैं जिसमें 3975 पुरुष तथा महिलाएं 164 व किशोर (18 से 21 बर्ष) 147 व 9 बच्चे हैं। निरीक्षण के दौरान जेलर द्वारा अवगत कराया गया की 16 अगस्त तक 100 प्रतिशत बन्दियों को वैक्सीन लग चुकी है जिनमें 5577 प्रथम डोज़ तथा 845 दूसरी डोज़ लग चुकी है तथा आज वैंकसीन का कार्यक्रम भी चल रहा है। प्राधिकरण सचिव नेहा रूंगटा ने बताया कि प्रतिदिन सेनीटाईजेशन के लिए निर्देशित किया गया। हाई पॉवर कमेटी के तहत अभी तक 773 एवं पैरोल पर 47 बंदियों को रिहा किया जा चुका है।

नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में नुक्कड़ नाटक का मंचन करते कलाकार।

नुक्कड़ नाटक के जरिए बताया आजादी का महत्व

गाजियाबाद। नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन किया और आजादी की लड़ाई के बारे में लोगों को अवगत कराया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कलाकारों ने प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। खास बात यह है कि अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत लोनी के राम विहार में सबसे पहले स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिला युवा अधिकारी देवेंद्र कुमार ने किया। इसके उपरांत राग, नृत्य, कला मंच बड़ौत के समन्वय से आजादी की लड़ाई और आजादी का महत्व विषय पर नाटक का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन लोनी ब्लाक के एन वाई वी तालिब ने किया। नुक्कड़ नाटक की टीम में अनिल कुमार, हर्ष बर्मन, रजनी, मधु, पूनम की प्रस्तुति को सराहा गया।

अफसरों को ग्रामीणों ने बताईं समस्याएं

नोएडा। नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को प्राधिकरण के मुख्य महाप्रबंधक राजीव त्यागी की अगुवाई में विभिन्न विभागों की टीम ने सलारपुर गांव का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने कुल 33 शिकायतें और मांगे दर्ज कराईं। इसमें सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सलारपुर खादर सेक्टर-81 करने की मांग की गई है। साथ ही लोगों ने गांव में स्पोर्ट्स एकेडमी, लाइब्रेरी और बारात घर का निर्माण कराने की मांग की है। हालांकि प्राधिकरण के कार्यों से खुश होकर लोगों ने प्रशंसा पत्र भी दिया।

ग्रेनो में तेंदुआ घुसने की सूचना पर मची अफरातफरी

घंटों तलाश में जुटी रही वन विभाग की टीम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिले के ग्रेटर नोएडा के आवासीय क्षेत्र में सोमवार देर रात तेंदुआ घुसने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग घंटों उसकी तलाश में लगा रहा लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। जिला पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सोमवार देर रात ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक तेंदुए के घुसने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही पीआरवी, पुलिस बल और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर वन्यजीव की तलाश में जुट गई।

● इलाके में दहशत, सतर्कता बरत रहे लोग

उन्होंने बताया कि तेंदुए के इकोटेक-3 थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर गांव के पास देखा गया था। हालांकि घंटों की तलाश के बाद अभी तक उसका पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि मौके पर मौजूद वन विभाग कर्मियों का कहना है कि सादुल्लापुर गांव की तरफ जाते हुए जिस जानवर के पैरों के निशान दिख रहे हैं, वह तेंदुआ नहीं है। उसके हाइना होने की संभावना ज्यादा है, हालांकि स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्होंने तेंदुए को ही देखा था। वन विभाग अभी भी सतर्कता बरत रहा है।

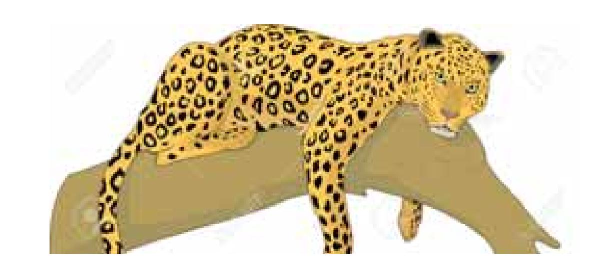

गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में दादरी कस्बे के पास नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) संयंत्र के परिसर में कई बार तेंदुआ दिखता है। एनटीपीसी संयंत्र के सुरक्षाकर्मियों, कर्मचारियों और आसपास के ग्रामीणों ने कई बार वहां तेंदुआ देखा है। वन विभाग के अनुसार, एनटीपीसी के परिसर में तेंदुए का परिवार रहता है, जो कई बार सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है।

पांच लोगों ने किशोरी को बुरी तरह पीटा, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कासना थाना क्षेत्र के लडपुरा गांव में रहने वाली एक 13 वर्षीय किशोरी के साथ पांच लोगों ने कथित रूप से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने पांचों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि थाना कासना क्षेत्र के लडपुरा गांव के रहने वाले रमेश शर्मा के बाग में बुलंदशहर के रहने वाले रामू माली रखरखाव का काम करते थे और तथा वह अपने परिवार सहित वहीं पर रहते थे।

पांडे ने बताया कि उसके थोड़ी दूर पर बुलंदशहर के ही रहने वाले माली धारा सिंह अपने परिवार सहित रहता था। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त को रामू के बाग से लोहे का गाटर चोरी हो गया और इस चोरी का शक उसने धारा के बेटे पर जाहिर किया और इस बात को लेकर रामू तथा धारा के बीच मारपीट हो गई।

सड़क हादसे में हेड कांस्टेबल घायल

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में एक सड़क हादसे में पीआरबी पर तैनात हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार सिंह ने बताया कि पीआरबी 112 पर तैनात हेड कांस्टेबल गिरीश चंद यादव बीती रात को जब वह अपनी ड्यूटी खत्म करके घर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

दरोगा के घर में चली गोली, एक की मौत

पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ दर्ज किया केस, सभी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सूरजपुर क्षेत्र में रहने वाले एक दरोगा के घर में उनके साथ रहने वाले युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस मामले में मृतक के भाई ने 4 लोगों के खिलाफ नामदर्ज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी फरार हैं उनकी तलाश की जा रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के कस्बा सूरजपुर में लोटस पार्क के नाम से एक सोसाइटी है। इस सोसायटी के एक फ्लैट में दरोगा रामचंद्र किराए पर रहते हैं। उनके यहां पवन उर्फ जस्सी नामक युवक भी रहता था। दरोगा रामचंद्र कहीं बाहर दबिश देने गए हुए थे। पवन उनके घर पर रुका हुआ था। पवन का भाई विनोद उसको फोन कर रहा था, लेकिन उसका फोन नहीं उठ रहा था। उन्होंने बताया कि पवन का भाई विनोद फ्लैट पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अपर उपायुक्त ने बताया कि इस मामले में मृतक के भाई विनोद ने उसके दोस्त दीपू, रविंद्र उर्फ भूरा, कुलदीप और मोनू को नामित करते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। सभी आरोपी फरार हैं, पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

कलेक्ट्रेट में अधिकारियों संग बैठक करते जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह।

किसी भी कीमत पर नहीं बख्शे जाएंगे मिलावटखोर : डीएम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि मिलावट खोरों के खिलाफ सख्त करवाई की जाय। इस मामले में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के प्रचलन से जनजीवन, स्वास्थ्य समस्याओं पर महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के प्रचलन से जनजीवन के स्वास्थ्य समस्याओं पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय अधिकारियों के द्वारा शासन द्वारा निर्धारित किए गए अधिनियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए जनपद में निरंतर स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि जनपद में सभी जनमानस को शुद्ध खाद्य सामग्री एवं मानकों के अनुरूप दवाइयां उपलब्ध हो सके।

● बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारियों के द्वारा खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर सैंपलिंग के कार्य की कार्रवाई निरंतर स्तर पर की जाए। सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा गाजियाबाद जैसे विशेष स्थान पर जहां पर विभिन्न खाद्य पदार्थों से संबंधित इकाइयां संचालित हैं। नियमित स्तर पर सैंपलिंग का कार्य सुनिश्चित किया जाए।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की पहल

नई तकनीक सीखकर फूलों का उत्पादन बढ़ाएंगे किसान

गाजियाबाद जनपद के 25 किसानों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फूलों की खेती में नई तकनीक अपनाकर जिले के किसान अब फूलों का उत्पादन बढ़ाएंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली ने गाजियाबाद के ऐसे 25 किसानों को प्रशिक्षण के लिए चुना है जो फूलों की खेती करके अपना जीवन निर्वाह करते हैं। इन सभी किसानों को नई दिल्ली में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें इन्हें फूलों की खेती एवं उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीक के बारे में बताया जाएगा।

किसानों के दल को रवाना करतीं सीडीओ अस्मिता लाल।

मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल ने मंगलवार को सभी 25 किसानों को हरी झंडी दिखाकर प्रशिक्षण के लिए नई दिल्ली रवाना किया। इस अवसर पर सीडीओ ने किसानों को कार्यक्रम में उपयोग होने वाली सामग्री भी वितरित की। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त तक इस कार्यक्रम के दौरान किसान फूलों से संबंधित आधुनिक तकनीक उत्तम गुणवत्ता के बीज एवं अन्य खेती के इनपुट्स, फूलों का प्रसंस्करण और मार्केटिंग आदि के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

आपको बता दें कि गाजियाबाद में लगभग 2000 हेक्टेयर भूमि में फूलों की खेती होती है। अभी तक किसान परंपरागत तकनीकी से ही गुलाब, डहेलिया, गेंदा, चमेली आदि से जुड़े फूलों की खेती करते हैं। वर्तमान तकनीकी में फूलों का उत्पादन कम होता है। जिसके चलते किसानों को आय कम होती है। नई तकनीक अपनाने के बाद किसानों को जहां आय अधिक होगी, वहां उत्पादन क्षमता भी बढ़ जाएगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 25 अगस्त 2021

नाली-नालों में होगा बदलाव जलभराव से मिलेगी निजात

बारिश के दौरान निकासी व्यवस्था की पोल खुलने के बाद हरकत में आए मुख्यमंत्री केजरीवाल, ड्रेनेज मास्टर प्लान की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के दौरान होने वाले जल भराव की समस्या जल्द निजात मिलेगी। इसके लिए हर नाली और नाले में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। आईआईटी दिल्ली द्वारा दिए गए सुझावों के मुताबिक नालियों में बदलाव किए जाएंगे ताकि झमाझम बारिश के दौरान भी पानी की बेहतर निकासी हो सके। साथ दिल्ली वालों को जलजमाव और जाम की समस्या से छुटकारा मिल सके। इसके लिए किस नाली का स्लोप खराब है, कौन सी नाली कहां मिलती है और किस नाली को किस नाले से जोड़ना है, उसके लिए हर नाली और नाले का अलग-अलग प्रोजेक्ट बनेगा। दिल्ली सरकार ने संबंधित अधिकारियों को इसका पूरा प्लान जल्द तैयान करने को कहा है। इस काम के जिए कंसल्टेंट हॉयर किए जाएंगे। ये हर नाली और नाले का प्लान और प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स बनाएंगे ताकि इसको शीघ्र लागू किया जा सके।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान को लेकर मंगलवार को जलमंत्री सत्येंद्र जैन, डीजेबी के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा समेत अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी संग समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डीजेबी व अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष एक रिपोर्ट पेश की। जिसमें उन्होंने भारी बारिश के दौरान होने वाले जल भराव के कारणों को उजागर किया। जिस पर केजरीवाल ने हर नाली और नाले में जल भराव की समस्या को दूर करने को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

छोटी-बड़ी 2846 नालियां है

दिल्ली में छोटी-बड़ी करीब 2846 नालियां हैं। इनकी लंबाई करीब 3692 किलोमीटर है। इन नालियों का एक बड़ा हिस्सा लोक निर्माण विभाग के पास है। यहां तीन प्रमुख प्राकृतिक जल निकासी बेसिन ट्रांस यमुना, बारापुलाह और नजफगढ़ है। इसके अलावा, कुछ बहुत छोटे जल निकासी बेसिन अरुणा नगर और चंद्रवाल भी हैं, जो सीधे यमुना में गिरते हैं।

टेक्निकल एक्सपर्ट कमेटी का गठन

दिल्ली ड्रेनेज मास्टर प्लान-2021 को धरातल पर उतारने के लिए एक टेक्निकल एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी के पास कई जिम्मेदारियां हैं। जिसमें डिजाइन पैरामीटर या तकनीकी इनपुट जैसे वर्षा की तीव्रता, रिटर्न अवधि, रनऑफ गुणांक, प्रतिधारण अवधि आदि का निर्णय करना है, जिसका उपयोग सलाहकार द्वारा मास्टर प्लान तैयार करने के लिए किया जाना है।

डिजिटल मॉडलिंग की मदद से किया गया अध्ययन

जल निकासी में सुधार करने के लिए पूरे दिल्ली में फिजिकल ड्रेनेज सिस्टम का डिजिटल मॉडलिंग प्रणाली का इस्तेमाल करते हुए रिपोर्ट तैयार की गई है। इस प्रणाली की रिपोर्ट आने बाद दो मॉडल बनाए गए हैं। पहला हाइड्रोलॉजिकल मॉडल और दूसरा अर्बन स्टॉर्म वॉटर मैनेजमेंट मॉडल मौजूदा समस्याओं को हल करने के लिए जल निकासी समाधान और ड्रेन डायमेंशन प्रदान करना।

ड्रेनेज मास्टर प्लान की सिफारिशें

बरसाती पानी की नालियों पर अतिक्रमण न हो। नालियों में सीवेज न जाए। नालियों में कोई ठोस अपशिष्ट या सीएंडडी अपशिष्ट जाने की अनुमति नहीं दी जाए। नालों की डी-सिल्टिंग की प्रभावशीलता व डी-सिल्टिंग कार्यक्रम का सार्वजनिक प्रदर्शन। बरसाती पानी सीवर सिस्टम में नहीं जाना चाहिए। बाढ़ प्रबंधन में सुधार के लिए सेंसर का उपयोग कर बाढ़ की निगरानी करना।

लगातार पांचवें दिन कोई मौत नहीं, 39 नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस का कहर लगातार कम होता जा रहा है। लगातार पिछले पांच दिनों में कोरोना वायरस से एक भी मौत नहीं हुई है। इस बीच मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 39 नए मामले सामने आए हैं जबकि संक्रमण की दर 0.06 फीसदी रही।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान संक्रमण मुक्त होने के बाद 114 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी गई। शहर में अब तक संक्रमण के कुल 14,37,485 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें ठीक होने वाले और शहर से बाहर जाने वाले 14,11,995 लोग शामिल हैं। अब तक इस घातक वायरस के कारण 25,079 मरीजों की मौत हो चुकी है और मृत्यु दर 1.74 फीसदी है।

कोविड की तीसरी लहर से निपटने को तैयार हो रहे 37 हजार बेड

जरूरी दवाओं के साथ मेडिकल ऑक्सीजन की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी जोर शोर कर रही है। इसके मद्देनजर 12 हजार आईसीयू समेत 37 हजार कोविड-19 बेड तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा जरूरी दवाओं के साथ मेडिकल ऑक्सीजन की क्षमता को भी बढ़ाया जा रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को कोविड -19 की संभावित तीसरी लहर के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।

सत्येंद्र जैन कहा कि दिल्ली में 17 नए मामलों के साथ पॉजिटिविटी दर मंगलवार को 0.06 फीसदी थी। पिछले पांच दिनों से कोई मौत भी दर्ज नहीं हुई। उन्होंने स्पष्ट किया भले ही संक्रमण दर बहुत कम है, लेकिन उनकी सरकार पूरी सावधानी बरत रही है। दिल्ली संभावित तीसरी लहर के प्रकोप से बचाने के लिए लगातार काम कर रही है।

● बच्चों और बुजुर्गों के लिए किए जा रहे हैं विशेष इंतजाम

उन्होंने तीसरी लहर से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में भी बताया कि 12 हजार आईसीयू सहित 37 हजार कोविड-19 बेड तैयार किए जा रहे हैं। आवश्यक दवाओं के साथ-साथ मेडिकल ऑक्सीजन की क्षमता को भी बढ़ाया जा रहा है।

साथ ही यह भी कहा कि सरकार कोविड-19 की स्थिति की निगरानी करने के साथ अन्य राज्यों की स्थिति पर भी नजर रख रही है। जहां स्कूल खोल दिए गए हैं। दिल्ली के लोगों को और बच्चों को एक सुरक्षित और

फाइल फोटो

स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए अच्छी योजनाएं तैयार कर रही है। उनका विशेष ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि दिल्ली में तीसरी आए ही नहीं। स्थिति को बेहतर बनाने के लिए वैक्सीन प्रमुख हथियार है। हर गुजरते दिन के साथ टीकों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि टीकाकरण तेजी हो।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दवा कंपनियों को कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के उत्पादन को बढ़ाने का निर्देश दिए गए हैं। किसी भी कंपनी को किसी भी दवा के लिए अतिरिक्त राशि लेने का कोई अधिकार नहीं है। यदि तीसरी लहर उत्पन होती भी है तो वह उससे निपटने के लिए सभी मोर्चों पर काम कर कहीं ढील नही छोड़ रहे हैं। लेकिन उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि तीसरी लहर की स्थिति उत्पन ही ना हो।

डीजेबी के खातों के ऑडिट पर दिल्ली सरकार, कैग को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें जल बोर्ड के उन खातों का ऑडिट करने के लिए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) को निर्देश देने का अनुरोध किया है, जिनका वित्तीय ऑडिट कथित तौर पर पिछले करीब छह वर्ष से नहीं किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने याचिका पर दिल्ली सरकार, डीजेबी और कैग को नोटिस जारी किए। मामले की सुनवाई चार अक्टूबर को होगी। प्रदेश भाजपा के नेता हरीश खुराना की ओर से दायर याचिका में डीजेबी को खातों का लेखा-जोखा और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बरकरार रखने और वर्ष 2015 के बाद से लाभ और हानि के वार्षिक विवरण का उचित बहीखाता तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। साथ ही याचिका में कैग को डीजेबी का ऑडिट करने का निर्देश देने की भी मांग की गई।

आत्मदाह की कोशिश करने वाली महिला की मौत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के बाहर एक पुरुष के साथ कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश करने वाली महिला की मंगलवार को मौत हो गई। महिला ने 16 अगस्त को शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डाल कर आत्मदाह की कोशिश की थी। इस दौरान वह 85 प्रतिशत तक जल गई थी। सत्ताइस वर्षीय व्यक्ति 65 फीसदी तक जल गया था और उसकी शनिवार को मौत हो गई थी। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डीसीपी दीपक यादव ने बताया कि मंगलवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला और पुरुष द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने के बाद पुलिस ने धारा 309 के तहत एक मामला दर्ज किया था।

संक्षिप्त समाचार

आईजीआई टर्मिनल-3 पर अफगानी सिख सदस्यों द्वारा लाए श्री गुरुग्रंथ साहिब महाराज के स्वरुप का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : रंजन डिमरी

संस्कृत काव्यों में नए प्रयोग पर वेबिनार का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत काव्यों में नए प्रयोग विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य वक्ता अहमदाबाद के एचके आर्ट्स महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हर्षदेव माधव कहा कि आधुनिक संस्कृत साहित्य में गजल, कव्वाली, गीतियाँ,उपन्यास, लघुकथा, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त, हास्य आदि विधाओं में रचनाएँ हुई हैं। वेबिनार में संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. अरुण कुमार झा, डॉ. बलराम शुक्ल, डॉ. कांता भाटिया और डॉ. पुनीता शर्मा भी शामिल होकर अपना योगदान किया।

रेस्तरां में सरेआम युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के छावला इलाकेमें एक रेस्तरां में 18 वर्षीय युवक की दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाले युवक की पहचान बवाना जे जे कॉलोनी के रहने वाले अमन उर्फ गुलाम सबीर के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक छावला पुलिस थाने को फोन कर सूचना दी गई कि खैरा रोड पर हेवन ऑन अर्थ नामक रेस्तरां में दो लोगों ने वहां सर्विस ब्वॉय के रूप में काम करने वाले युवक पर गोलियां चलाईं हैं। दोनों ही आरोपी रेस्तरां में ग्राहक के रूप में आए थे और भीतर बैठकर भोजन के लिए ऑर्डर दे रहे थे। अमन वहां से निकलने ही वाला था कि उनमें से एक व्यक्ति ने उस पर गोलियां चलाईं और वहां से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल अमन को राव तुला राम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 34 (सामान्य आशय) के अलावा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की की कोशिश की रही है।

एमसीडी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का अभियान 1 से : राय

पूरे एक महीने चलेगा संपर्क अभियान, होंगी ढाई हजार बैठकें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि उनकी पार्टी एमसीडी को कूड़ा और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए 1 से 30 सितंबर तक अभियान चलाएगी। आपका विधायक, आपके द्वार अभियान के तहत ढाई हजार बैठकें की जाएंगी। पूरे अभियान का नेतृत्व पार्टी के विधायक करेंगे। अभियान की कामयाबी के लिए 25 से 30 अगस्त तक सभी 272 वार्डों में बैठकें होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को दिल्ली की जनता ने एमसीडी में बार-बार मौका दिया। उसके बदले में भाजपा के पार्षदों ने लोगों को कूड़ा और भ्रष्टाचार गिफ्ट में दिया।

गोपाल राय ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा के 15 साल के कार्यकाल में दिल्ली में कूड़े का पहाड़ खड़ा हो गया। उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वी एमसीडी के किसी भी क्षेत्र में चले जाइए, हर तरफ कूड़ा ही कूड़ा नजर आता है। गोपाल राय ने कहा कि भ्रष्टाचार ने एमसीडी के पूरे सिस्टम को ऊपर से नीचे तक खोखला कर दिया है। उसका परिणाम यह है कि आज एमसीडी को चलाने के लिए उसकी संपत्तियां बेचनी पड़ रही हैं।

राय ने कहा कि जिस तरह दिल्ली के अंदर बदलाव हुआ, उसी तरह एमसीडी में भी बदलाव की लड़ाई जनता के साथ मिलकर लड़ेंगे। एमसीडी उपचुनाव में भाजपा पहली बार दिल्ली के अंदर जीरो पर आयी। उसी तरह की हार आगामी एमसीडी चुनावों में भी उसे झेलनी होगी।

गोपाल राय ने कहा कि भ्रष्टाचार ने एमसीडी के पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। उसका परिणाम यह है कि भाजपा अब पैसा जुटाने के लिए एमसीडी की संपत्तियों को बेच रही है। इसमें भी भ्रष्टाचार हो रहा है और औने-पौने दाम पर एमसीडी की संपत्तियां बेची जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर एमसीडी को कूड़ा और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए 1 सितंबर से महाअभियान शुरू करेगी। यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। एक महीने के लंबे अभियान में ढाई हजार बैठकें की जाएंगी। इस पूरे अभियान का नेतृत्व आम आदमी पार्टी के विधायक करेंगे। कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए वहां की जनता से बात करेंगे और समस्याओं को सुनेंगे। जिन इलाकों में आप के विधायक नहीं हैं, वहां संगठन के पदाधिकारी बैठकों का नेतृत्व करेंगे।

हम तालिबानी राज्य नहीं, कहकर कोर्ट ने किया जमानत से इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भड़काऊ भाषण मामला

दिल्ली की अदालत ने एक हिंदू संगठन के अध्यक्ष की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिस पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले नारे लगाने के आरोप हैं। अदालत ने कहा कि हम तालिबान राज्य नहीं हैं।

हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपिंदर तोमर की याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल अंतिल ने खारिज कर दी और कहा कि अतीत में ऐसी घटनाओं के कारण सांप्रदायिक तनाव उपजा है जिससे दंगे हुए और जानमाल का नुकसान हुआ। तोमर पर आठ अगस्त को जंतर-मंतर पर एक धर्म विशेष के विरुद्ध सांप्रदायिक नारेबाजी करने और युवाओं को भड़काने का आरोप है। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि हम तालिबान राज्य नहीं हैं। कानून का राज, हमारे बहुसांस्कृतिक और बहुलतावादी समाज के शासन का पवित्र सिद्धांत है। आज जब पूरा भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तब कुछ ऐसे लोग हैं जो अब भी असहिष्णु और स्वकेंद्रित मानसिकता में जकड़े हुए हैं।

अदालत में अभियोजन पक्ष ने आरोपी की याचिका का विरोध किया था और कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और चूंकि आरोपी हिंदू रक्षा दल का अध्यक्ष है, इसलिए अगर इस समय उसे जमानत दे दी गई तो वह जांच को प्रभावित कर सकता है।

दो समूहों के बीच झड़प में चार लोग घायल

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के पास दो समूहों के बीच हुई झड़प में चार लोगों को मामूली चोट आई है। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात तैमूर नगर निवासी कमल सिंह अपनी डेयरी की दुकान से घर वापस जा रहा था, उसी वक्त यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि आसपास झुग्गियों में रहने वाले कुछ लोगों ने सिंह से नकदी और अन्य चीजें छीनने की कोशिश की जिसके बाद झड़प हुई। उन्होंने बताया कि घटना में सिंह को मामूली चोट आई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि झगड़े के बाद दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर पथराव किया।

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में पौधरोपण शुरू

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए : हुसैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में पौधारोपण अभियान शुरू हुआ। खाद्य और आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने मंगलवार को विवि परिसर में इस मुहिम के तहत अमलतास का पौधा लगाया। इसका आयोजन विश्वविद्यालय और रोटरी क्लब ने किया था। इस मौके पर इमरान ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण के खिलाफ अभियान चला रही है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे को भापते हुए प्रदूषण को कम करने के मकसद से वृक्ष प्रत्यारोपण नीति, एंटी- डस्ट प्रदूषण अभियान, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, रेड लाइट ऑन-गाडी ऑफ जैसे कई कदम उठाए हैं।

इमरान हुसैन ने पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए रोटरी क्लब के स्वयंसेवकों और जामिया हमदर्द के कर्मचारियों के सार्थक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कॉलेज के छात्र-छात्राओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि सभी लोगों के सामूहिक प्रयास से प्रदूषण का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। उन्होंने पौधों के उचित रखरखाव की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए कहा कि पेड़ लगाने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों और रोटरी क्लब स्वयंसेवकों से दिल्ली वालों को हरा-भरा, स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए विभिन्न स्थानों पर इसी तरह के कार्यक्रम चलाने का अनुरोध किया। इस मौके पर जामिया हमदर्द के कुलपति अफशार आलम, कुलाधिपति हामिद अहमद, रोटरी क्लब के अनिल अग्रवाल समेत कई छात्र मौजूद थे।

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में पौधरोपण अभियान में शामिल छात्र।

प्रदूषण रोकने पर कम, प्रचार पर ज्यादा जोर : कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अपने 7 साल के कार्यकाल में दमघोंटू प्रदूषण की रोकथाम कम करने बजाय उसके प्रचार पर अधिक खर्च कर रहे हैं। यह आरोप दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने लगाया है।

चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि राजधानी में प्रदूषण के मुख्य कारक वाहनों और भारी यातायात का हल निकालने की जगह दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्मॉग टावर लगाकर करोड़ो रुपये बर्बाद किए है, जबकि अभी तक स्मॉग टावर की क्षमता पर भी सवाल उठ रहे है। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में 20 करो ? की लागत में लगने वाला स्मॉग टावर 24 करोड़ में लगाया गया।

● स्मॉग टावर से नहीं सुधरेगी हवा, ठोस कदम उठाए आज सरकार : चौ. अनिल

अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल की दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए ऑड-इवन, पूसा बायो डिकम्पोजर, ट्री प्लांटेशन आदि अभियान तकनीकी खामियों और कुप्रबंधन की वजह से फेल साबित हुए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का दावा कि स्मॉग टावर पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे हानिकारक कणों को 75 प्रतिशत तक प्यूरीफाई करके हवा को शुद्ध बना देगा, इसके अभी तक कोई प्रमाण साबित नही हुए है।

ट्रांसजेंडरों की मदद के लिए मिशन सहारा, दी राशन किट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजेंद्र नगर विधायक राघव चड्ढा ने अपने विधानसभा क्षेत्र में ट्रांसजेंडरों की मदद के लिए मिशन सहारा की शुरुआत की है। इसके जरिए कोरोना काल में आर्थिक रूप से परेशान रहे इस वर्ग के लोगों की मदद करना है। विधायक उन्हें राशन किट उपलब्ध करा रहे हैं। इस किट में किचन का जरूरी सामान रखा गया है।

राघव चड्ढा को गैर-लाभकारी संगठन, कम्यूनिटी एम्पावरमेंट ट्रस्ट के साथ क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट ने ट्रांसजेंडरों की मदद करने के लिए संपर्क किया था। राघव ने ट्रांसजेंडरों की पहचान करने और राशन किट के लिए वालंटियर्स की विभिन्न टीमें तैनात की हैं। इनके जरिए करीब 100 ट्रांसजेंडरों की पहचान की गई है, जो पहले से मौजूद सरकार की मुफ्त राशन वितरण योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे थे।

इसके अलावा टीमें सरकार की राशन वितरण योजना के दायरे में इस समुदाय को लाने के लिए केवाईसी और अन्य दस्तावेजों के बनवाने में मदद करेंगी। क्योंकि इस समुदाय का काम ठप हो गया है, ऐसे में राशन वितरण के दायरे में आना बहुत जरूरी है।

सामाजिक समानता के विस्तार में कलाकारों की भूमिका महत्वपूर्ण

तेलंगाना भवन में आयोजित समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्र में सामाजिक समानता के विस्तार की दिशा में सांस्कृतिक संगठनों व कलाकारों से उनकी महत्ती भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मंगलवार को नई दिल्ली में तेलंगाना भवन में 75 वें भारतीय स्वतंत्रता उत्सव 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में आयोजित स्वतंत्र भारथी-नाट्या हारथी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर शिखाराम आर्ट थियेटर्स,हैदराबाद द्वारा हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को 'प्राइड आफ इंडिया' सम्मान से सम्मानित भी किया गया। तेलंगाना के भाषा एवं संस्कृति विभाग और शिखाराम आर्ट थियेटर्स, हैदराबाद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में

नई दिल्ली में तेलंगाना भवन में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को प्राइड आफ इंडिया सम्मान से सम्मानित करते हुए पदाधिकारी।

हरियाणा के राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा सामाजिक समानता के विस्तार की दिशा में सांस्कृतिक गतिविधियों का योगदान एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक साबित हो सकता है। इस दिशा में सांस्कृतिक संगठनों व कलाकारों को अपनी महत्ती भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। राज्यपाल ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' हमें स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों की याद दिलाता है।

नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतिगत परिवर्तनों को कार्यरूप रूप दिया है। समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास व कल्याण का लाभ पहुंचाने की दिशा में सरकार अंत्योदय के दर्शन पर निर्बाध रूप से अग्रसर है।

अयूब खान गरू ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुब्बा राव गरू व पी हनुमंथा राव गरू के अलावा डॉ. एस आदिनारायणा गरू, डॉ. पी विठ्ठल गरू व पी भारथी विठ्ठल गरू शामिल थी। जी कृष्णा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
उपायुक्त कार्यालय (आर पी सेल)
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर (25वां तल)
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, नई दिल्ली 110002, फोन नं. 011-23227514

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में मासिक लाइसेंस शुल्क आधार पर पब्लिक ई-बाइक/ई-साइकिल/साइकिल (नॉन-मोटराइज्ड) ट्रांसपोर्टेशन शेयरिंग सिस्टम को स्थापित एवं संचालित करने के लिए जगह/स्थानों के उपयोग के आवंटन हेतु ई-निविदा

ई-निविदा सूचना

आयुक्त, एसडीएमसी की ओर से पात्र बोलीदाताओं से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में मासिक लाइसेंस शुल्क आधार पर पब्लिक ई-बाइक/ई-साइकिल/साइकिल (नॉन-मोटराइज्ड) ट्रांसपोर्टेशन शेयरिंग सिस्टम को स्थापित एवं संचालित करने के लिए जगह/स्थानों के उपयोग के आवंटन हेतु दो बोली प्रणाली में (तकनीकी एवं वित्तीय) सात वर्ष की अवधि हेतु बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। 1. निविदा एनआईटी नं. 215 दिनांक 23.08.2021. 2. बोली पूर्व बैठक- दिनांक 31.08.2021 को 3.00 बजे कॉन्फ्रेंस हॉल, 6वां तल, सिविक सेंटर, 3. ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 14.09.2021 को अप. 03.00 बजे तक। (अधिक जानकारी हेतु एसडीएमसी की वेबसाइट: www.mcdonline.nic.in एवं etenders.gov.in देखें। संपर्क करें 011-23227514)

प्रशासनिक अधिकारी
आर.पी. सेल/एसडीएमसी
Ro No. 44/DPI/S/2021-22

पलवल गांव में अब स्टेडियम की बजाय अन्य खेल सुविधाएं देंगे : संदीप सिंह

विधानसभा के मानसून सत्र में दी यह जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा है कि कुरुक्षेत्र जिले के ग्राम पलवल में स्वर्ण जयंती स्टेडियम का निर्माण बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजरने के कारण व्यवहार्य नहीं है, फिर भी कुरुक्षेत्र जिले में खेल सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने यह बात मंगलवार को हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कुरुक्षेत्र जिले के विधायक सुभाष सुधा के द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देते हुए कही।

राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह जानकारी दी कि गांव पलवल में 20 एकड़ भूमि पर निर्मित किए जाने वाले स्वर्ण जयंती स्टेडियम की बजाए अब चारदीवारी, एथलेटिक्स ट्रैक, घास वाला कच्चा ग्राउंड अथवा हैंडबॉल, वालीबॉल, बास्केटबॉल तथा कबड्डी खेलों के लिए कोर्ट, एक ऑफिस- कम- स्टोर रूम, चौकीदारों तथा शौचालय बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कुरुक्षेत्र जिले में द्रोणाचार्य स्टेडियम जिला स्तरीय स्टेडियम हैं जिसमें बहुउद्देशीय हॉल ,एथलेटिक ट्रैक, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बैडमिंटन, जूडो, वूशु, हैंडबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, खो - खो कबड्डी तथा बॉक्सिंग की खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस स्टेडियम में 13 प्रशिक्षक तथा 315 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके अलावा जिला कुरुक्षेत्र में पांच राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर नामत- अमीन, सुढ़पुर, बीड कालवा, बाखली, खैरा गाँव में हैं। इन खेल परिसरों में बहुद्देशीय हॉल, एथलेटिक ट्रैक, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी तथा खो-खो की खेल सुविधाएं हैं। उन्होंने बताया कि अमीन खेल परिसर में 3 प्रशिक्षक तथा 150 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

इसी प्रकार, सुढ़पुर में एक प्रशिक्षक तथा 75 खिलाड़ी हैं, भीड़ कालवा में एक प्रशिक्षक व 62 खिलाड़ी, बाखली में एक प्रशिक्षक तथा 125 खिलाड़ी, खैरा में एक प्रशिक्षक व 55 खिलाड़ी हैं। उन्होंनें बताया कि द्रोणाचार्य स्टेडियम कुरुक्षेत्र में एक तरणताल भी है जहां पर तैराकी की सुविधा है यहां एक प्रशिक्षक है । इसी प्रकार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहबाद में हाकी एस्ट्रोट्रफ में हॉकी के खेल की सुविधा है जहां पर कुल 4 प्रशिक्षक और 150 खिलाड़ी हैं।

इसके अलावा कुरुक्षेत्र के ग्राम धनौरा जट्टान (लाडवा) में खेल परिसर का लगभग 236.68 लाख रुपए की अनुमानित लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर है। मारकंडेश्वर हॉकी स्टेडियम, शाहबाद में खेल भवन ब्लॉक बी के साथ जन शौचालय ब्लॉक का लगभग 3.43 करोड रुपए की अनुमानित लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर है। गांव बेरिया के मिनी स्टेडियम में मल्टीपरपज हाल के निर्माण हेतु 5 करोड़ रुपए की स्वीकृति की जारी की जा चुकी है। खेलों को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 15 खेल नर्सरियां खोली गई हैं। जिले में भिन्न-भिन्न खेलों के 39 प्रशिक्षित हैं जो विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण दे रहे।

क्या पूर्व फौजी ने हत्याकांड को अकेले अंजाम दिया, जांच जारी

पुलिस को अन्य लोगों के भी शामिल होने का है शक

खाटू श्याम गये आरोपी के बेटे पर भी घूम रही शक की सूई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां राजेंद्रा पार्क इलाके में पूर्व फौजी द्वारा किए गए जघन्य हत्याकांड में पुलिस को यह बात गले नहीं उतर रही कि अकेला व्यक्ति एक के बाद इतने लोगों की हत्या कर सकता है। प्राथमिकता जांच में तेजधार हथियार से हत्याएं करने की बात पुलिस कह रही है। यह हत्याएं बेहोश करके की गई या फिर किसी और तरीके से, इस पर पुलिस की जांच जारी है।

इस हत्याकांड से संबंधित जानकारी मिली है कि आरोपी राव राय सिंह की पुत्रवधू सुनीता यादव पिछले छह महीने से अपने मायके में रह रही थी। उनका पारिवारिक विवाद चल रहा था। वह तीन दिन पहले ही यहां ससुराल आई थी। राव राय सिंह का पुत्र एवं सुनीता यादव का पति आनंद यादव वकील है। वह एक दिन पहले खाटू श्याम गया था। उसके जाने के बाद हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

यह तो पता चला है कि घटना के समय हत्यारोपी राव राय सिंह की पत्नी मौजूद थी। क्या उसका भी इस वारदात में हाथ है। या फिर इन हत्याओं की प्लानिंग में उसकी भूमिका है। हत्या के साथ और कौन-कौन मौजूद थे, यह सब भी पुलिस द्वारा पता लगाया जा रहा है। आरोपी एक के बाद एक हत्या करता रहा और किसी को चीखने-चिल्लाने तक की आवाज नहीं आई। यह भी एक रहस्य बना है। इस पर से पर्दा उठाने को पुलिस बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

पुलिस क्षेत्र के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। ताकि यह पता चल सके कि हत्या के समय कोई अन्य व्यक्ति वहां आया हो या वहां से गया हो। कहा यह भी जा रहा है कि यह सब हत्याएं पूरी प्लानिंग के साथ की गई हैं। आरोपी का बेटा खाटू श्याम गया हुआ था। घर में आरोपी की पत्नी व पुत्रवधू ही थे।

वहीं किरायेदार का पूरा परिवार था। उसमें भी एक पुरुष, एक महिला व दो बच्चियां थीं। इसलिए उसने इतना जघन्य हत्याकांड को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया।

संक्षिप्त समाचार

दो दिन की भूख हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मी

सोहना। नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर दो दिवसीय भूख हड़ताल शुरू की है। पहले दिन मंगलवार को पांच कर्मचारी सुबह नौ बजे से भूख हड़ताल पर बैठ गए है। भूख हड़ताल में बैठने वालों में यूनियन के यूनिट प्रधान महेन्द्र सिंह, ललित, सतीश, विक्रम और एक अन्य शामिल हैं। सफाई कर्मचारी विक्रम सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में यूनियन कर्मचारियों ने दो दिन के लिए भूख हड़ताल शुरू की है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को अभी भी पूरा नहीं करती है तो यूनियन दो दिन बाद बड़ा फैसला लेगी। यूनियन के यूनिट प्रधान महेन्द्र सिंह ने बताया कि पिछली सरकारों की भांति राज्य की भाजपा सरकार भी बहरी है। इसके साथ-साथ अंधी व गूंगी भी है। जिन्हें कर्मचारियों को दुख दर्द नजर नहीं आया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है। जल्द ही प्रदेश स्तर पर यूनियन बड़ा ही फैसला लेगी।

नागरिक अस्पताल में 30 वॉलंटियर ने किया रक्तदान

गुरुग्राम। सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में मंगलवार को सिविल डिफेंस की सहायता से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उप-सिविल सर्जन डॉ. मनीष राठी की नेतृत्व में आयोजित इस रक्तदान शिविर में सिविल डिफेंस की टीम से जुड़े वालंटियर्स ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवसेवा के उत्कृष्ट कार्य में अपना योगदान दिया। डॉ. मनीष राठी ने बताया कि भविष्य की आपातकालीन स्थिति के मद्देनजर नागरिक अस्पताल में स्थित ब्लड बैंक में उपलब्ध स्टॉक में किसी प्रकार की कमी ना रहे, इसी को ध्यान में रखते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल डिफेंस से जुड़े 30 वालंटियसज़ ने बढ़चढ़ कर भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। डॉ. राठी ने बताया कि रक्त दान करने से हृदय की सेहत में सुधार, हृदय की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो हृदय की सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी आपात स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरतमंद की मदद हो सकेगी। डॉ. राठी व उनकी टीम ने शिविर में रक्तदान करने वाले सभी वालंटियर्स को रक्तदान का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया।

पुराने ऑटो को बदलना है ई-थ्री व्हीलर इको सिस्टम का उद्देश्य

गुरुग्राम। ई-जोन में डीजल-पेट्रोल के ऑटो के प्रवेश पर प्रतिबंध के विरोध के बीच नगर निगम ने इस प्रोजेक्ट को जनहित में बताया है। निगम की ओर से कहा गया है कि शहर में शुरू किए गए ई-थ्री व्हीलर इको सिस्टम परियोजना का मुख्य उद्देश्य पुराने डीजल ऑटो को ई-थ्री व्हीलर में बदलना है। प्रथम चरण में गुरुग्राम में 2000 पुराने डीजल ऑटो को ई-थ्री व्हीलर में बदलने के लिए ऑटो चालकों को जागरूक करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा के मुताबिक 16 अगस्त को गुरुग्राम में यातायात पुलिस, ट्रांसपोर्ट विभाग तथा नगर निगम द्वारा ई-थ्री व्हीलर इको सिस्टम की शुरुआत करते हुए विशेष ई-थ्री व्हीलर जोन शुरू किया गया। इस परियोजना की शुरूआत करने से पूर्व इस क्षेत्र की ऑटो यूनियन प्रतिनिधियों तथा ऑटो मालिकों एवं चालकों से विचार-विमर्श एवं बैठकें की गई थी। परियोजना के उद्देश्य के बारे में उन्हें अवगत करवाया गया था। ई-थ्री व्हीलर जोन में सामान्य ऑटो जिसमें डीजल एवं सीएनजी चालित ऑटो शामिल हैं, उन्हें चलने से नहीं रोका गया है। ऐसे ऑटो चालकों को अपने साथ फिटनेस प्रमाण-पत्र सहित अन्य संबंधित दस्तावेज रखने अनिवार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 10 साल पुराने डीजल ऑटो सहित ऐसे ऑटो जिनके पास फिटनेस प्रमाण-पत्र व अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, उनके चलने पर मनाही है। संबंधित विभाग द्वारा ऐसे ऑटो इन ऑटो को नहीं चलने दिया जाएगा। इस प्रकार के ऑटो अवैध रूप से चल रहे हैं तथा प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ई-थ्री व्हीलर इको सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान की भी शुरुआत की जाएगी। गुरुग्राम सहित पूरे दिल्ली-एनसीआर में पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या है तथा पुराने डीजल ऑटो प्रदूषण के स्तर को बढ़ाते हैं। प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए सरकार द्वारा ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। ई-थ्री व्हीलर इको सिस्टम परियोजना के तहत पुराने डीजल ऑटो के स्थान पर ई-थ्री व्हीलर लेने बारे ऑटो चालकों को प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए फेम इंडिया तथा नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है।

राधा-कृष्ण बन जन्माष्टमी की रिहर्सल करने में जुटे बच्चे

जन्माष्टमी की तैयारियों के दौरान राधा-कृष्ण बनीं बच्चियां।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मंदिरों में सजावट के साथ बच्चे भी राधा-कृष्ण बन कर रहे रिहर्सल

वाणी और सावनी बेशक बेटियां हों, लेकिन दोनों जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण की भूमिका में नजर आएंगी। वाणी-सावनी जैसे और भी अनेक बच्चे हैं, जो कि इन दिनों जन्माष्टमी की तैयारियों में लगे हैं। अभिभावकों द्वारा उन्हें श्रीकृष्ण की लीलाओं पर डांस आदि सिखाए जा रहे हैं। कई जगह एक्सपर्ट से भी उन्हें डांस व डायलॉग सिखाए जा रहे हैं।

30 अगस्त को मनाई जाने वाली श्रीकृष्णाष्टमी (जन्माष्टमी) की तैयारियां अभी से शुरू हो चुकी हैं। कहीं मंदिरों में साज-सजावट का काम हो रहा है तो कहीं बच्चे राधा-कृष्ण व अन्य पात्रों की भूमिका के लिए तैयार किए जा रहे हैं। घरों में उनके कार्यक्रमों की रिहर्सल हो रही है। हर माता-पिता चाहता है कि उनके बच्चे राधा-कृष्ण की भूमिका में हों या अन्य किसी पात्र की भूमिका में, सबकी नजर उन्हीं पर हो। वे ही सबसे सुंदर नजर आएं। उनके ही कार्यक्रमों के लोग कायल हो जाएं। इसी सोच के साथ बच्चों की तैयारियां भी कराई जा रही हैं। 21वीं सदी के बच्चे भी बहुत तेज दिमाग के हैं। फोर्थ जनरेशन के नाम से आजकल इन बच्चों को जाना जाता है। वे जिस चीज को देख लेते हुए हैं, तुरंत समझ लेते हैं। कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल पर उनकी नन्हीं अंगुलियों का जादू किसी ने नहीं छिपा है। आज लगभग हर घर में ऐसे बच्चे हैं, जो कि टेक्नोलॉजी के उपयोग के मामले में बड़े-बड़ों को पीछे छोड़ देते हैं। जन्माष्टमी की तैयारियों के दौरान बच्चों को माता-पिता या एक्सपर्ट जो कुछ भी सिखा रहे हैं, बच्चे तुरंत उन्हें कैच कर रहे हैं। चाहे स्माइल होना हो या गंभीरता दिखानी हो, बच्चे दोनों ही तरह से रिएक्शन देते हैं।

डिजायनर ड्रेस पहनकर मन मोह रहे बच्चे

यह भी सच है कि आज बाजारवाद ने लोगों पर पूरा कब्जा कर लिया है। पहले जो चीजें आसानी से घरों में उपलब्ध हो जाती थी, या लोग जिनसे घरों में ही काम चला लेते थे। आज वह सब सामान बाजारों में उपलब्ध है। वह भी तरह-तरह के रंगों और डिजायनों में। जन्माष्टमी पर बच्चे सबसे अधिक राधा-कृष्ण की भूमिका निभाते हैं। हाथों में बांसुरी लेकर होठों से लगाए कृष्ण बने बच्चे और मटकी उठाए राधा सबका मन मोह लेती है। जन्माष्टमी की तैयारियों में ये बच्चे किसी फिल्मी बाल कलाकार से कम नजर नहीं आ रहे। ऊपर से उनकी अठखेलियां तो और भी गजब ढाती हैं।

पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची को वार्डवाइज करने का कार्य तेज

सोहना। पंचायती आम चुनाव की तैयारी को लेकर ग्राम पंचायतों में मतदाता सूची को वार्डों में विभाजित किया जा रहा है। पंचायती चुनाव विधानसभा सूची के आधार पर तैयार की जा रही है। प्रदेश सरकार ने पंचायत विभाग को ग्राम पंचायत आम चुनाव से पहले मतदाता सूची को वार्ड के अनुसार तैयार करने के दिशा निर्देश दे दिए हैं। जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए अपने की वार्ड की मतदाता सूची में नाम मिल सकेगा। बीडीपीओ कार्यालय सचिव बलजीत ने बताया कि मतदाता सूची को एक जनवरी 2021 के आधार पर तैयार किया गया है। जिसे वार्ड के अनुसार ऑनलाइन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची लगभग तैयार हो चुकी है।

सही मार्गदर्शन ही आत्मनिर्भर हरियाणा की परिकल्पना: डॉ. मार्कण्डेय आहूजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आत्मनिर्भर हरियाणा-शिक्षा जगत की भूमिका विषय पर विचार संगोष्ठी का शुभारंभ करते अतिथि।

यहां गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर सेक्टर-51 में आत्मनिर्भर हरियाणा-शिक्षा जगत की भूमिका विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह संगठक सतीश कुमार व अध्यक्षता गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर मार्कण्डेय आहूजा ने की। आत्मनिर्भर हरियाणा के सपने को साकार करने में शिक्षकों की भूमिका को अहमियत देते हुए डॉक्टर मार्कण्डेय आहूजा ने कहा कि प्रदेश में विश्वविद्यालयों से प्रतिवर्ष अनुमानित 50 हजार विद्यार्थी रोजगार का सपना लेकर निकलते हैं। इन सभी विद्यार्थियों के मन में नई उमंग, ऊर्जा और कुछ करने की भावना होती है, जिन्हें केवल सही दिशा और मार्गदर्शन दिखाने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को उद्यमशील बनने के लिए प्रेरित करें और इसके लिए सही प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने का काम करें।

मुख्य अतिथि सतीश कुमार ने कहा कि कौशल और युवा शक्ति के द्वारा ही हम 21वीं सदी के नए भारत की नींव रख सकते हैं। प्रत्येक भारतीय के मन में यह आत्मविश्वास पैदा करना कि वे स्वावलंबन के माध्यम से परिवार और समाज को आत्मनिर्भर बना सकते हैं, यही 'आत्मनिर्भर हरियाणा' की सही संकल्पना है। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रो. एमएस तुरान, जनार्दन शर्मा, डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ. सुमन वशिष्ठ, डॉ.नीलम वशिष्ठ, डॉ. वंदना, डॉ. नवीन, डॉ. शुभम गांधी, डॉ. एकता आदि मौजूद थे। मंच का संचालन डॉ. राकेश कुमार योगी ने किया।

आवास बचाने को एकजुट हुए शहरवासी, सौंपेंगे ज्ञापन

दिए गए नोटिसों के विरोध में याचिका दायर करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना में रविवार की शाम को हुई शहरवासियों की बैठक।

शहर के 500 परिवारों को बेघर होने से बचाने के लिए नागरिक एकजुट होने लगे हैं। शहरवासियों ने दिए नोटिसों के विरोध में सड़कों पर उतरने का फैसला लिया है। गुरुवार को एसडीएम सोहना को ज्ञापन सौंपने का सर्वसम्मति से फैसला लिया है।

बीते करीब एक सप्ताह में वन विभाग से शहर के 500 परिवारों को अवैध निर्माण करने के मिले नोटिसों के विरोध में स्थानीय नागरिक एकजुट होने लगे हैं। शहरवासी गुरुवार को भारी मात्रा में सड़क पर उतरते हुए एसडीएम डॉक्टर चिनार चहल के कार्यालय तक पहुंचेंगे। जहां वन विभाग द्वारा दिए गए नोटिसों को वापस लेने और सुप्रीम कोर्ट से एसडीएम को ज्ञापन सौंपेंगे।

शासन-प्रशासन से टकराव की तैयारी

रविवार अनाज मंडी में स्थित अग्रवाल धर्मशाला में शहर के सर्वसमाज की हुई बैठक में नोटिसों को कड़ा विरोध जताया।

बैठक के बाद सतबीर पहलवान ने कड़े शब्दों में किसी भी परिवार के मकान की दीवार तक शासन-प्रशासन के हाथों को नहीं पहुंचने देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो परिवार को उजड़ने से बचा सकती है। यदि सरकार पीड़ित परिवारों को सुरक्षा नहीं देती है तो शहरवासी अपनी सुरक्षा करना जानते हैं। शहर के लोग सड़कों पर उतरकर एक भी आशियानों को उजड़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए चाहे कितना बड़ा आंदोलन क्यों न चलाना पड़े।

शहर के व्यापार मंडल संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी हरीश नंदा ने कहा कि गुरुवार तक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं से लेकर संगठन एक सूत्र में हो जाएंगे। एसडीएम को ज्ञापन देने के दौरान शहरवासी अपनी ताकत के साथ जाएंगे। उन्होंने कहा कि मकान तो दूर एक इंच जमीन पर प्रशासन का पीला पंजा नहीं चलने दिया जाएगा। जिसके लिए 500 परिवार सामूहिक रूप से एकजुट होकर अदालत में दिए गए नोटिसों के विरोध में याचिका दायर करेंगे।

हमें रोज प्रकृति का वंदन करना चाहिए : डॉक्टर अशोक दिवाकर

बोले, प्रकृति ने हमें बहुत मूल्यवान खनिज दिए हैं

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंगलवार को भोंडसी के राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बोलते हुए भूत पूर्व कुलपति डॉक्टर अशोक दिवाकर।

आजादी के संघर्ष को याद करने से ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। करोड़ों भारतवासियों के आजादी दिलाने वाले अमर शहिदों के जोश का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोंडसी स्कूल में प्रात: कालीन सभा में डॉक्टर अशोक दिवाकर, पूर्व कुलपति स्टारेक्स विश्वविद्यालय गुरुग्राम ने आजादी के बहुत से किस्से छात्रों को सुनाये। उन्होंने कहा कि हम भारत में आजादी का 75 व अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यह आजादी हमें वैसे ही प्राप्त नहीं हुई बल्कि इसके लिए हमने बहुत से बलिदान दिए हैं। उन्होंने गर्व के उन पलों को याद कराया जिनसे भारत की आजादी का इतिहास जुड़ा हुआ है। यदि गुजरे इतिहास के पन्ने खंगालें तो उन बलिदानों पर से परदा उठता है और उन दिनों की याद ताजा हो जाती है। अंग्रेजों से पहले भारत पर मुगलों का शासन था। उन्होंने अपने राजनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए हमारी धरती का उपयोग किया था। उन्होंने छात्रों को प्रकृति के बारे में भी विस्तार से बताते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत मूल्यवान खनिज दिए हैं। हमें इस प्रकृति का रोज वंदन करना चाहिए। प्राचार्य श्याम कुमार व स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य रामकिशन राघव मंडल अध्यक्ष भोंडसी भारतीय जनता पार्टी, लोकेश राघव, संध्या और जगदीश प्रवक्ता ने डॉक्टर दिवाकर को पौधा, शॉल और स्कूल स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सावधान रहें...इंसानों में भी फैल सकता है पशुओं का ब्रूसेला रोग

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

दूध उबालकर पीने की दी सलाह

लाइलाज है पशु जन्य रोग ब्रूसेला

मनुष्य को ब्रूसेला होने पर टीबी की तरह चलता है लंबा उपचार

साल 2020 से कोरोना के रूप में महामारी से हुई शुरुआत से एक के बाद एक नया रोग सामने आ रहा है। कोरोना की पहली लहर से संभलते-संभलते दूसरी लहर आ गई। इस दूसरी लहर में ब्लैक फंगस, व्हाइट फंगस से देश-दुनिया प्रभावित हुई। अब यहां पशुओं का नया रोग ब्रूसेला आया है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि पशुओं का यह रोग यह रोग इंसानों में भी फैल सकता है। इंसानों में इसका उपचार बहुत लंबा चलेगा।

ब्रूसेला (ब्रूसेलोसिस) एक जीवाणु जनित, खतरनाक और लाइलाज पशु जन्य (जूनोटिक) रोग है। पशु विशेषज्ञों ने चेताया है कि यह रोग पशुओं से इंसानों में भी फैल सकता है। इस बीमारी की चपेट में आने के बाद इंसान लम्बे समय तक संक्रमित रहता है। ब्रूसेला बीमारी के कारण पशुओं में गर्भकाल के अंतिम 3-4 महीनों में गर्भपात तक हो जाता है। यदि पशु का गर्भपात हो जाता है तो पशुपालक को तकरीबन एक लाख या अधिक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

अगर ये बीमारी किसी फार्म पर एक भी पशु को हो जाए तो उस फार्म के अन्य पशुओं में भी बहुत तेजी से फैल जाती है। ब्रूसेला ग्याभिन पशुओं के आखिरी तिमाही में गर्भपात एवं उसके बाद नाल के प्रतिधारण का कारण बनता है। यह रोग न सिर्फ संक्रमित पशु से दूसरे पशुओं में फैलता है, बल्कि मनुष्य में भी फैल सकता है। इसलिए दूध को सदैव उबालकर पीना चाहिए और नाल का नंगे हाथों से निस्तारण नहीं करना चाहिए। पशुओं में ब्रूसेला बीमारी के लक्षणों में संक्रमित गायों और भैंसों में गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में गर्भपात हो जाता है। गर्भपात हुआ भ्रूण पानी से भरा होता है व जेर का आकार बढ़ जाता है। संक्रमित पशु बार-बार थनैला रोग से ग्रसित हो जाता है। संक्रमित पशु की गर्भधारण करने की क्षमता कम हो जाती है।

टीबी की तरह लंबा चलता है ब्रूसेला का उपचार

ब्रूसेला रोग से पशु के संक्रमित होने पर इसका इलाज मनुष्य में होने वाली टीबी (ट्यूबरक्यूलोसिस) के इलाज की तरह लम्बे समय तक चलता है, जो कि काफी नुकसानदायक है। इसलिए इसे लाइलाज बीमारी माना जाता है। इसलिए पशुओं का टीकाकरण ही एकमात्र विकल्प है। जिसके लिए 4 से 8 माह की उम्र की सभी मादा बछड़ियों व कटड़ियों का ब्रूसेला अबोर्ट्स एस-19 नामक वैक्सीन द्वारा टीकाकरण किया जाता है। यह वैक्सीन एक बार लगने के बाद पशु को आजीवन ब्रूसेलोसिस से रक्षा करती है। इसके अतिरिक्त पशुओं के खून सेम्पल लेकर राज्य रोग नियंत्रण प्रयोगशाला सोनीपत को भेजे जाते हैं। पशु अस्पताल स्तर पर भी आरबीपीटी नामक टैस्ट द्वारा परीक्षण कर इस बीमारी को पता लगाया जाता है।

पशुओं में टीकाकरण अभियान चलाया : डा. पुनिता

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की उप-निदेशक डॉ. पुनिता गहलावत के मुताबिक पशुओं में होने वाली इस बिमारी की रोकथाम के लिए लिए विभाग द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) को सफल बनाने के लिए पशुओं को 15 दिवसीय टीकाकरण अभियान चलाया गया है। जिला में इस बिमारी की रोकथाम के लिए अब तक गुरुग्राम जिला में लगभग 5 हजार टीके लगाए जा चुके हैं। यह कार्य 31 अगस्त तक किया जाएगा। इसके बाद दिसम्बर और जनवरी माह में टीकाकरण किया जाएगा। 4 से 8 माह की उम्र की सभी मादा बछड़ियों व कटड़ियों का ब्रूसेलोसिस बिमारी के बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है।

बीके अस्पताल के वैक्सीन सेंटर में नहीं हैं आब्जरवेशन रूम

कविता। फरीदाबाद

केन्द्र सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक हर वैक्सीनेशन सेंटर में आब्जरवेशन रूम बनाना जरूरी है लेकिन बीके अस्पताल के वैक्सीनेशन के एक सेंटर पर ही आब्जरवेशन के लिए 30 मिनट रुकने की व्यवस्था है। बाकि स्थानों पर महिलाओं को बुजुर्गों व सैकेंड डोज लगवाने वालों के लिए आब्जरवेशन की सुविधाएं नहीं है।

बीके अस्पताल में महिलाओं को प्रथम डोज के बाद न तो बैठाया जाता और न ही उनके बैठने के लिए कोई प्रबंध किया गया है। लोगों को मिट्टी में ही बैठना पड़ता है। साफ शब्दों में कहें तो आब्जर्व करने का पूरा सिस्टम ही किनारे कर दिया गया है।

प्रोटोकॉल से है परे

टीकाकरण प्रोटोकॉल में इस बात का उल्लेख है कि संबंधित व्यक्ति को 30 मिनट सेंटर में रुकना है। इस दौरान कोई दिक्कत हुई तो लक्षणों के आधार पर इलाज का प्रोटोकॉल भी तय है लेकिन बीके अस्पताल में 18 प्लस आयुवर्ग में प्रथम डोज के पुरुषों के लिए ही बैठने का इंतजाम है। इसके अलावा यहां सैकेंड डोज और महिलाओं के लिए प्रथम डोज लगाने वाले सेंटरों पर बैठने का कोई इंतजाम नहीं है। जबकि टीकाकरण के बाद एलर्जी होना, हार्ट में अचानक दर्द, सांस में दिक्कत, चक्कर आने जैसी परिस्थितियों में टीका लगवाने वाले शख्स को अस्पताल में भर्ती किया जाता है। घर पहुंच कर दिक्कत आने पर पीड़ित को हेल्प लाइन में सूचित करने के लिए कहा जाता है।

टिन शेड और रूम

बीके अस्पताल के सैकेंड डोज और महिलाओं को प्रथम डोज वाले स्थान पर बैठने की व्यवस्था नहीं है। सैकेंड डोज में एक रूम में भीड़ होने पर लोग हंगामा करने लग जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ महिलाओं के लिए बने वैक्सीनेशन सेंटर में टिन शेड में दो पंखों के नीचे ही कर्मचारी काम करने को मजबूर हैं। यहां महिलाएं गर्मी के कारण दूर पेड़ के नीचे बैठी नजर आई।

30 मिनट रुकना जरूरी

नियम के मुताबिक टीके के बाद हर व्यक्ति को 30 मिनट तक उस केंद्र में डॉक्टर की निगरानी में रहना ही चाहिए। यह वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्ति के हित में है, क्योंकि अगर किसी को गंभीर साइड इफेक्ट होता है, तो वह 30 मिनट के भीतर पकड़ में आ जाता है। यह सही है कि प्रदेश में वैक्सीन के एडवर्स इफेक्ट के मामले कम हैं, लेकिन इस वजह से सतर्कता को नजर अंदाज नहीं कर सकते। युवा हों या सीनियर सिटीजन, वैक्सीन लगवाने वाले हर व्यक्ति को यह नियम मानना ही चाहिए।

कोरोना वैक्सीनेशन कैंप आज

फरीदाबाद। सेक्टर 16 ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं एवं स्टॉफ सदस्यों के लिए कोरोना की कोविडशील्ड वैक्सीन की पहली एवं दूसरी डोज के लिए महाविद्यालय में 25 अगस्त दिन बुधवार को कैंप लगाया जाएगा। सेक्टर 8 फरीदाबाद इएसआई से डॉक्टरों की टीम द्वारा वैक्सीन लगाई जाएगी। प्राचार्य डा. सुनिधि ने बताया कि महाविद्यालय में परीक्षाओं के साथ दाखिला प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऐसे में छात्राओं के परिजन एवं महाविद्यालय के आस-पास के लोग भी इस कैंप में आकर वैक्सीन लगवा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपना आधार कार्ड साथ लेकर आना होगा। कैंप सुबह 10 बजे से होगा।

अपहरण कर फिरौती मांगने के आरोप में दो नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच 56 ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

वारदात में प्रयोग गाड़ी आई-20 बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने नाइजीरियन नागरिक का अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस टीम ने इस मामले में दो नाइजीरियन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। किसी विवाद को लेकर हुए झगड़े के बाद आरोपी दोस्त के भाई का अपहरण कर दिल्ली ले गए थे।

पुलिस के मुताबिक मारपीट और अपहरण की यह घटना 19 अगस्त की है। सेक्टर 75 में बॉबी ओनयेका नामक नाइजीरियन युवक के भाई को उसके ही देश के रहने वाले दो युवकों ने बंधक बना लिया था और दिल्ली ले जाकर बुरी तरह से पीटा। आरोपी युवक को बंधक बनाकर उसके भाई से फिरौती मांग रहे थे। इस संबंध में मामला थाना सूरजकुंड में दर्ज किया था।

मामले की जांच क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 को सौंपी गई थी। क्राइम ब्रांच प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में आरोपियों और शिकायतकर्ता का आपस में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों ने थाना बीपीटीपी में जाकर राजीनामा की दरखास्त देकर राजीनामा कर लिया था। आरोपियों ने आपस में राजीनामा करके फरीदाबाद के सूरजकुंड के राजहंस होटल में पहुंच गए। राजीनामा की बात को लेकर दोबारा से दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ। जिसके बाद शिकायतकर्ता के भाई को आरोपियों ने गाड़ी में डालकर जबरदस्ती दिल्ली ले गए। पीड़ित की पत्नी ने जब घटना की सूचना पुलिस को दी तो आरोपी युवक को घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए थे जिसका अभियोग थाना सूरजकुंड में अपहरण, मारपीट, साजिश बनाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा आज आरोपी केल्विन और केनेथ निवासी नाइजीरिया को सेक्टर 82 फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है आरोपियों के पासपोर्ट वीजा और मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। दोनो आरोपियों की गिरफ्तारी के मामले में नाइजीरियन दूतावास, एफआरआरओ और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार को सूचित किया जा रहा है।

तिगांव तक चलने वाली सिटी बस का विस्तार मंझावली तक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ से तिगांव तक चलने वाली सिटी बस सर्विस की रूट नंबर 909 नंबर बसों का विस्तार कर मंझावली तक कर दिया गया है। अब ये बस बल्लभगढ़ से चलकर मंझावली तक जाएंगी। इसके बाद इसी रूट से वापिस चलकर बल्लभगढ़ बस स्टैंड पहुंचेंगी।

बस शुरू होने से नौकरी पेशा, कॉलेज स्टूडेंट और आम लोगों को शहर जाने में बड़ी सुविधा होगी। अब तक आटो से जाने को मजबूर लोग बस में सुरक्षित व सुगम सफर कर सकेंगे। सिटी बस चलने से बल्लभगढ़ मेट्रो स्टेशन तक आना-जाना भी आसान हो जाएगा। बल्लभगढ़ से मंझावली के लिए चलाई गई बस बल्लभगढ़ बस स्टैंड से सुबह सात बजे चलनी शुरू हो जाएगी। इसके बाद प्रत्येक 10 और 15 मिनट के अंतराल पर बस चलेगी। बस बल्लभगढ़ से सेक्टर-3, बाईपास, मुजेड़ी, मिर्जापुर, एनटीपीसी, नीमका जिला जेल, नीमका, नवादा, तिगांव, मंधावली, लहंडोला, रायपुर कलां, घरौड़ा, अझीपुर होते हुए मंझावली पहुंचेंगी। मंझावली से चलकर ये बस इसी रूट से वापस बल्लभगढ़ बस स्टैंड जाएंगी। इस रूट के लिए छह बस चलाई गई हैं। शाम को आखिरी बस मंझावली गांव से शाम को सात बजे चलेगी।

सिटी बस का सफर करने वालों के लिए हर एक किलोमीटर पर स्टॉप रखा गया है। मेट्रो की तरह बस के अंदर स्टाप आने की जानकारी दी जाती रहेगी। एक से 10 किलोमीटर तक के सफर के लिए 10 रुपये, 10 से 20 किलोमीटर के लिए 20 और 20 से 40 किलोमीटर तक के सफर के लिए 40 रुपये किराया तय किया गया है। फिलहाल बसें रोजाना शाम साढ़े सात बजे आखिरी चक्कर पूरा कर गुडगांव डिपो चली जाएंगी। वहां से रोजाना सुबह सात बजे आ जाएगी। रोडवेज डिपो के जीएम राजीव नागपाल ने बताया कि लोगों की डिमांड पर बल्लभगढ़ से मंझावली के लिए यह बस सेवा शुरू की गई है। जिससे नौकरी पेशा व कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को लाभ मिल सके।

जिले में कोरोना के सिर्फ एक्टिव केस 10

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना का मंगलवार को एक भी मरीज सामने नहीं आया। लेकिन फिलहाल जिले में 10 एक्टिव केस हैं। जिसमें एक मरीज अस्पताल में भर्ती है। होम आईसोलेशन पर आठ मरीज हैं।

वहीं जिले में ऑक्सीजन पर भी एक मरीज है। जिले में पिछले 24 घंटे में 2524 सैम्पल जांच किए गए हैं। जिसमें 947 मरीजों की जांच रिपोर्ट आनी शेष है। जिले में फिलहाल मंगलवार को 4 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 99.27 प्रतिशत पर पहुंच गया है। वहीं जिले में 99094 मरीज पूरी तरह से अब तक ठीक हो चुके हैं।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 1061135
अब तक पॉजिटिव	: 99820
अब तक नेगेटिव	: 960368
रिपोर्ट आनी शेष	: 947
ऑक्सीजन पर है	: 1
अब तक मौत	: 716
अब तक ठीक	: 99094

बीमा पॉलिसी में फायदे का झांसा देकर ठगते थे, गिरफ्तार

आरोपियों ने फरीदाबाद निवासी व्यक्ति से 5.26 लाख ठगे थे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लाइफ इन्शोरेंस पॉलिसी पर ज्यादा फायदा दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह का साइबर अपराध थाना इंस्पेक्टर बसंत और उनकी टीम ने पर्दाफाश किया है।

आजकल के महंगाई के दौर में आमजन अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बीमा पॉलिसी करवाते हैं, लेकिन कुछ अपराधिक प्रवृति के लोग झूठा बीमा एजेंट बनकर भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी करते हैं। इसी तरह से आरोपियों ने फरीदाबाद के हरीश चंद्र को ईंश्योरेंस पॉलिसी का झांसा देकर 5.26 लाख रुपये धोखाधड़ी से हड़प लिये थे। जिस पर 26 मई को पुलिस थाना साइबर अपराध फरीदाबाद अंकित किया गया था। पुलिस कमिश्नर ने साइबर अपराध थाना पुलिस को मामले को जल्द सुलझाने और इस तरह की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए साइबर अपराध थाना इंस्पेक्टर बसंत और उनकी टीम ने तकनीकी एवं अपने सूत्रों के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के 2 सदस्यों को एनसीआर एरिया से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अंकुश पुत्र काशी निवासी थाना नोबस्ता जिला कानपुर (उ.प्र) हाल किरायेदार डीडीए फ्लैट्स नारायणा दिल्ली और पवन पुत्र संजीव निवासी लालगंज जिला वैशाली बिहार हाल किरायेदार मकान नारायणा दिल्ली शामिल है।

पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी लोगों के पास फोन कर लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी पर ज्यादा फायदा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर अपने खातों में पैसे डलवा लेते थे। इस काम में उनके कुछ अन्य साथी भी साथ देते थे जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है उनको भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने इस तरह की करीब 10 और वारदातों को दिल्ली एनसीआर एरिया और लखनऊ में अंजाम दिया हुआ है।

केवल दो दिन ओर होंगे कॉलेजों में आवेदन

फरीदाबाद। कॉलेजों में आवेदन के लिए केवल दो ही दिन का समय बचा है। बुधवार और बृहस्पतिवार को ही विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे। यानी विद्यार्थी के आवेदन कॉलेजों में 26 अगस्त तक ही लिए जाएंगे। उसके बाद दो सितंबर को पहली मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। जानकारी के मुताबिक कॉलेजों में स्नातक कोर्सेज के लिए 16 अगस्त को आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। शुरूआत में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में छात्रों को कुछ परेशानियां आई, लेकिन उसके बाद से आवेदन प्रक्रिया स्मूद चल रही है। मंगलवार को सभी 10 कॉलेजों में आवेदन की प्रक्रिया जारी रही। अब दाखिले के लिए आवेदन करने के लिए केवल दो दिन का समय बाकी रह गया है। इस बार छात्रों को आवेदन करने के लिए कम समय मिला है। ऐसे में छात्र संगठनों द्वारा आवेदन करने की तारीख बढ़ाने की मांग की जा रही है। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने बताया इस बार छात्रों को आवेदन करने के लिए केवल 11 दिन का समय मिला है।

पेड़ पौधों को राखी बांधकर बताया जल संरक्षण का महत्व

जल शक्ति अभियान के तहत आयोजित किए गए जागरुकता कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेंद्र यादव कुशल मार्ग दर्शन में जिला में सरकार की हिदायतों के अनुसार जल शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए आम जन में जागरूकता लाकर अभियान का भागीदार बनाया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान को जलशक्ति अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि 15 अगस्त से शुरू होने वाले अमृत महोत्सव के संबंध में अगस्त 2021 से एक पुरस्कार के रूप में, जल शक्ति अभियान-कैच द रेन का कार्यक्रम है क्रियान्वित किया जा रहा है। यह अभियान प्रधान मंत्री द्वारा विश्व जल के अवसर पर भारत के गोवेम का शुभारंभ किया है। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान ने कहा कि मानव

जीवन में जल की भूमिका महत्वपूर्ण है। जल ही जीवन है। जल नहीं तो कल नही। जल बिन जन जीवन ही सम्भव नहीं है।

हमें अपने और अपनी पीढ़ियों के भविष्य के लिए आज ही जल को संरक्षण करके लिए बचाना होगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जलशक्ति अभियान के तहत यह जनजागरण चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जल शक्ति अभियान की तहत होने वाली गतिविधियों में और तेजी लाकर आम जनता को जागरूक करके इसका आमजन को भागीदार बनाना है। ताकि गिरते भूमि जल स्तर में सुधार किया जा सके और हमारे तथा आगे आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण किया जा सके। उन्होंने जल शक्ति अभियान के तहत करवाए जा रहे कार्यों के बारे में बताया कि अभियान के तहत मुख्यत: पांच बिंदु हैं, जिन पर कार्य किया जा रहा है। जिनमें गांव व शहरी क्षेत्रों में तालाबों के जीर्णोद्धार, पौधारोपण, पुराने कुओं की सफाई व रख-रखाव, घरों में रैनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए जागरूक करना आदि शामिल हैं।

कृषि भूमि में मैपिंग का कार्य निर्धारित समय पर करें पूरा

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला के सभी गांव में अभी तक खेती की भूमि का मैपिंग कार्य आनलाइन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि मैपिंग का कार्य बहुत ही अहम कार्य है। इस कार्य के माध्यम से पूरे जिला की खेती व्यवस्था की पूरी जानकारी ऑनलाइन करनी है। इसलिए इस कार्य में लगे जो भी अधिकारी और कर्मचारी हैं वे गंभीरता के साथ कार्य करें और इस कार्य को मॉनिटरिंग कर रहे अधिकारी भी इस कार्य को नियमित रूप से चेकिंग अवश्य करते रहें ताकि प्रदेश सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार इस कार्य को सही तरीके से बेहतर रूप से पूरा किया जा सके। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि जिला फरीदाबाद की खेती भूमि वास्तविक स्थिति बारे सरकार को अवगत कराना है। जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि जिला में 192 गांव है। इनमें 1813185 एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने बताया कि जिला में 100 प्रतिशत खेती योग्य भूमि की मैपिंग का कार्य उप कृषि निदेशक द्वारा किया जाना है।

कबड्डी प्रतियोगिता में रोहतक व पानीपत का शानदार प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पलवल जिले के प्रमुख गांव खाम्बी में संपन्न हुई कबड्डी प्रतियोगिता में हरियाणा के कई जिलों से आई टीमों ने भाग लिया। पूल-ए एवं पूल-बी में वर्गीकृत हुई दो दर्जन टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को मोह लिया। फाइनल राउंड में बढ़ अकबरपुर (रोहतक) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं कालालाट (पानीपत) की रनर अप टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रथम आई टीम को इक्यावन हजार का इनाम एवं द्वितीय आई टीम को इकतीस हजार का इनाम दिया गया। ग्यारह-ग्यारह हजार के बेस्ट रैडर का इनाम काशीपुर के दीपक एवं बेस्ट कैचर का इनाम बलहारा के शोलू को दिया गया। कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन दादा परशुराम सेवा समिति खाम्बी के तत्वावधान में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमवीएन स्कूल (फरीदाबाद) के प्रतिनिधि ने कबड्डी टीमों का उत्साहवर्धन किया। प्रथम इनाम के लिए सहयोग राशि एमवीएन स्कूल (फरीदाबाद) के प्रबंध निदेशक अमन शर्मा की तरफ से, द्वितीय इनाम के लिए खाम्बी के समाजसेवी कुंज बिहारी की तरफ से, बेस्ट रेडर इनाम के लिए भूपगढ के सरपंच बिहारी लाल की तरफ से प्रदान की गई।

संक्षिप्त समाचार

पदक विजेताओं का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

फरीदाबाद। एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्ल्ड चैम्पियनशिप नैरोबी कीनिया में भारतीय टीम के पदक विजेता खिलाड़ियों का दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचने पर फूल माला पहनाकर और ढोल नगाडे बजाकर हार्दिक स्वागत किया गया। सभी खिलाड़ियों को एथलेटिक्स हरियाणा की तरफ से लड्डू और देशी घी का चूरमा खिलाया गया। कपिल दलाल मसूदपुर हिसार, सुम्मी लडकी डाटा हिसार और अमित खत्री इस्माइला रोहतक आदि खिलाड़ियों के स्वागत समारोह में एथलेटिक्स हरियाणा के संयुक्त सचिव भीम अवार्डी चरण सिंह राठी झज्जर और मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड फरीदाबाद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद की महिला कोच अनु भाटी, शारीरिक शिक्षक मोनू शर्मा और नंदा सरपंच पृथला आदि ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को फूल माला पहनाकर सम्मान दिया।

जिले में 15356 लोगों को लगा टीका

फरीदाबाद। जिले में मंगलवार को 15356 लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया। जिसमें 1728 लोगों ने निजी अस्पतालों में टीकाकरण करवाया। इस दौरान जिले में 15 हेल्थ केयर वर्करों, 82 फ्रंट लाईन वर्करों को टीका लगाया गया। वहीं 18 प्लस आयुवर्ग में 11697 लोगों ने डोज लगवाई। इसके अलावा 45 प्लस आयुवर्ग में 3562 लोगों ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। वहीं पूरे जिले की बात करें तो फिलहाल 1449850 लोगों को वैक्शीनेशन की डोज लगाई जा चुकी है। जिले में बुधवार को 19 स्थानों पर वैक्सीन लगाई जाएगी। जिसमें छह केन्द्र सरकारी के और 13 केन्द्र निजी अस्पतालों में होंगे।

आत्मनिर्भर भारत में शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर सेमिनार

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत में शिक्षण संस्थानों की भूमिका' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश कुमार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कायक्र म में विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट, एलुमनाई एवं कारपोरेट मामलों के डीन प्रो. विक्रम सिंह, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, स्वदेशी जागरण मंच में उत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सौरोत, अग्रवाल कॉलेज प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत के अलावा फरीदाबाद, पलवल तथा मेवात से शिक्षण संस्थानों के सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन के साथ-साथ रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता के महत्व से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट से देश को बाहर निकालने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कहा कि देश में 18 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं की तादाद 37 करोड़ है, जोकि अमेरिका की कुल आबादी से भी ज्यादा है। देश के पास युवा शक्ति के रूप में अमूल्य धरोहर है जोकि सबसे मूल्यवान धातु सोने से ज्यादा कीमती है।

कर्मचारियों ने शुरू की दो दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर प्रदेशव्यापी दो दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल के तहत नगर निगम फरीदाबाद के 51 कर्मचारी भी सुबह नौ बजे से नगर निगम मुख्यालय बीके चौक पर भूख हड़ताल पर बैठ गये है। कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के समय सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर की अध्यक्षता में विरोध सभा का भी आयोजन किया। सभा का संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव सोमपाल झिझोटिया ने किया। सभा में विशेष रुप से नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, उप महासचिव सुनील चिंडालिया, जिला प्रधान गुरचरण खांडिया और जिला सचिव नानक चंद खेरालिया भी उपस्थित रहे। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि संघ ने सरकार को विगत 30 जुलाई आंदोलन का नोटिस एवं मांग पत्र भेजते हुए अनुरोध किया था कि सरकार कर्मचारियों की मानी गई मांगों को लागू करें एवं मांग पत्र पर बैठकर बातचीत कर मांगों का समाधान करें लेकिन सरकार लगातार कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा व अनसुना कर रही है। संघ नेताओं ने चेतावनी दी है कि सरकार ने यदि मानी गई मांगों के पत्र जारी नहीं किए तथा मांग पत्र पर बातचीत नहीं की तो संघ 27 अगस्त के बाद राज्य कमेटी की बैठक बुलाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का फैसला करेगा।

सर्व समाज के लोग मिलकर बनाएंगे बसपा की सरकार

फरीदाबाद। बहुजन समाज पार्टी के दिल्ली एवं हरियाणा प्रभारी सीपी सिंह ने कहा बसपा सुप्रीमो मायावती की सोशल इंजीनीरिंग एवं सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीति से ही देश के सभी जाति वर्ग के लोगों का भला होगा। आगामी चुनाव में सर्व समाज के लोग मिलकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में बसपा की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस व भाजपा ने देश की जनता को बेरोजगारी, भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर हमेशा गुमराह किया है। यह दोनों ही पार्टियां गरीब के अच्छे दिन लाने की बात करती हैं, मगर अमीरों का कर्ज माफ करते हैं। भाजपा के सात साल के राज में ही देश की जनता सड़क पर भूखा मरने की हालत में आ गई है। सिंह यहां फरीदाबाद एवं पलवल जिलों के बसपा पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में मायावती ने चार बार बतौर मुख्यमंत्री बेहतरीन काम किया है। हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट गुरमुख सिंह, हरियाणा प्रभारी डॉ. श्यामलाल ने बसपा कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा आगामी 2022 के चुनाव में पंजाब एवं उत्तर प्रदेश में बहुमत से बसपा की सरकार बन रही है। बैठक में भीम आर्मी छोड़कर आए मनोज कुमार, व्यापारी दीपक शर्मा, अजय कुमार, देवेन्द्र सिंह ने बसपा को ज्वाइन किया।

परिवार नियोजन

दक्षिणी राज्य प्रभावित

परिवार नियोजन ने लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के हिस्से को प्रभावी रूप से घटा दिया है। पिछले सप्ताह मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा था कि तमिलनाडु को लोकसभा में दो सीटें घटने की भरपाई की जानी चाहिए जिसका कारण परिवार नियोजन का प्रभावी क्रियान्वयन है। यह संदर्भ 1967 चुनाव से पहले राज्य की लोकसभा सीटें 41 से घट कर 39 रह जाने का है। यहां मुआवजे की गणना करना उचित नहीं है, पर मुद्दा निश्चित रूप से संसदीय व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन है। नियमित परिसीमन से गलत प्रतिनिधित्व दूर होता है तथा जनसंख्या वृद्धि या विस्थापन के कारण परिवर्तन दर्ज होता है। यह वास्तव में सरकारों के लिए समस्या का कारण हो सकता है। राज्यों में जनसंख्या वृद्धि असमान होती है तथा वर्गों व जातियों का सही प्रतिनिधित्व लगभग असंभव है। देश 1970 के दशक से निर्वाचन क्षेत्रों के पूर्ण परिसीमन की प्रतीक्षा कर रहा है जो 2026 के पहले संभव नहीं है। इसका अर्थ व्यावहारिक रूप से 2031 की जनगणना की प्रतीक्षा करना होगा। 2002 से 2008 के बीच 2001 की जनगणना के आधार पर एक प्रकार का परिसीमन हुआ था। इसमें वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में परिवर्तन किया गया तथा आरक्षित सीटों की संख्या पर पुनः गौर किया गया। इस फरवरी में सरकार ने चार पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू व कश्मीर में आंशिक परिसीमन का काम शुरू किया। लेकिन इस गतिविधि से कश्मीर को छोड़ कर कहीं सीटों की संख्या नहीं बदलेगी। भारत में मतदाताओं के प्रतिनिधित्व पर एक महत्वपूर्ण पुस्तक लिखने वाले ब्रिटिश राजनीति विज्ञानी एलिस्टर मैक्मिलन के अनुसार यदि यहां 2001 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाता तो तमिलनाडु को लोकसभा की सात और सीटों से हाथ धोना पड़ता, जबकि उत्तर प्रदेश की इतनी ही सीटें बढ़ जातीं।

इससे दक्षिणी राज्यों को नुकसान होता जो वैज्ञानिक परिवार नियोजन विधियों का व्यवहार करने के लिए 'उपहार' जैसा था। यह ऐसा अत्यधिक संवेदनशील मुद्दा है जिसे कोई राजनीतिक पार्टी नहीं छेड़ना चाहती है। यदि 2011 की जनगणना का प्रयोग किया जाए तो दक्षिणी राज्यों को 17 सीटें गंवानी पड़ेंगी, जबकि बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को 22 सीटों का लाभ होगा। यह अंतर अगली जनगणना तक भी बना रहेगा। सरकार को इस समस्या से सीधे निपटने तथा 2031 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की प्रतिबद्धता प्रकट करनी चाहिए। इससे देश में कम से कम सकारात्मक व नकारात्मक रूप से एक बहस शुरू होगी तथा राज्यों व राजनीतिक गठबंधनों के छिपे सामाजिक व राजनीतिक एजेंडे सामने आएंगे। सार्वजनिक विमर्श से केन्द्र व राज्यों के बीच एक प्रकार का संघीय विमर्श सामने आएगा जिससे केन्द्र व राज्यों का दृष्टिकोण तथा अंतर-राज्य असमानतायें स्पष्ट होंगी जिनका समाधान करना जरूरी होगा। यहां मामला केवल सीटों की संख्या का नहीं है। समुदायों के बीच राजनीतिक व सामाजिक जागरूकता बढ़ी है तथा उनके प्रतिनिधित्व में संतुलन लाने की आवश्यकता है। यदि जातीय जनगणना की जाती है तो इससे अलग प्रकार की समस्यायें उभर कर सामने आ सकती हैं। यदि पिछली सरकारों ने हर जनगणना के बाद परिसीमन से संकोच न किया होता तो लोकसभा की संरचना धीरे-धीरे बिना किसी विवाद के बदलती रहती। इसे अगली बार करने से अचानक शक्ति संतुलन में परिवर्तन आएगा, लेकिन इससे बचने का कोई और विकल्प भी नहीं है।

कैसे आतंकवाद से जुड़ गया विस्तारवाद?

कैसे अमेरिका, भारत और अफगानिस्तान को पूरी तरह से छोड़ दिया गया और झुकाव चीन और उसके सहयोगियों रूस, पाकिस्तान और ईरान की ओर स्थानांतरित हो गया।

निष्ठा कौशिकी
(लेखिका भटिंडा के केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

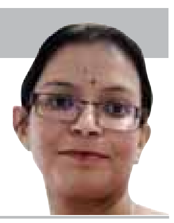

तालिबान द्वारा अधिग्रहण किसी भी अंतरराष्ट्रीय कानून से रहित एक वैकल्पिक विश्व व्यवस्था की स्थापना में पहला कदम है। जैसे ही अमेरिका अपने हमेशा के लिए युद्ध चरण से बाहर निकलता है, कई अभी भी इस बात से हैरान हैं कि तालिबान इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक कैसे बन गया। आज पाकिस्तान आतंकी शासन को मान्यता देने वाला पहला देश बनने जा रहा है। इसके बाद जल्द ही चीन और अन्य ताकतें पश्चिम से शत्रुतापूर्ण व्यवहार करेंगी। इस प्रकार विस्तारवाद आतंकवाद में शामिल हो गया है। ऐसी संभावना है कि जब पश्चिम वार्ता पर ध्यान केंद्रित कर रहा था, तालिबान राजनीतिक मान्यता प्राप्त करने के लिए वार्ता मंच का उपयोग कर रहा था। यह एक साथ दूसरों द्वारा पुनः स्थापित किया गया था। कुछ कदम पीछे हटें और उलझी हुई भू-राजनीति की रूपरेखा सामने आती है। कूटनीतिक और राजनीतिक मान्यता के लिए तालिबान की खोज का पता वर्ष 2007 में लगाया जा सकता है जब उसने दुनिया, विशेषकर अमेरिका तक पहुंचने के लिए एक राजनीतिक आयोग की स्थापना की। तालिबान के दिमाग में जो मूल उद्देश्य था, वह एक आतंकवादी संगठन के बजाय खुद को राजनीतिक आंदोलन के रूप में पेश करना था। बाद में, दोहेन 2013 में उनके पहले विदेशी कार्यालय के उद्घाटन ने उन्हें वास्तविक पहचान दी क्योंकि विभिन्न देशों के राजनयिकों ने इसका दौरा किया था। वार्ता असफल रही और कार्यालय बंद कर दिया गया। हालांकि, इसने तालिबान को अपने लिए एक राजनयिक आवाज और बहुत आवश्यक राजनीतिक स्थान प्राप्त किया। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने तालिबान, अल-कायदा और आईएसआईएस के बीच अंतर करना शुरू कर दिया था, जिसे भारत ने हमेशा अस्वीकार किया था और बार-बार अपील की थी। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के लिए।

2014-15 की शुरुआत में, प्रमुख शक्तियां और तालिबान आईएसआईएस को खत्म करने के लिए जुटे। ईरानी सरकार ने तालिबान को मशहद में अपना कार्यालय खोलने की अनुमति दी। इस अभिसरण ने 2015 के यूएस-ईरान परमाणु समझौते को भी जन्म दिया। ईरान के माध्यम से अमेरिका ने तालिबान के साथ अप्रत्यक्ष रूप से आईएसआईएस से लड़ने के लिए सगाई की। ईरान के सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी ने ढ्ढस्ढ्ढस् से लड़ने में अमेरिका की मदद करने में अहम भूमिका निभाई थी। एक तरह से या दूसरे, अमेरिका ने लड़ाई को आउटसोर्स किया, एक ऐसा विकास जिसे वाशिंगटन पोस्ट में शामिल किया गया था।

रूसी हित भी आईएसआईएस के खिलाफ थे। इसने रूस और चीन जैसी शक्तियों को तालिबान को शामिल करने और इसे एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में मानने के लिए प्रेरित किया। बैक चैनलों का उपयोग करके क्षेत्रीय और अतिरिक्त-क्षेत्रीय शक्तियों से निपटना तालिबान के लिए एक सामरिक और रणनीतिक जीत का क्षण था। यह वह समय भी था जब ईरान और रूस द्वारा तालिबान को फिर से संगठित करने की पहल की गई थी। उदाहरण के लिए, तालिबान को तेहरान की सैन्य सहायता में हल्के हथियार, राइफल से चलने वाले हथगोले और यहां तक ??कि सैन्य प्रशिक्षण भी शामिल था। तालिबान को पाकिस्तान का सैन्य समर्थन पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है। इस प्रकार आईएसआईएस के खिलाफ संयुक्त प्रतिरोध ने तालिबान के लिए मार्ग प्रशस्त किया। तालिबान के दो उद्देश्य पूरे हुए। पहला, स्टेकहोल्डर्स क्लब में प्रवेश, और दूसरा, कैसे इसने अफगानिस्तान में एक मजबूत गढ़ हासिल किया, जिसने बाद में एक इस्लामिक अमीरात बनाने की अपनी पुरानी आकांक्षाओं को पंख दिए।

चीन ने 2013 में अपना ओबीओआर शुरू किया था और अफ्रीका के अलावा दक्षिण, मध्य और पश्चिम एशिया में अपनी आर्थिक उपस्थिति बढ़ा दी थी। इसने अपने छोटे हथियारों की आपूर्ति और इन सभी क्षेत्रों में अलोकतांत्रिक और अत्याचारी सरकारों का समर्थन करके इस क्षेत्र में सामरिक पैठ बनाई। इस प्रकार चीन ने एक शैडो बॉक्सर की नीति अपनाई, जिसमें उसने उन देशों के साथ शिथिल सहयोग किया, जो अपने उप-क्षेत्रों में अमेरिका के प्रति शत्रु हैं। इसने रूस के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ अपने सामरिक, सैन्य और आर्थिक संबंधों को भी मजबूत किया। इस प्रकार रूस और चीन दोनों के लिए ईरान की आकर्षकता अच्छी तरह से स्थापित है। 2016 में अमृतसर में आयोजित छठे हार्ट ऑफ एशिया (एचओए) सम्मेलन में तेज ध्रुवीकरण स्पष्ट हो गया। भारत और अफगानिस्तान, आतंकी नेटवर्क में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने के प्रयासों के बावजूद, जब इस्लामाबाद को रूस से कूटनीतिक प्रशंसा मिली, तो उन्हें क्रूरता से किनारे कर दिया गया। इसके साथ ही, चीन-पाक गठजोड़ ने अफगानिस्तान में हक्कानी और हेकमतयार नेटवर्क के माध्यम से सशस्त्र विद्रोहियों का समर्थन किया, जबकि काबुल और तालिबान के बीच एक सौदा करने के लिए अपने अच्छे कार्यालयों की पेशकश भी की। उस विशेष समय में इस तरह के सौदे का मतलब तालिबान के लिए किसी प्रकार की वैधता की शुरुआत करना था। अफगान शांति प्रक्रिया चीन-रूस-पाकिस्तान और ईरान के सहयोग के बीज बोने के लिए एक उपजाऊ जमीन थी। अफगान शांति और सुलह प्रक्रिया पर चतुर्भुज समन्वय समूह (त्तष्टत्र) की पहली बैठक जनवरी 2016 में इस्लामाबाद में हुई थी। इस मंच के माध्यम से, पाकिस्तान अमेरिका और चीन दोनों को एक ही मेज पर लाने में सफल रहा था। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि जो भी निर्णय लिया जाएगा वह पाकिस्तान के पक्ष में होगा; और अमेरिका, रूस और अन्य यूरोपीय शक्तियों के लिए इसकी रणनीतिक उपयोगिता का प्रक्षेपण एक बोनस होगा।

जैसा कि बीजिंग ने मास्को को प्रभावित करना जारी रखा, चीन, पाकिस्तान और रूस के बीच पहली बार दिसंबर 2016 में नई त्रिपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें मॉस्को ने अफगानिस्तान पर कार्य समूह पर काम करने का फैसला किया। इस भू-राजनीति में भारत और अफगानिस्तान को फिर से निराश किया गया। इसने उभरते हुए पाकिस्तान-चीन-रूस गठबंधन के लिए मंच तैयार किया। समय के साथ, जैसे-जैसे सीरिया और इराक के कट्टरपंथी अफगानिस्तान की ओर बढ़े, मॉस्को और बीजिंग ने तालिबान के साथ अपने सहयोग को और बढ़ाया। इसने अफगानिस्तान में अमेरिका के नेतृत्व वाले मिशन को भी कमजोर कर दिया। इन कारणों से, हक्कानी नेटवर्क और उसके प्रतिनिधियों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत और अफगानिस्तान द्वारा अपनी चिंताओं को व्यक्त करने पर, वार्ता को 2017 में छह-पक्षीय वार्ता में बदल दिया गया था, लेकिन दोनों का बहुत कम प्रभाव था। रूस, पाकिस्तान और चीन के दबाव ने 2018 में तालिबान के साथ बिना शर्त शर्तों पर अफगान सरकार की बात की और यह था इसे राजनीतिक दल के रूप में मान्यता देने के लिए बाध्य किया। इस मुद्दे पर अफगानिस्तान के साथ अपने मतभेदों के बावजूद भारत ने अपना मानवीय समर्थन और अपनी विकासात्मक परियोजनाओं को जारी रखा।

इस समय तक, एक चीन-रूस एंटेंटे आकार ले चुका था, और अमेरिका मई 2018 में जेसीपीओए से हट गया था। ईरान ने रूस और तालिबान के बीच संबंधों को प्रोत्साहित किया था। इसके अलावा, आईएसआईएस में शामिल होने वाले पूर्व-तालिबान असंतुष्टों ने मास्को और तेहरान दोनों के लिए एक आम खतरा पेश किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका, भारत और अफगानिस्तान को पूरी तरह से छोड़ दिया गया और चीन और उसके सहयोगियों - रूस, पाकिस्तान और ईरान की ओर रुख किया गया। इस समय तक तालिबान को एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में मान्यता दी गई थी और उसने आतंकवाद, नशीली दवाओं की तस्करी और अफगानिस्तान पर अपने संप्रभु दावों को पेश करने वाली महिलाओं के अधिकारों जैसे मुद्दों पर बातचीत शुरू कर दी थी। वे अफगान प्रतिनिधिमंडल की गैर-मान्यता घोषित करने की हद तक चले गए। इसके अलावा, ईरान ने ओबीओआर को अपनाया और दक्षिण और मध्य एशिया का भू-रणनीतिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया। विस्तारवाद इस प्रकार आतंकवाद में शामिल हो गया था।

घेराबंदी का एहसास होने के बाद, अमेरिका ने तालिबान के साथ एक शांति समझौता किया, निश्चित रूप से, तालिबान की ओर से कुछ दायित्वों जैसे शांतिपूर्ण वापसी, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, आदि के साथ, और खुद को सितंबर के लिए बाध्य किया- 2021 प्रस्थान। पर्यावरण अमेरिका के लिए बहुत प्रतिकूल हो गया और इस प्रकार एक जल्दी बाहर निकलने का परिणाम हुआ। इन सभी परिस्थितियों में, कोई पूर्ण जीत या हार नहीं है। चीन खुद को पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों में लेनदार के जाल में फंसाने के लिए तैयार है।

भारत के लिए भी चुनौतियां बहुत बड़ी हैं और भारत ने मानवीय आधार पर वह सब कुछ करके अपने चरित्र का प्रदर्शन किया जो वह कर सकता था - संसद के निर्माण से लेकर पुस्तकालयों, बांधों और अफगान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने तक।

अफगानिस्तान से पलायन की भारी कीमत

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे के उस देश और दुनिया के लिए क्या नतीजे हो सकते हैं? वाशिंगटन में 27 मार्च, 2009 को राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए नई नीति परिभाषित करते हुए कहा था कि तालिबान की सत्ता में वापसी का अर्थ अफगानिस्तान के लिए 'निर्मम सरकार, अंतरराष्ट्रीय अलगाव, विकलांग अर्थव्यवस्था तथा अफगान जनता व खासकर महिलाओं व लड़कियों को मूल मानवाधिकारों से वंचित करना होगा।' कुछ लोगों ने तालिबान के कट्टरपंथी दृष्टिकोण में नरमी की बात कही है जिसका अर्थ 1996 से 2001 के बीच पूरे अफगानिस्तान के लिए अमानवीय शासन रहा है। कब्जा करने के बाद 'समावेशी इस्लामी सरकार' तथा महिलाओं को इस्लामी कानून के अंतर्गत काम करने का हर अधिकार देने की बात कही गई है।

लेकिन जमीनी स्तर पर हो रही घटनायें कोई खास उम्मीद नहीं जगाती हैं। गोलियां चला कर तथा डंडों से पिटाई कर हिंसक तरीके से उन प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया जो तालिबान के खिलाफ देश के अनेक भागों में उठ खड़े हुए थे। इससे किसी 'समावेशी' दृष्टिकोण का संकेत नहीं मिलता है। जहां तक अफगान महिलाओं का सवाल है रायटर्स ने एक वरिष्ठ अफगान नेता वहीदुल्ला हाशमी के इस कथन का संदर्भ दिया है, 'हमारे उलेमा तय करेंगे कि लड़कियों को स्कूल जाने की अनुमति मिले या नहीं। वे तय करेंगे कि महिलाओं को हिजाब, बुर्का या केवल घूंघट के साथ अबाया पहनना हो या कुछ और। यह फैसला करना उनका काम है।' महत्वपूर्ण बात है कि इस संदर्भ में उन्होंने केवल लड़कियों की शिक्षा की बात कही है। महिलाओं को शिक्षित करने या उनके काम करने या उनके काम की प्रकृति तय करना उलेमाओं पर निर्भर है। ऐसे में सबसे खराब स्थिति का भय होने के बावजूद प्रतीक्षा करो और देखो का दृष्टिकोण अपनाना सबसे अच्छी बात होगी।

अब बाकी दुनिया पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर गौर करें। यूरोप के राजनीतिक भूगोल को पुनः परिभाषित करने वाले नेपोलियन के युद्धों के बाद 1814-15 में वियेना कांग्रेस के समय फ्रांस के विदेश मंत्री चार्ल्स मारिस डी टेलीरांड पेरीगार्ड ने एक बार कहा था, 'आप संगीनों पर बैठने के बजाय उनसे बाकी सारे काम ले सकते हैं।' तालिबान अपने अधीर कमांडरों और लड़ाकुओं से कुछ भी काम ले सकता है जो लगातार हिंसा और लड़ाई का जीवन जीने के अभ्यस्त हैं, बस वह उनको शांत और शांतिपूर्ण नागरिक नहीं बना सकता है। दुनिया भर में शरीया फैलाने के उत्साही लोग आवश्यक होने पर यह काम जबरन करने को तैयार हैं। वे तालिबान सरकार के कामकाज के भीतर झांकने के बजाय विदेशों में जिहाद करने पर अपनी ऊर्जा खर्च करेंगे। तालिबान की विजय से उन जिहादी संगठनों का साहस बहुत अधिक बढ़ जाएगा जो दुनिया भर में शरीया कानून लागू करवाना चाहते हैं। इससे दुनिया भर में आतंकी हिंसा बढ़ेगी। तालिबान को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पाकिस्तानी सेना के जिहादी हिस्से ने सैनिक विद्रोह के बाद राष्ट्रपति बने जनरल जियाउल हक के समय इसमें सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिलहाल यह हिस्सा खामोश है, पर अब वह अपनी ताकत दिखाने के लिए प्रोत्साहित होगा। इससे पाकिस्तानी सेना के सेक्युलर तत्व, देश की सेक्युलर पार्टियां तथा उनके नेता व सिविल सोसाइटी अत्यधिक हतोत्साहित होगी। उनके लिए देश में आने वाली जिहादी लहर रोकना बहुत कठिन होगा। पाकिस्तान के अलावा इस परिघटना का प्रभाव अनुभव करने वाले देशों में मध्य एशियाई देश पहले होंगे जिनमें ताजिकिस्तान, कजाखिस्तान, उज्बेकिस्तान व किर्गिजिस्तान शामिल हैं। इसका असर बांग्लादेश व भारत पर भी पड़ेगा। मध्य एशियाई गणतंत्रों में उभरती तालिबान आक्रामकता को रोकने के संसाधन नहीं हैं तथा अफगानिस्तान से जा चुके अमेरिका के इससे उनके बचाव के लिए लौटने की संभावना नहीं है। इस पूरे क्षेत्र पर कब्जे के बाद तालिबान को न केवल काफी संसाधन मिलेंगे, बल्कि वह दूसरे स्थानों पर भी आतंकी कार्रवाइयां करेगा।

2001-2006 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी व जमाते इस्लामी बांग्लादेश की दूसरी गठबंधन सरकार के दौरान बांग्लादेश में इस्लामवादी उग्रवाद तेजे से बढ़ा था। हालांकि, शेख हसीना के प्रतिबद्ध नेतृत्व की कठोर कार्रवाई ने ऐसे तत्वों को भूमिगत होने पर मजबूर किया है। अब वे आक्रमण के नए रास्ते खोलने के लिए उत्साहित होंगे। लेकिन शेख हसीना पर विश्वास किया जा सकता है कि वे ऐसे तत्वों को हाशिए पर रखने में सफल होंगी। भारत को भी लश्करे तैयबा, जैशे मुहम्मद व हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों से कठोरता से निपटना होगा क्योंकि वे निश्चित रूप से भारत के खिलाफ आतंकी अभियान को विस्तार देना चाहेंगे और यह केवल कश्मीर तक सीमित नहीं रहेगा। ऐसे में शहरों पर उसी प्रकार के आतंकी हमले होने की आशंका है जैसा मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुआ था।

जहां तक अमेरिका का सवाल है, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उपरोक्त संदर्भित भाषण में कहा था कि 'यदि अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो जाता है या वह बिना किसी चुनौती के अलकायदा को काम करने की अनुमति देता है तो वह देश फिर आतंकियों का अड्डा बन जाएगा और वह दुनिया में यथासंभव अधिकाधिक लोगों को मारेगा।' यह होना लगभग निश्चित है क्योंकि तालिबान तथा अन्य आतंकी संगठन, जैसे इस्लामिक स्टेट आफ सीरिया एंड ईराक या इस्लामिक स्टेट अमेरिका के घोर विरोधी हैं। वे अमेरिका को दुनिया भर में शरीया शासन लागू करने हेतु विजय दिलाने में मुख्य बाधा मानते हैं। 9-11 की पृष्ठभूमि में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ये संगठन अमेरिका के भीतर भी हमले कर सकते हैं। यदि ऐसा नहीं होता है तो भी विदेशों में अमेरिकी अवस्थापनाओं तथा हितों पर हमले हो सकते हैं। इनमें कीनिया की राजधानी नैरोबी तथा पड़ोसी तंजानिया की राजधानी दारेस्सलाम के दूतावास जैसे स्थान हो सकते हैं जहां अलकायदा ने 7 अगस्त, 1998 को हमले किए थे। फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड व बेल्जियम जैसे देश पहले ही भयंकर आतंकी हमलों का सामना कर चुके हैं। अब ऐसे आतंकी हमले अक्सर तथा ज्यादा भयंकर होने की आशंका है। दुनिया को अफगानिस्तान को तालिबान की बर्बरता के लिए खुला छोड़ने का बहुत भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

आप की बात

महिला संघ और सतत विकास

आज के समय में अगर हमें देश का चौमुखी विकास करना है तो उसके लिए सतत विकास लक्ष्य एक बेहतरीन प्रयास है। इसका उद्देश्य सभी के लिए एक बेहतर भविष्य की प्राप्ति है। भारत में भी सतत विकास भारत के चहुंमुखी विकास के लिए एक बेहतरीन किरदार निभा सकता है। इसमें महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है, यदि भारत को वर्ष 2030 तक अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना है,तो उसे प्रभावी ढंग से स्थानांतरित करने के लिए एक तंत्र का निर्माण करना होगा। एक ऐसा तंत्र जो पंचायती राज प्रणाली के स्थानीय स्वशाशन के साथ महिला संघों में मौजूद सामाजिक पूंजी का लाभ उठता है और उन्हें एकीकृत करता है। बतातें चलें कि महिला संघ का महत्व बहुत है जैसे कि सामाजिक असमानताओं को दूर करना, ग्राम स्वराज के लिए मार्ग प्रशक्त करना, लैंगिक समानता एवं वित्तीय समावेशन। इन सबके अलावा उनके सामने कई सारी चुनौतियां भी हैं जैसे कि सीमित संसाधनों की चुनौतियां, पितृसत्ता मानसिकता एवं ग्रामीण बैंकिंग सुविधाओं का अभाव आदि आदि। हमें इन सब चुनौतियों से पार पाना ही होगा उसके लिए हम कई कदम उठा सकते हैं जैसे कि महिला संघो की शक्ति का लाभ उठाना।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

सच्चाई सामने आनी चाहिए

लंबे समय से पश्चिम बंगाल में चुनावों के बाद की हिंसा बहस का मुद्दा बनी हुई है। कार्यकर्ताओं की साजिश के तहत मौत को लेकर भाजपा आरोप लगाती आई है तो तृणमूल इसे सिरे से नकारती रही है। ममता सरकार को आईना दिखाते हुए कोलकाता हाई कोर्ट ने मामले की सीबीआई से जांच की घोषणा करके उसे झटका दिया है। लगता है अब मामले की वास्तविकता सामने आ सकेगी। पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी ममता बनर्जी के साथ ही कार्यकर्ताओं ने भी तमाम हदें लांग दी। ममता ने जबान और कार्यकर्ताओं ने हिंसा से जिस तरह का तांडव मचाया उससे मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चर्चित हुआ। ममता लगातार इस तरह की वैमनस्यता के पीछे हिंसा को नकार ती रही है। मामले में ममता की दलील जब खारिज हुई तो कोलकाता हाई कोर्ट ने इसकी वास्तविकता जांचने के लिए सीबीआई को मामला सौंपा जो हर्ष का विषय है।इसके अलावा महिलाओं के साथ अभद्रता की जांच भी एसआईटी करेगी। इन जांचों से राजनीतिक हिंसा का स्पष्टीकरण होगा वही ममता के दावों की परख भी होगी। देखना यही है कि आखिर जांच का निष्कर्ष क्या आता है?

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

सार्थक हुआ कल्याण नाम

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राम मंदिर आंदोलन में अहम भूमिका निभाने के लिए विख्यात कल्याण सिंह जी के निधन से जितना दु:ख उनके परिवार को हुआ उससे कहीं अधिक दु:ख इस देश के आम जनमानस को हुआ। वो जननेता थे व जमीन से जुड़े हुए नेता थे, जिनकी भगवान श्री राम में आस्था अप्रतिम थी। उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए देश के बहुसंख्यक मानस में भगवान राम के प्रति आस्था को सर्वोपरि रखकर काम किया था। उनकी संकल्प शक्ति के आगे जनविरोधी ताकतें कभी सिर न उठा सकी। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए सत्ता के सुख को भी लात मारने वाले ऐसे नेता विरले ही मिलते है।रक्षाबंधन पर हुआ उनका परलोक गमन हम सभी को एक सूत्र में संकल्पित करता है की हम भी देश, धर्म और समाज की रक्षा के लिए आज ही संकल्प ले और मृत्यु के अन्तिम क्षणों तक उसकी सिद्धि कर अपने मनुष्य जन्म को भी सार्थक करें। वास्तव में यही हमारी कल्याण सिंह जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– **पारस जैन**, मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

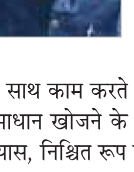

फिलहाल मैं राजनीति से बाहर रहूंगा। मैंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेज दिया है।

– **पीयूष बिस्वास**
त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष

तालिबान के साथ काम करते हुए, अफगानिस्तान के लिए एक समाधान खोजने के हमारे राजनीतिक और राजनयिक प्रयास, निश्चित रूप से, यदि आवश्यक हो, तो जारी रहेंगे।

– **बोरिस जॉनसन**
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

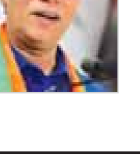

जब तक आप भारतीय जनता पार्टी के चुनावी खजाने में पैसा नहीं दे सकते, सरकार आपकी परवाह नहीं करेगी।

– **पवन खेड़ा**
कांग्रेस प्रवक्ता

राज्य में कोरोना संक्रमण नियंत्रित स्थिति में: योगी

● अलीगढ़, औरैया, बदायूं, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गोण्डा, हमीरपुर, हरदोई, कानपुर देहात, महोबा, मीरजापुर, सन्तकबीरनगर व उन्नाव में कोविड का एक भी मरीज नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की प्रभावी रणनीति और निरन्तर प्रयासों से राज्य में कोरोना संक्रमण नियंत्रित स्थिति में है। कोरोना संक्रमण अभी समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए थोड़ी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। उन्होंने कोविड 19 से बचाव और उपचार की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को लोक भवन में कोविड 19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 28 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 34 व्यक्तियों को सफल उपचार के उपरान्त डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या 352 है। अलीगढ़, औरैया, बदायूं, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गोण्डा,हमीरपुर, हरदोई, कानपुर देहात, महोबा, मीरजापुर, सन्तकबीरनगर व उन्नाव में कोविड का एक भी मरीज नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कोविड वैक्सीनेशन कार्य को पूरी सक्रियता से जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संक्रमण को नियंत्रित करने में कोविड वैक्सीनेशन एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि कोविड वैक्सीन की पहली डोज ले चुके सभी लोग समय पर दूसरी डोज भी अवश्य लें। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि अब तक प्रदेश में कुल 06 करोड़ 42 लाख 27 हजार से अधिक वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी हैं।

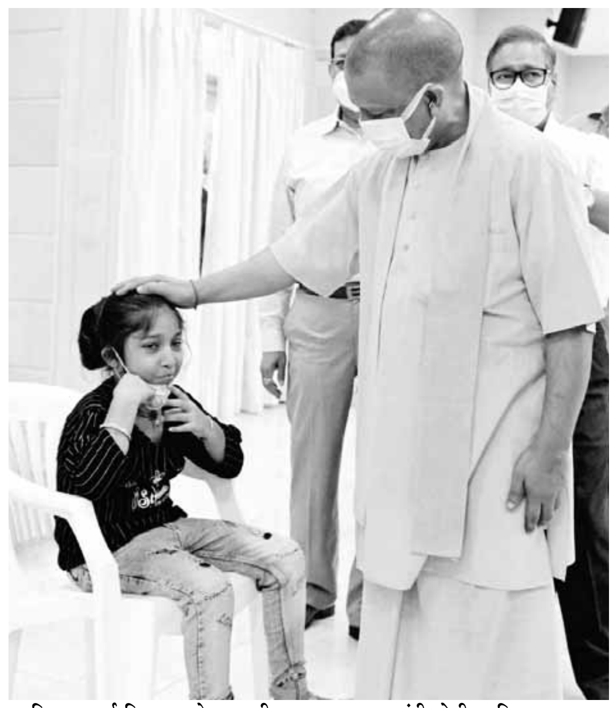

कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए सभी आवश्यक प्रबन्ध किये जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से पीकू तथा नीकू की स्थापना तेजी से की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मेडिकल कॉलेजों में 6,600 से अधिक पीडियाट्रिक आईसीयू तथा आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की जा चुकी है। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में 5,850 बेड तैयार किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा के विकास खण्ड फरह के एक ग्राम में तथा जनपद फिरोजाबाद के नगरीय क्षेत्र से कई लोगों के बीमार होने की सूचनाएं मिली हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा दोनों जनपदों में तत्काल एक-एक टीम भेजकर मरीजों की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के निदान के लिए सभी जरूरी प्रबन्ध किये जाएं। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन एवं फॉगिंग का कार्य प्रभावी ढंग से जारी रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में आज से भौतिक रूप से पठन पाठन प्रारम्भ हो रहा है। बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबन्ध किये जाएं। विद्यालयों में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, इन्फ्रारेड थर्मामीटर आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कक्षाओं में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क की अनिवार्यता को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के दृष्टिगत नदियों के जल स्तर की लगातार मॉनीटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा आपदा प्रबन्धन की टीमों को पूरी तरह से सक्रिय रखा जाए।

बढ़ी दर पर महंगाई भत्ता देने के प्रस्ताव को सीएम की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के 28 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों को पहली जुलाई से 11 फीसद की बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) देने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंजूरी दे दी है। 11 फीसद वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 28 फीसद हो जाएगा। लगभग 16 लाख राज्य कर्मचारियों और 12 लाख पेंशनरों को इसका फायदा मिलेगा। जुलाई के बढ़े डीए का एरियर कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में जाएगा। अगस्त के बढ़े डीए का भुगतान सितंबर के वेतन के साथ होगा। राज्य कर्मचारी डेढ़ साल से ज्यादा समय से वेतन और पेंशनर अपनी पेंशन बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। कर्मचारियों को अभी 17 फीसद की दर से डीए का भुगतान हो रहा है। 11 फीसद वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 28 फीसद हो जाएगा। पिछले दिनों मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंगाई भत्ता और महंगाई राहत का भुगतान किये जाने का ऐलान किया था। विदित हो कि कोरोना महामारी से पैदा हुए आर्थिक संकट को देखते हुए राज्य सरकार ने केंद्र की तर्ज पर पहली जनवरी 2020 से 30 जून 2021 तक राज्य कर्मचारियों और शिक्षकों को बढ़ी दर से महंगाई भत्ता और पेंशनरों को महंगाई राहत के भुगतान पर पिछले साल 24 अप्रैल को शासनादेश जारी कर रोक लगा दी थी। इस वजह से राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों को एक जनवरी 2020, एक जुलाई 2020 और एक जनवरी 2021 को दिये जाने वाले डीए और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्तों का भुगतान नहीं किया गया है। पिछले महीने केंद्र सरकार ने बढ़ी दर से डीए–डीआर के भुगतान पर लगी रोक हटाने के साथ केंद्रीय कर्मचारियों को जुलाई से 28 फीसद की दर से डीए के भुगतान करने का आदेश जारी कर दिया है।

नए पदाधिकारियों के लिए प्रदेश कांग्रेस का प्रशिक्षण महाअभियान शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन तलाशने में जुटी कांग्रेस ने मंगलवार से नए पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए कांग्रेस ने प्रशिक्षण से पराक्रम नाम से महाअभियान शुरू किया है। कांग्रेस ने इस अभियान की टैग लाइन दिया है, विजय सेना निर्माण। 100 दिन चलने वाले इस अभियान के दौरान 700 प्रशिक्षण कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान करीब 2 लाख पदाधिकारियों का प्रशिक्षण होगा। प्रदेश कांग्रेस मीडिया एवं संचार विभाग के संयोजक ललन कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी संगठन निर्माण के अंतिम पड़ाव पर है। उत्तर प्रदेश के सभी 823

● बूथ मैनेजमेंट पर फोकस, सोशल मीडिया और विचारधारा पर गंभीर प्रशिक्षण

ब्लाकों की कमेटियां गठित हो गई हैं। 8134 न्याय पंचायत के अध्यक्ष मुस्तैदी के साथ अपनी कमेटियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। साथ ही साथ अब ग्राम सभा अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि आज से शुरू इस अभियान में जिलावार प्रशिक्षण शुरू हुआ है। जिसमें जिले और शहर की कमेटी के सदस्यों के साथ ब्लॉक, न्याय पंचायत और वार्ड के अध्यक्ष प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके साथ ही साथ नगर अध्यक्ष और विभिन्न मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष भी इस प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। अगले 12 दिन में जिलावार प्रशिक्षण खत्म हो जाएगा। इसके बाद विधानसभा वार और ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर में पांच विभिन्न विषयों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। बूथ मैनेजमेंट पर विशेष फोकस किया जा रहा है। साथ ही साथ सोशल मीडिया के बेहतरीन उपयोग के लिए पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इन दो विषयों के अलावा कांग्रेस की विचारधारा, भाजपा–आरएसएस का सच और किसने बिगाड़ा उत्तर प्रदेश नाम से तीन अलग अलग कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

नये मेडिकल कालेजों का निर्माण समय पर पूरा करें: सीएस

● मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट मानीटरिंग ग्रुप की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने नये मेडिकल कालेजों का निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिये हैं। प्रोजेक्ट मानीटरिंग ग्रुप की बैठक में उन्होंने आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड, चकगंजरिया लखनऊ में अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना, गोरखपुर में प्रस्तावित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना तथा आजमगढ़, अलीगढ़ एवं सहारनपुर में प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड योजना की प्रगति बढ़ाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे क्लस्टर्स को चिन्हित कर लिया जाये जहां पर औसत से कम कार्ड बने हैं, ऐसे क्लस्टर्स में विशेष अभियान चलाकर लाभार्थियों के गोल्डेन कार्ड बनवाये जायें। उन्होंने आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड योजना में प्रगति बढ़ाने के लिए एजेन्सियों की संख्या बढ़ाने तथा इस कार्य में स्वयं सहायता समूहों एवं राशन विक्रेताओं का भी सहयोग लेने का सुझाव दिया।

उन्होंने मेडिकल कालेज जौनपुर के अवशेष कार्यों को 10 सितंबर तक प्रत्येक दशा में पूरा करने के निर्देश देते हुये कहा कि इसमें विलंब होने पर कार्रवाई की जायेगी तथा विलंब के लिए दोषी अधिकारियों का उत्तरदायित्व भी निर्धारित किया जायेगा। मेडिकल कालेज फतेहपुर की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि अवशेष कार्य 30 सितंबर तक पूरे हो जायेंगे, जिस पर मुख्य सचिव ने दैनिक आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर प्रगति समीक्षा किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि अवशेष कार्यों को पूरा करने की दैनिक समयसारिणी बना ली जाये तथा मशीनरी एवं मैनपावर बढ़ाकर अवशेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाये।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि उक्त के लिए गोरखपुर में 52.738 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है तथा बाउण्ड्रीवाल के निर्माण हेतु 240.095 लाख की धनराशि निर्गत कर दी गई है। आजमगढ़, अलीगढ़ एवं सहारनपुर में प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना की कार्यवाही प्रगति पर है तथा तीनों विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। चकगंजरिया लखनऊ में अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए एलडीए द्वारा 50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। परियोजना के निर्माण के लिए लोनिवि को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। विश्वविद्यालय के लिए कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी के पद सृजित तथा कार्यालय संचालन के लिए 35 पदों के सृजन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड योजना की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि 45.6 प्रतिशत लाभार्थी परिवारों में कम से कम एक आयुष्मान कार्ड अवश्य बना है तथा औसत से कम प्रगति वाले क्लस्टर्स को चिन्हित कर 16 सितंबर 2021 से 15 दिवस का विशेष अभियान प्रस्तावित है, जिसमें छूटे हुए लाभार्थियों का मौके पर ही कार्ड बनाये जायेंगे।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया कुंभ मेले के आयोजन में घोटाले का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा की योगी सरकार पर साल 2019 में हुए कुंभ मेले के आयोजन में जमकर घोटाला किए जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर नियंत्रक एवं लेखा महापरीक्षक की ऑडिट रिपोर्ट के हवाले से दावा किया कि यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने कहा कि यदि सही समय से इस पर सरकार ने इस पर कार्रवाई की होती तो कई मंत्री और अधिकारी इस भ्रष्टाचार के चलते जेल चले गये होते।

दीपक सिंह ने बताया कि उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान सदन में भी भाजपा सरकार का ध्यान इस घोटाले की ओर आकर्षित किया था लेकिन भ्रष्टाचारियों को सरकार का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस एमएलसी ने कहा कि सरकार एक तरफ फिजूलखर्ची रोकने और पारदर्शिता के दावे करती रही और दूसरी तरफ जनता के पैसे को भ्रष्टाचार का पलीता लगाया जाता रहा, 2019 में प्रयागराज में आयोजित हुए कुंभ मेले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ, उस समय भी कुम्भ में हुए भ्रष्टाचार पर सवाल उठे लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचार को धर्म की आड़ के सहारे ढक दिया गया। लेकिन कैग की ऑडिट रिपोर्ट ने सरकार के दावों की पोल खोलकर रख दी, कुंभ मेले के लिए 2743.60 करोड़ रुपए आवंटित हुए जिसमें जमकर भ्रष्टाचार हुआ और पैसे का अपव्यय किया गया। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अभिलेखों से मेसर्स स्वास्तिक कंस्ट्रक्शन से संबंधित सत्यापन रिपोर्ट में उल्लिखित 32 ट्रैक्टरों की पंजीकरण संख्या के सत्यापन में मिला कि 32 में से चार ट्रैक्टरों के पंजीकरण नंबर एक मोपेड, दो मोटरसाइकिल और एक कार के थे। कैग रिपोर्ट में विभिन्न विभागों से कुम्भ के लिए आवंटित बजट पर सवाल खड़ा किया है, कुंभ मेला अधिकारी ने अन्य विभागों के बजट खर्चे की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जिससे उस बजट के खर्चे का विवरण ही नहीं मिल सका। कुम्भ मेले में आपदा राहत कोष से गृह विभाग को 65.87 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया, कैग ने इस पर भी सवाल उठाया है कि आपदा राहत कोष का प्रयोग तो आपदा की स्थितियों में होता है ऐसे में आवंटित धन का अपब्यय हुआ। कुम्भ में टिन, टेंट, पंडाल, बैरिकेडिंग कार्यों के लिए 105 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष मेला अधिकारी ने 143.13 करोड़ रुपये के कार्य कराए।

स्वरोजगार महाकुंभ से उम्मीदों को लगे पंख

● 11 अगस्त से शुरू की गई योजना में आज तक 1,11,000 युवा हस्तशिल्पियों को मिला प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्वरोजगार महाकुंभ योजना यूपी के युवाओं की उम्मीदों को पंख लगाने का काम कर रही है। उनको आर्थिक रूप से मजबूती देने के साथ ही रोजगार से जोड़ रही है। युवा विभिन्न कौशल कार्यक्रमों का प्रशिक्षण ले रहे हैं। खुद का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। एमएसएमई, स्वरोजगार, ओडीओपी के लाभार्थियों को ऋण का वितरण करने के लिये मेगा कैंपों का भी आयोजन जनपद स्तर पर किया जा रहा है।

सरकार की योजना से प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवकों की बेरोजगारी की समस्या दूर हो रही है। हुनरमंद और कर्मठ युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने का मौका मिल रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का शुभारंभ 11 अगस्त को किया है। योजना के तहत युवाओं को बैंक से ऋण के साथ ही अन्य सहयोग देकर स्वरोजगार की ओर आकर्षित किया जा रहा है। इसके तहत अभी तक 1,11,00 युवा हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षण देने का काम चल रहा है। राज्य सरकार ने 11 अगस्त से प्रदेश के समस्त जनपदों में मेगा कैंपों का आयोजन कर 7500 करोड़ से अधिक के ऋण एमएसएमई, स्वरोजगार, ओडीओपी, पीएम स्वनिधि आदि के लाभार्थियों को स्वीकृत किये हैं। सरकार बहुत जल्द प्रदेश के अन्य युवाओं को भी योजना का लाभ प्रदान करने के लिये इस तरह के मेगा कैंप आयोजित करने जा रही है।

भोजपुरी गायक व अभिनेता समर सहित बसपा, कांग्रेस के नेता समर्थकों के साथ सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से भोजपुरी इंडस्ट्रीज के सुप्रसिद्ध गायक एवं अभिनेता समर सिंह को प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए बसपा, कांग्रेस छोड़कर आये कई प्रमुख नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ली। मंगलवाार को समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में आज प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने शामिल होने वाले नेताओं को सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर नेताओं ने सन् 2022 के विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की बहुमत की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में नारायण सिंह कुशवाहा बसपा, राजेश मौर्या बसपा, धर्मेन्द्र यादव बसपा (सोनभद्र), बाल किशुन पटेल पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष शिवपुर वाराणसी, आनन्द प्रताप शर्मा राष्ट्रीय महासचिव नाई महासभा वाराणसी, राजेन्द्र प्रसाद पटेल प्रवक्ता उत्तर प्रदेश किसान मोर्चा, कमलेश कुमार यादव हैदरगढ़, मनोज कुमार निषाद बसपा जौनपुर, हृदय नारायण राजभर बसपा जौनपुर, गौरव मिश्रा बसपा जौनपुर, योगेश अकेला कांग्रेस जौनपुर, दिलीप चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी महासभा महराजगंज, यश त्रिपाठी पूर्व प्रत्याशी विधानसभा सिसवां पीस पार्टी महाराजगंज हैं। इनके अतिरिक्त सदस्यता लेने वालों में नन्द रतन भन्ते दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बसपा कुशीनगर, राम प्यारे पटेल प्रधान पूर्व प्रत्याशी ब्लाक प्रमुख प्रतापगढ़, मनोज कुमार सरोज पूर्व प्रधान, सन्तलाल सरोज, महन्त लाल वर्मा सभी सदस्य क्षेत्र पंचायत, नवनीत सरोज जिला पंचायत प्रत्याशी, मनोज कुमार वर्मा सदस्य क्षेत्र पंचायत, ब्रजेश कुमार पटेल, विनोद कुमार पटेल, डॉ शिव मिलन सरोज, मोहन लाल गौतम, शिव कुमार साहू आदि शामिल हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की पवित्रता नष्ट करना चाहती है भाजपा: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बूथ पर साजिश करने में जुटी हुई है। भाजपा संविधान का सम्मान नहीं करती है। वह लोकतंत्र के साथ ठगी करने की रणनीति बना रही है। दूसरे राज्यों से आरएसएस के कार्यकर्ताओं को गाँव गाँव पहुंचाया जा रहा है ताकि बूथ स्तर पर षड्यंत्र किया जा सके। अखिलेश ने कहा कि सपा को उत्तर प्रदेश में भारी बहुमत का जनसमर्थन प्राप्त है। इसी से भयभीत होकर भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था की पवित्रता नष्ट करना चाहती है। भाजपा का यह कृत्य भारतीय संविधान और जनभावनाओं के विरुद्ध है। भाजपा सरकार ने राज्य में न सिर्फ अराजकता पैदा की है बल्कि राज्य का विकास रोककर महापाप किया है। जनादेश को भाजपा छल कपट से अपमानित करने पर तुली हुई है। भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता को संदिग्ध बना दिया है। हाल ही में उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग की वेबसाइट में एक नवयुवक द्वारा डिजिटल सेंधमारी करके नकली वोटर आईडी कार्ड बनाया जाना बेहद गंभीर बात है। ऐसे घपलों के लिये पूरे राज्य में जाँच हो, पता तो चले कहीं इसे राज्याश्रय तो प्राप्त नहीं है। ये चुनाव आयोग की सुरक्षा नहीं बल्कि गरिमा का विषय है। इस प्रकार की अनेक घटनाओं से लोकतंत्र शर्मसार हो रहा है।

प्रारंभिक योग्यता परीक्षा में सॉल्वर गैंग का खुलासा, सरगना सहित चार गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में सोमवार को आयोजित प्रारंभिक योग्यता परीक्षा (पीईटी–2021) में गड़बड़ी करने वाले सॉल्वर गिरोह का खुलासा करते हुए कौशांबी से गिरोह के सरगना सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक युवक भी शामिल है जो सॉल्वर के तौर पर दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा था।

एसटीएफको सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित ग्रुप बी एवं सी के पदों पर भर्ती के लिए पीईटी 2021 की परीक्षा में विभिन्न तरीके से नकल कराने वाले गिरोह के कुछ सदस्य ओसा चौराहा, मंझनपुर जनपद कौशाम्बी पर एकत्रित होकर योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर एसटीएफकी टीम ने वहां पहुंचकर साल्वर गिरोह के सरगना सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मिली जानकारी के बाद इनकी निशानदेही पर परीक्षा केन्द्र दुर्गा देवी इण्टर कालेज, ओसा, मंझनपुर में परीक्षा दे रहे पंकज कुमार (प्राक्सी कण्डीडेट) को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर गिरफ्तार अभियुक्त राहुल सिंह, अभिषेक सिंह व उदय शंकर सिंह द्वारा बताया गया कि हम लोग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल करके पास होने वाले जरूरतमंद अभ्यर्थियों की तलाश करते है तथा मूल

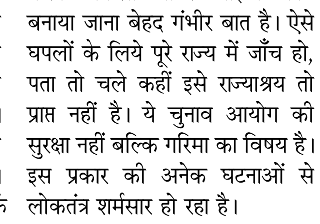

अभ्यर्थी की जगह साल्वर बैठाने का भी काम करते है । केन्द्र पर सेटिंग करने के साथ साथ पेपर आउट कराकर परीक्षा केन्द्रों पर मूल अभ्यर्थियों के पास नकल की पर्ची एवं नकल की अन्य सामग्री भिजवाने का भी काम करते हैं। साथ ही साथ ब्लूटूथ एवं अन्य डिवाइस के माध्यम से नकल कराने का भी प्रयास करते हैं। इसके एवज में हर पद, परीक्षा के लिये अलग अलग रेट से पैसे लिए जाते हैं। इसमें हमारा साल्वर भी होता है, पेपर आउट कराने वाला भी होता है तथा फोटो मिक्सिंग कर फर्जी आधार कार्ड, फर्जी एडमिट कार्ड व अन्य आईडी तैयार करने वाला भी है । अभियुक्तों ने बताया कि आज हम लोगों ने मूल अभ्यर्थी दीपक सिंह पुत्र सूर्य लाल सिंह निवासी ग्राम धाऊ, थाना कोरांव जनपद प्रयागराज की जगह प्राक्सी कण्डीडेट पंकज कुमार को परीक्षा केन्द्र दुर्गा देवी इण्टर कालेज में परीक्षा देने के लिए बैठाया था। इसके अलावा वाराणसी, कानपुर में भी द्वितीय पाली में परीक्षा के लिए साल्वर बैठाने की योजना थी लेकिन हम लोगों की गिरफ्तारी हो जाने के कारण पूरी योजना विफल हो गयी।

विश्वविद्यालयों से लेकर महाविद्यालयों में खुलेंगे बालिका हेल्थ क्लब

लखनऊ। योगी सरकार की प्राथमिकता में शामिल मिशन शक्ति अभियान के प्रदेश में तीसरे चरण की शुरुआत के साथ ही सूबे के राज्य विश्वविद्यालयों से लेकर स्व वित्त पोषित महाविद्यालयों में बालिका हेल्थ क्लब खोले जाएंगे इस आशय का निर्देश अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों सहित निजी विश्वविद्यालय व निदेशक उच्च शिक्षा सहित सभी जिलाधिकारियों को दिए हैं। अपर मुख्य सचिव के अस्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थापित किए जाने वाले बालिका हेल्थ क्लब में फर्स्ट एड किट स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। किट उपलब्ध कराए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए शासन स्तर पर डेडलाइन निर्धारित कर दी गई है। जिसमें प्रदेश के 17 राज्य विश्वविद्यालयों सहित निजी विश्वविद्यालयों तथा 171 राजकीय महाविद्यालयों में 31 अगस्त से 15 सितंबर के बीच प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चीन और कोरियाई कंपनियों के निवेश का हब बन रहा ग्रेटर नोएडा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कोरिया की पांच नामी कंपनियां ग्रेटर नोएडा में लगा रही अपनी फैक्ट्री

● चीन की ओप्पो, वीवो और फॉरमी ने फैक्ट्री लगाने के लिए ग्रेटर नोएडा को चुना

प्रदेश सरकार की इंवेस्टर फ्रेंडली औद्योगिक नीतियां चीन तथा कोरियाई निवेशकों का भा रही हैं। यहीं वजह है कि बीते साढ़े चार वर्षों में चीन तथा कोरयाई कंपनियों ने औद्योगिक निवेश के लिए ग्रेटर नोएडा को तबज्जो दी है। जिसके चलते चीन की ओप्पो, विवो और फॉरमी जैसी बड़ी कंपनियों ने अपनी फैक्ट्री लगाने के लिए ग्रेटर नोएडा को चुना। तो अब इसी तरह से पांच कोरियाई कंपनियों ने ग्रेटर नोएडा में अपनी फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन ली है। ये पाँचों कोरयाई कंपनियां इलेक्टॉनिक्स क्षेत्र से जुड़ी हैं। इन कंपनियों से करीब 1154 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 8706 युवाओं को रोजगार मिल सकेगा।

ग्रेटर नोएडा में जिन पांच बड़ी कंपनियों ने कोरयाई अपनी फैक्ट्री लगाने के लिए अबतक 3.51 लाख वर्ग मीटर जमीन खरीदी है, वह मोबाइल के पार्ट्स बनाने वाली बड़ी प्रतिष्ठित कंपनियां हैं। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार सैमक्कांग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स, केएच वैटेक इंडिया, सेनेटेक इंडिया, ड्रीमटेक और स्टेरिऑन ने ग्रेटर नोएडा में फैक्ट्री स्थापित करने के जमीन खरीदी है। प्राधिकरण से ली गई जमीन पर सैमक्कवांग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स 440 करोड़ का निवेश कर अपनी फैक्ट्री लग रही है, जिसमें 4000 लोगों को रोजगार मिलेगा जबकि केएच वैटेक इंडिया 247 करोड़ और सेनेटेक इंडिया 34 करोड़ का निवेश कर फैक्ट्री लग रही है। केएच वैटेक इंडिया की फैक्ट्री में 786 तथा सेनेटेक इंडिया की फैक्ट्री में 350 लोगों को रोजगार मिलेगा। जबकि ड्रीम टेक और स्टेरिऑन ने बीते दिनों फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन खरीदी है। ये दोनों कंपनियां सेक्टर ईकोटेक 10 में अपना प्लांट लगाएंगी। करीब 433 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी और 3570 युवाओं को रोजगार देंगी। इन कोरियाई कंपनियों के अलावा कुछ और कोरियाई कंपनियां भी ग्रेटर नोएडा में जमीन लेने की इच्छुक हैं। जल्दी ही सरकार सूबे में निवेश को इच्छुक कई अन्य कोरियाई कंपनियों के नामों का खुलासा करेगी।

ग्रेटर नोएडा में निवेश कर रही चीनी तथा कोरयाई कंपनियों के चलते ग्रेटर नोएडा न सिर्फ डाटा सेंटर का हब बन रहा है, बल्कि कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के भी गढ़ के रूप में उभर रहा है। यह हकीकत भी है और इसकी मुख्य वजह चीन की प्रमुख कंपनी विवो का 7429 करोड़ रुपए तथा ओप्पो का 2000 करोड़ रुपए का ग्रेटर नोएडा में निवेश करना। लैपटापए मोबाइल फेन तथा इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की इन विख्यात चीनी कंपनियों के नोएडा आने पर कोरयाई कंपनियों ने भी नोएडा का रुख किया। तो प्रदेश सरकार ने भी इन कोरियाई कंपनियों को हाथों हाथ लिया। इन कंपनियों को राज्य में निवेश करने के लिए हर स्तर पर मदद मिली तो उन्होंने अन्य राज्यों में निवेश करने के स्थान पर ग्रेटर नोएडा में अपनी फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन ले ली। इन कोरियाई कंपनियों तथा चीन की कंपनियों के ग्रेटर नोएडा में हो रहे निवेश से राज्य में जहां लोगों को रोजगार मिलेगा, वहीं इन कंपनियों की फैक्ट्री में होने वाले उत्पाद से सरकार को जीएसटी के रूप में भारी राजस्व प्राप्त होगा। इसके साथ ही इन चीनी तथा कोरियाई कंपनियों के चलते ग्रेटर नोएडा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के गढ़ के रूप में उभरेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए तैयार कराई गई औद्योगिक नीतियों और निवेशकों की दिक्कतों को दूर करने के लिए शुरू की गई वन विंडो सिस्टम के चलते ही यह संभव हुआ है।

महिला आयोग 22 जिलों में आज करेगा सुनवाई

लखनऊ। उप्र राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश के पात्र बच्चों को उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से बुधवार को 22 जनपदों में महिला जनसुनवाई की जायेगी। 25 अगस्त को सोनभद्र में सदस्य अनीता सिंह, बस्ती में सदस्य इन्द्रवास सिंह, शाहजहॉपुर में सदस्य सुनीता बंसल, देवरिया में सदस्य निर्मला द्विवेदी, मेरठ में सदस्य राखी त्यागी, हाथरस में सदस्य निर्मला दीक्षित, बागपत में सदस्य मीना कुमारी, जालौन में सदस्य डा कंचन जायसवाल, महोबा में सदस्य प्रभा गुप्ता, कानपुर देहात में सदस्य पूनम कपूर, चन्दौली में सदस्य उषा रानी, फतेहपुर में सदस्य अनिता सचान, बिजनौर में सदस्य अवनी सिंह, कुशीनगर में सदस्य संगीता तिवारी, पीलीभीत में सदस्य अंजू प्रजापति, मऊ में सदस्य अर्चना, बरेली में सदस्य मिथिलेश अग्रवाल तथा हरदोई में सदस्य रंजना शुक्ला महिला जनसुनवाई करेंगी।

राणे के बयान को भाजपा ने किया अलग, फिर भी मंत्री के साथ पार्टी

भाषा। मुंबई

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने संबंधी कथित बयान से खुद को अलग कर लिया, लेकिन साथ ही कहा कि वह मंत्री के बयान पर खेद प्रकट नहीं करेंगे। वहीं, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा उनके बयान का समर्थन नहीं करती लेकिन जिस तरह उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, पार्टी 100 फीसदी उनके साथ खड़ी है। पाटिल ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, मैं राणे के बयान का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन उसको लेकर खेद भी व्यक्त नहीं करूंगा। राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं और इसी संदर्भ में मंत्री ने यह विवादित बयान दिया।

बयान के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे ने राणे की तत्काल गिरफ्तारी के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद राणे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा राणे के बयान का समर्थन नहीं करती, लेकिन केन्द्रीय मंत्री को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, पार्टी उनके साथ पूरी तरह खड़ी है। फडणवीस ने भाजपा कार्यालयों पर हमलों और राणे के खिलाफ राज्य के कई हिस्सों में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन को राज्य प्रायोजित हिंसा करार दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस का इस्तेमाल बदले की राजनीति के लिए किया जा रहा है। राज्य में कानून का शासन होना चाहिए, तालिबान जैसा शासन नहीं। वहीं, पाटिल ने इस बात को लेकर हैरानी जताई कि राज्य सरकार किसी केन्द्रीय मंत्री को गिरफ्तार करने की योजना कैसे बना सकती है। उन्होंने पूछा, क्या कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है? भाजपा नेता ने कहा, राणे पर उंगली उठाने वाले लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उद्धव ठाकरे द्वारा भड़काऊ भाषण दिए जाने के कई उदाहरण हैं। राणे ने रायगढ़ जिले में सोमवार को जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कहा, यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि आजादी को कितने साल हुए हैं। भाषण के दौरान वह पीछे मुड़ कर इस बारे में पूछते नजर आए थे। अगर मैं वहां होता तो उन्हें एक जोरदार थप्पड़ मारता।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके राणे पहले शिवसेना में थे, जो बाद में कांग्रेस में और फिर, 2019 में भाजपा में शामिल हो गए। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने राज्य के कई हिस्सों में राणे के बयान के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। इस मामले को लेकर मुंबई में राणे के आवास के पास शिवसेना और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। भाजपा के नासिक कार्यालय पर पथराव के अलावा, शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने नागपुर में भी प्रदर्शन किया। फडणवीस ने आरोप लगाया कि पुलिस हमला करने वालों को बचा रही है, जैसा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद राज्य सरकार द्वारा की गई हिंसा के बाद हुआ था। भाजपा नेता ने कहा, राणे ने शायद अनजाने में और भावनाओं में बहकर उन शब्दों का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आजादी को कितने साल हुए हैं, यह भूल जाने को लेकर वह दूसरे तरीके से अपनी नाराजगी जाहिर कर सकते थे। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री पद पर काबिज व्यक्ति की आलोचना करते समय संयम बरतना चाहिए।

मुंबई में भाजपा के विधायक राम कदम ने केन्द्रीय मंत्री का बचाव करते हुए कहा, राणे को उनकी अक्रामकता के लिए पहचाना जाता है। उनके शब्दों के चुनाव को लेकर विचारों में मतभेद हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जन आशीर्वाद यात्रा के शुरू होने के बाद से ही ठाकरे नीत महाराष्ट्र सरकार सत्ता का गलत इस्तेमाल कर राणे की रैली में अवरोध उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है। विधायक ने एक समाचार चैनल से बातचीत में दावा किया, यह राज्य सरकार की धोखाधड़ी है। राज्य सरकार रैली को मिल रही व्यापक प्रतिक्रिया से डरी हुई है। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे ने मुख्यमंत्री के तौर पर कई बार विवादित भाषण दिए हैं और भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल भी किया है लेकिन इसे अनदेखा कर दिया गया। रत्नागिरी जिले में राणे की यात्रा में समन्वय करने वाले भाजपा नेता प्रमोद जाठर ने कहा राणे की भाषा (शिवसेना के संस्थापक) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की भाषा जैसी है। बहरहाल, जन आशीर्वाद यात्रा जारी रहेगी।

राणे की टिप्पणी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा मुख्यमंत्री आजादी के साल भूल गए, यह अधिक अपमानजनक है। राणे ने तो आम आदमी की भावना जाहिर की थी। राकांपा के प्रवक्ता नवाब मलिक ने दावा किया कि भाजपा महाराष्ट्र के सद्भावपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश कर रही है।

बीजद जाति आधारित जनगणना की मांग के साथ आंदोलन शुरू करेगा

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने मंगलवार को जाति-आधारित जनगणना की मांग को लेकर एक व्यापक आंदोलन शुरू करने की योजना की घोषणा की। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जाति-आधारित जनगणना की मांग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। बीजद के दो वरिष्ठ मंत्रियों – आरपी स्वैन और एके साहू ने कहा कि जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता गांव स्तर से राष्ट्रीय राजधानी तक आंदोलन करेंगे। उन्होंने दावा किया कि जाति आधारित जनगणना से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों को न्याय मिलेगा। राज्य की आबादी में लगभग 54 प्रतिशत हिस्सा ओबीसी का है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाला क्षेत्रीय दल लंबे समय से जाति आधारित जनगणना और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की मांग करता रहा है। इससे पहले केंद्र ने इस मांग को खारिज कर दिया था। वरिष्ठ बीजद नेता और राज्य के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री स्वैन ने कहा, "इस जनगणना से केवल ओडिशा को ही नहीं, बल्कि पूरे देश को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कि जब तक तटीय राज्य में ओबीसी या सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लोगों की संख्या के उचित आंकड़े नहीं मिलते, तब तक ओबीसी के लिए कल्याणकारी योजनाएं तैयार करना मुश्किल है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित सभी राजनीतिक दलों से जाति-आधारित जनगणना के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आह्वान में शामिल होने को कहा। राज्य के कृषि मंत्री एके साहू ने कहा कि आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और जाति आधारित जनगणना की मांग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा इस मुद्दे पर मुंह नहीं खोल रही है। बीजद ने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की भी मांग की।

नादिया में पश्चिम बंगाल सरकार की लक्ष्मी भंडार योजना की वित्तीय सहायता योजना के अंतरगत बिना शारीरिक दूरी का ध्यान रखे लगी लाभार्थियों की भीड़

फॉरेंसिक रिपोर्ट से कन्नड़ फिल्म उद्योग में मादक पदार्थों के इस्तेमाल की पुष्टि हुई : पुलिस

बेंगलुरु। कन्नड़ फिल्म उद्योग में कथित तौर पर नशीले पदार्थों के इस्तेमाल की जांच कर रही बेंगलुरु पुलिस ने मंगलवार को कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि पिछले साल मामले में गिरफ्तार किए गए कुछ लोग मादक पदार्थ का सेवन कर रहे थे। कन्नड़ फिल्म की अदाकारा संजना गलरानी, रागिनी द्विवेदी, पार्टी के आयोजक वीरेन खन्ना, पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा के बेटे आदित्य अल्वा समेत कुछ लोगों को मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया गया था।

बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त कमल पंत ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी बेंगलुरु पुलिस ने नशीली दवाओं के मामलों की जांच में तेजी और निष्पक्षता से काम किया है। पिछले साल सितंबर में दर्ज मामले में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की जांच और टीम द्वारा बड़ी मेहनत से जुटाए गए सबूतों के परिणामस्वरूप हैदराबाद में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) से एक सकारात्मक रिपोर्ट मिली है। पंत ने कहा, हमने अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, इसलिए मैं इस वक्त कुछ नहीं कह सकता लेकिन एफएसएल रिपोर्ट ने साफ तौर पर साबित कर दिया है कि कुछ लोग मादक पदार्थ लेते थे।

पंत ने कहा कि यह मामला पुलिस अधिकारियों के लिए एक सबक है क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि वे साबित कर पाएंगे या नहीं, क्योंकि ऐसा वैज्ञानिक रूप से पहले कभी नहीं किया गया था। कन्नड़ फिल्म उद्योग की हस्तियों के अलावा, कुछ अफ्रीकी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया था। अगस्त 2020 में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो द्वारा मोहम्मद अनूप, रिजेश रवींद्रन और अनिखा दिनेश को कथित तौर पर ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद सीसीबी ने कार्रवाई शुरू की थी।

क्विक न्यूज

असम पुलिस के साथ मुठभेड़ में हथियार डीलर की मौत

करीमगंज (असम)। असम के करीमगंज जिले में कथित तौर पर पुलिस की हिरासत से भागने के प्रयास में मुठभेड़ के दौरान एक संदिग्ध हथियार डीलर की मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी को उसके साथी के साथ गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व में राज्य में मई में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद से अब तक कथित तौर पर पुलिस मुठभेड़ में 21 आरोपी मारे गए है। इसके अलावा कम से कम 31 लोग पुलिस हिरासत से भागने के दौरान घायल हो चुके हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार, संदिग्ध नुरूल इस्लाम को उसके अन्य साथियों की तलाश करने के लिए सोमवार रात को बदरपुर के निरालागांव ले जाया जा रहा था जब उसने कथित रूप से भागने की कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को इस्लाम पर गोली चलानी पड़ी जिससे उसकी मौत हो गई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) तथा पुलिस के एक संयुक्त दल ने इस्लाम और एक अन्य हथियारों के डीलर को सोमवार को बदरपुर से पकड़ा था। उनके पास से चार 7.65 मिलीमीटर पिस्तौल, मैगजीन और एक अन्य पिस्तौल बरामद की गई थी। लगातार हो रही पुलिस मुठभेड़ के कारण विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि हिमंत विश्व सरमा सरकार में काम करने वाली पुलिस गोली चलाकर खुश होती है। नागरिक समूह के एक वर्ग ने भी पुलिस पर खुले तौर पर हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कानून के दायरे में खुली छूट दी गई है।

इसरो साजिश मामला: डीजीपी को केरल की अदालत ने राहत दी

तिरुवनंतपुरम। वर्ष 1994 में हुए जासूसी कांड में इसरो के वैज्ञानिक नम्बी नारायण और मालदीव के दो नागरिकों की अवैध गिरफ्तारी के संबंध मे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज मामले में केरल के पूर्व पुलिस महानिदेशक सीबी मैथ्यूज को मंगलवार को यहां एक अदालत ने अग्रिम जमानत दे दी। मैथ्यूज की ओर से पेश हुए वकील वी अजकुमार ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी कृष्णकुमार ने यह राहत दी। मालदीव के दो नागरिकों- मरियम रशीदा और फौजिया हसन की ओर से पेश हुए वकील प्रसाद गांधी ने भी अदालत के इस आदेश की पुष्टि की। विस्तृत आदेश अभी नही प्राप्त हुआ। नारायण और मालदीव की दोनों महिलाओं ने मैथ्यूज को राहत देने का विरोध किया था। इसी मामले में केरल उच्च न्यायालय ने तीन पूर्व पुलिस अधिकारियों और खुफिया विभाग (आईबी) के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को भी अग्रिम जमानत दी थी। सीबीआई ने आपराधिक षड्यंत्र, अपहरण और साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ के आरोप में मैथ्यूज समेत 17 अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज किया था जिसमें और आईबी का अधिकारी भी शामिल था।

मरीना तट पर 39 करोड़ की लागत से स्थापित होगा स्मारक

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष एवं तमिलनाडू के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि का स्मारक यहां कामराजर सलई में मरीना तट पर स्थापित किया जाएगा जिसकी लागत 39 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि आधुनिक तमिलनाडु बनाने के करुणानिधि के प्रयासो के सम्मान में मरीना तट पर 2.21 एकड़ भूमि पर यह स्मारक स्थापित किया जाएगा। स्टालिन ने सामाजिक कल्याण, परिवहन, शिक्षा, शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास में अपने पिता करुणानिधि के योगदान को याद करते हुए कहा कि वह आधुनिक तमिलनाडु के निर्माता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मारक पर दिवंगत नेता का चित्र लगे होंगे।

पुजारियों के हितों पर आघात नहीं करने दिया जाएगा : धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि देवस्थानम बोर्ड को किसी भी कीमत पर पुजारियो और हक-हकूकधारियो के हितो पर आघात नही करने दिया जाएगा।मंदिरो मे और उसके आसपास के संसाधनो पर हक-हकूकधारियो का पारंपरिक अधिकार है। वे मंदिरो को आसपास के जंगलो से एकत्रित पूजा सामग्री प्रदान करते है और बदले में उन्हें दस्तूर के रूप मे भोग का एक हिस्सा दिया जाता है। देवस्थानम बोर्ड, तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल के दौरान अस्तित्व मे आया था और यह चारधाम सहित 51 मंदिरो का प्रबंधन करता है। धामी ने देवप्रयाग से विधायक विनोद कंडारी और केदारनाथ से पूर्व विधायक शैला रानी रावत के नेतृत्व मे पुजारियो, हक-हकूकधारियो और पंडा समाज के सदस्यो के एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि किसी भी कीमत पर उनके हितो को नुकसान नही पहुंचने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मनोहर कांत ध्यानी को तीर्थ पुरोहितो की बात सुनने और उनकी आशंकाओ को जानने के बाद ही राज्य सरकार को अपनी सिफारिशे सौपने के लिए कहा गया है। धामी ने कहा, राज्य सरकार सभी पक्षो को सुनेगी और उनकी चिंताओ को दूर करेगी। देवस्थानम बोर्ड को तीर्थ पुरोहितो, हक हकूकधारियो और पांडा समाज के हितो को ठेस पहुंचाने की अनुमति नही दी जाएगी।

कर्नाटक के असंतुष्ट मंत्री आनंद सिंह ने विभाग का कार्यभार ग्रहण किया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के असंतुष्ट मंत्री आनंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पर्यावरण, पारिस्थितिकी और पर्यटन मंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से उन्हें आश्वासन मिला है कि वे उनकी अपील पर विचार करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सात अगस्त को पर्यावरण, पारिस्थितिकी और पर्यटन विभाग दिए जाने के बाद से सिंह नाराज थे और उन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं किया था। वह बेहतर मंत्रालय चाहते हैं। सिंह ने कहा, मैंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को अपनी अपील से अवगत करा दिया है और उनके साथ चर्चा की थी। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं पहले उस विभाग का कार्यभार ग्रहण करूं जो मुझे दिया गया है और काम शुरू करूं। मेरी अपील पर विचार किया जाएगा और आवश्यक कार्वाई की जाएगी। विधान सौध में विभाग का कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने भी उन्हें ऐसे ही आश्वासन दिए हैं। इससे पहले सिंह ने आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और मुख्यमंत्री बोम्मई से पार्टी कार्यालय में मुलाकात की।

राणे का इरादा मुख्यमंत्री का अपमान करने का नहीं था, वह अपने बयान पर स्पष्टीकरण देंगे : आठवले

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के कथित आपत्तिजनक बयान का बचाव करते हुए आरपीआई नेता एवं उनके मंत्रिमंडल सहयोगी रामदास आठवले ने मंगलवार को कहा कि मंत्री का इरादा मुख्यमंत्री का अपमान करने का नहीं था और वह अपने बयान पर स्पष्टीकरण देंगे।

राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने कथित विवादित बयान दिया था। बयान के खिलाफ शिवसेना कार्यकताओं ने राज्य में कई जगह प्रदर्शन भी किया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने पत्रकारों से कहा, राणे का मतलब केवल इतना था कि ठाकरे महाराष्ट्र के विकास के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं और लोगों की समस्याओं को समझने के लिए वह मुंबई में अपने आवास मातोश्री से कभी-कभार ही बाहर निकलते हैं। राणे का मतलब था कि ऐसे मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। वह यही कहना चाहते थे। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता ने कहा, राणे मुख्यमंत्री का अपमान नहीं करना चाहते थे। वह इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे। आठवले ने यह भी कहा कि राणे ने अपना गुस्सा सिर्फ इसलिए निकाला क्योंकि मुख्यमंत्री लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। उनसे रोजगार के अवसर पैदा करने की भी उम्मीद थी। लेकिन महाराष्ट्र में इन मोर्चों पर पिछले दो साल में कुछ नहीं हुआ है। राणे के गुस्से का असली कारण महाराष्ट्र में विकास का अभाव था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने वीडियो पर विवाद के बाद महासचिव पद से इस्तीफा दिया

भाषा। चेन्नई

भाजपा के वरिष्ठ नेता के टी राघवन ने सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो पर विवाद होने के बाद मंगलवार को पार्टी महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। राघवन ने ट्विटर पर इस्तीफे की घोषणा करते हुए वीडियो कॉल में अपनी संलिप्तता से इनकार किया, जिसमें वह कथित तौर पर आपत्तिजनक अवस्था में दिख रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, आज, मैंने प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई से मुलाकात कर उनके साथ चर्चा की। मैंने पार्टी की अपनी सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया है। मैं आरोपों का खंडन करता हूं। मैं कानूनी प्रक्रिया का सामना करूंगा। धर्म की जीत होगी। भाजपा नेता ने दावा किया कि वीडियो का मकसद उनकी और पार्टी की छवि खराब करना है। इसके बाद अन्नामलाई ने पार्टी सदस्यों के खिलाफ यौन आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने की घोषणा की और कहा कि राघवन यह साबित कर देंगे कि वह निर्दोष हैं। अन्नामलाई ने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के सचिव मलारकोडी के नेतृत्व में गठित समिति आरोपों की जांच करेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राघवन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि वीडियो अपलोड करने वाला एक यूट्यूबर भी भाजपा कार्यकर्ता है। उसने दो बार उनसे राघवन के खिलाफ कार्वाई करने के लिए कहा था। अन्नामलाई ने कहा, यूट्यूबर ने दो बार मुझसे मेरे कार्यालय में मुलाकात की थी और दावा किया था कि उसके पास राघवन के खिलाफ सबूत हैं। उसने राघवन के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी।अन्नामलाई ने कहा कि यू-ट्यूबर ने दावा किया कि उसके पास कई नेताओं की वीडियो हैं।

नक्सलवाद प्रभावित दंतेवाड़ा से दो नक्सली गिरफ्तार

भाषा। दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़)

राज्य के नक्सलवाद से प्रभावित दंतेवाड़ा जिले से सुरक्षा बलों ने दो इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र के हिरोली दाक्कापार क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने पश्चिम बस्तर सप्लाई टीम के सदस्य पांडू उर्फ मंगू माड़वी (23) और पश्चिम बस्तर मोबाईल इंटेलिजेंस टीम के सदस्य हुर्रा उर्फ कोरमा सोडी को गिरफ्तार किया है। दोनों नक्सलियों पर दो-दो लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को किरंदुल थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद डीआरजी और जिला बल के जवानों को गश्त पर रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल की टीम जब हिरोली दक्कापार क्षेत्र पहुंची तो दो संदिग्ध व्यक्ति वहां से भागने लगे। बाद में घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उनसे पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों को नक्सलियों की तलाशी में उनके पास से पांच किलोग्राम और तीन किलोग्राम के दो टिफिन बम, बिजली का तार और अन्य सामान मिला है। उन्होंने बताया कि नक्सली सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए सड़क में बम लगाने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों पर ग्रामीणों की हत्या, सड़कों को नुकसान पहुंचाने तथा बम विस्फोट कर पुलिस दल को नुकसान पहुंचाने की घटना में शामिल होने का आरोप है।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग

श्रीनगर। गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) ने मंगलवार को तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य की 5 अगस्त, 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति को बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि वह संविधान द्वारा निर्धारित अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रखेगा। पीएजीडी मुख्यधारा के छह राजनीतिक दलों का गठबंधन है, जो पूर्ववर्ती राज्य के विशेष दर्जे को बहाल करने की मांग करता है। गठबंधन व नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के श्रीनगर के गुपकर रोड स्थित आवास पर, इस गठबंधन की बैठक हुई। बैठक में गठबंधन के घटक दलों के मध्य और निचले स्तर के नेताओं ने भी भाग लिया।

बैठक के बाद पत्रकारों से, पीएजीडी के प्रवक्ता और माकपा नेता एम वाई तारिगामी ने कहा कि पांच अगस्त 2019 को केन्द्र सरकार द्वारा वापस लिए गए जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली की मांग करना तत्कालीन राज्य के लोगों का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा, हम 4 अगस्त, 2019 तक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पास रहे विशेष संवैधानिक दर्जे की बहाली के अलावा और कुछ नहीं मांग रहे हैं। यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। गठबंधन के अन्य नेताओं अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के साथ खड़े तारिगामी ने कहा कि कुछ लोग उनकी मांगों की दूसरे तरीके से व्याख्या कर रहे है और उन्हें राष्ट्र विरोधी गतिविधियां कह रहे हैं।

उन्होंने कहा, वे गठबंधन से जुड़े नेताओं को परेशान करने की कोशिश करते हैं और दुष्प्रचार अभियान चलाते हैं। ऐसा पहले शायद कभी नहीं हुआ कि लोगों की आवाज को इस तरह से दबाया जा रहा हो। जनता की आवाज को दबाना असंभव है।

गठबंधन के प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुप्पी को सामान्य मान लिया गया है।उन्होंने दावा किया, आज भी वे सोचते हैं कि कश्मीर, जम्मू और लद्दाख को कब्रिस्तान की तरह खामोश रहना चाहिए और मौजूदा सरकार व नेतृत्व को यह मंजूर नहीं है कि कोई अपनी आवाज या सिर उठाए।

माकपा नेता ने आरोप लगाया, मौजूदा सरकार ने हमें अपमानित करने की कसम खा रखी है, वे हमारे अपमान को अपना गौरव समझते हैं, जो हमें स्वीकार्य नहीं है। तारिगामी ने कहा कि गठबंधन देश और उसके लोगों को संदेश देना चाहता है कि पीएजीडी संविधान द्वारा निर्धारित अधिकारों को वापस पाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएजीडी के प्रवक्ता ने कहा कि गठबंधन ने अपनी मंगलवार की बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें दोहराया गया है कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की संवैधानिक स्थिति को बहाल किया जाए। तारिगामी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक सर्वदलीय बैठक में राजनीतिक कैदियों की रिहाई का मुद्दा उठाया था, लेकिन विश्वास बहाली के उपाय के रूप में ऐसे किसी भी कैदी को रिहा नहीं किया गया है।उन्होंने कहा, हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि मोदी की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद से कितने लोगों को रिहा किया गया है।

हैदराबाद में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक स्टूडेंट यूनियन के सदस्य

सेंसेक्स व निफ्टी नए उच्चस्तर पर

● बजाज फिनसर्व का शेयर आठ प्रतिशत चढ़ा

● डालर के मुकाबले रुपया तीन पैसे बढ़ा

भाषा । मुंबई

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच बैंकिंग, वित्तीय और धातु कंपनियों के शेयरों में जबर्दस्त लिवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 403 अंक की छलांग के साथ अब तक के अपने नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 403.19 अंक या 0.73 प्रतिशत के लाभ से अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 55,958.98 अंक पर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स लाभ के साथ बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 128.15 अंक या 0.78 प्रतिशत के लाभ के साथ 16,624.60 अंक के अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर 7.91 प्रतिशत चढ़ गया। कंपनी को सेबी से म्यूचुअल फंड प्रायोजन की सैद्धान्तिक मंजूरी मिल गई है। टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 3.41 प्रतिशत तक चढ़ गए।

वहीं दूसरी ओर नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स और कोटक बैंक के शेयर 1.34 प्रतिशत तक टूट गए।

रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि वित्तीय और धातु कंपनियों के शेयरों में तेजी से घरेलू बाजारों में आज सुधार दर्ज हुआ। इसके अलावा वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से भी बाजार मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि हाल के सप्ताहों में लगातार बिकवाली दबाव झेलने के बाद मिडकैप और स्मॉलकैप में आज जबर्दस्त सुधार हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बड़े बाजारों में मजबूत सुधार तथा अनुकूल वैश्विक रुख से दलाल स्ट्रीट में धारणा बेहतर हुई। धातु, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों की अगुवाई में बाजार चढ़ गया।

नायर ने कहा कि अमेरिका खाद्य एवं दवा प्रशासन ने फाइजर और बायोएनटेक के कोविड-19 टीके को पूर्ण मंजूरी दे दी है। इससे टीकाकरण तेज होने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को महत्वाकांक्षी छह लाख करोड़ रुपए की राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का अनावरण किया। इससे भी बाजार धारणा को बल मिला। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 1.69 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख था। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69.15 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 74.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

अप्रैल-जून की तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 18.5 प्रतिशत रहने का अनुमान

मुंबई। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में 18.5 प्रतिशत रहेगी। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट इकोरैप में यह अनुमान लगाया गया है। हालांकि यह भारतीय रिजर्व बैंक के अप्रैल-जून तिमाही के 21.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से कम है।

बैंक ऑफ इंडिया की 3,000 करोड़ की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना

भाषा । नई दिल्ली

बैंक ऑफ इंडिया पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेशकश के जरिए 3,000 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना बना रहा है। इसके पीछे उद्देश्य कारोबार में तेजी लाना और नियामकीय अनुपालन को पूरा करना होगा।

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि बैंक क्यूआईपी के जरिए 3,000 करोड़ रुपए जुटाने की प्रक्रिया में है और प्रस्तावित इश्यू के लिए सात बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किए गए हैं। निवेशकों को लुभाने के लिए एक नॉन-डील रोड शो सोमवार को संपन्न हुआ।

बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसके प्रबंधन ने 10-23 अगस्त, 2021 के दौरान रोड शो के लिए आमने-सामने और समूह की बैठकों में हिस्सा लिया।

अमेरिका को पछाड़ भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे आकर्षक विनिर्माण गंतव्य

● चीन पहले स्थान पर

भाषा । नई दिल्ली

अमेरिका को पछाड़कर भारत दुनिया का दूसरा सबसे आकर्षक विनिर्माण गंतव्य बन गया है। रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड ने यह जानकारी दी है। मुख्य रूप से लागत के मोर्चे पर दक्षता की वजह से विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत का आकर्षण बढ़ा है।

कुशमैन एंड वेकफील्ड ने बयान में कहा कि वैश्विक विनिर्माण जोखिम सूचकांक-2021 में चीन पहले स्थान पर कायम है। यह सूचकांक यूरोप, द अमेरिकाज तथा एशिया-प्रशांत (एपीएसी) के 47 देशों में से वैश्विक विनिर्माण के लिए आकर्षक या लाभ वाले गंतव्यों का आकलन करता है। बयान में कहा गया है कि सबसे अधिक मांग वाले विनिर्माण गंतव्यों में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। इस सूची में अमेरिका तीसरे, कनाडा चौथे, चेक गणराज्य पांचवें, इंडोनेशिया छठे, लिथुआनिया सातवें, थाइलैंड आठवें, मलेशिया नौवें और पोलैंड दसवें स्थान पर है। पिछले साल की रिपोर्ट में अमेरिका दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर था।

बयान में कहा गया है कि इससे पता चलता है कि अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र की तुलना में विनिर्माता भारत में रुचि दिखा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि परिचालन की परिस्थितियों तथा लागत दक्षता की वजह से विनिर्माण गंतव्य के रूप में भारत का आकर्षण बढ़ा है। इसके अलावा भारत ने आउटसोर्सिंग की जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इससे सालाना आधार पर भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

भारतीय राजदूत ने अमेरिका की वाणिज्य मंत्री के साथ कारोबारी रिश्तों पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गिना रायमोंडो के साथ द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों पर चर्चा की। अमेरिका के वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि संधू और रायमोंडो के बीच बैठक में अमेरिका-भारत वाणिज्यिक संबंधों पर विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में रायमोंडो तथा संधू ने आपसी वाणिज्यिक संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। इसके साथ ही दोनों ने वृहद रणनीतिक संबंधों को समर्थन देने के लिए कारोबारी रिश्तों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

अनुप्रिया पटेल ने आसियान देशों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया

भाषा । नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के देशों को भारत में निवेश का न्योता दिया है। उन्होंने आसियान के देशों को विशेषरूप से उन 13 क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया है जो उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आते हैं। आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यामां, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम शामिल हैं। पटेल ने मंगलवार को कहा कि 5,800 अरब डॉलर की सामूहिक अर्थव्यवस्था के साथ भारत और आसियान के बीच व्यापार और निवेश भागीदारी के विस्तार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकार ने देश की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने तथा निर्यात को प्रोत्साहन के लिए 13 विभिन्न क्षेत्रों के लिए 26 अरब डॉलर की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है।

इन क्षेत्रों में एडवांस केमिस्ट्री सेल, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिकाप्रौद्योगिकी उत्पाद, फार्मास्युटिकल्स, दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य सामान, स्पेशियल्टी स्टील और वाइट गुड्स आदि शामिल हैं।

पटेल ने ईईपीसी इंडिया की-भारत आसियान इंजीनियरिंग भागीदारी शिखर बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए आसियान क्षेत्र की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करती हूं।

आईईईएमए ने चारू माथुर को महानिदेशक नियुक्त किया

भाषा । नई दिल्ली

उद्योग संगठन, इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) ने मंगलवार को कहा कि उसने चारु माथुर को अपना नया महानिदेशक नियुक्त किया है।

आईईईएमए ने कहा कि माथुर, सुनील मिश्रा की जगह लेंगे, जो जुलाई 2021 में सेवानिवृत्त हुए थे। बयान में कहा गया है कि उन्होंने आईईईएमए के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। माथुर का सभी क्षेत्रों में उद्योग और उद्योग संघों के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है। आईईईएमए ने कहा कि इससे पहले, उन्होंने ई-कॉमर्स कंपनी, अमेजन और भारत में शीर्ष राष्ट्रीय उद्योग संघों में से एक सीआईआई में रणनीतिक नेतृत्व पदों पर काम किया है।

गृह मंत्री अमित शाह सहकारिता सम्मेलन के लिए आमंत्रित

भाषा । नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी डेयरी महासंघ (एनसीडीएफआई) ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह को नवंबर या दिसंबर में गंगटोक में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया है। शाह को एनसीडीएफआई के अध्यक्ष मंगल जीत राय ने निमंत्रण दिया है, जिन्होंने सोमवार को उनसे मुलाकात की थी। राय ने एक बयान में कहा कि गृह मंत्री ने निमंत्रण को शालीनता से स्वीकार कर लिया।

सम्मेलन का आयोजन भारतीय डेयरी सहकारिता क्षेत्र की जिजीविषा - चुनौतियों और अवसरों की खोज विषय पर किया जा रहा है ताकि डेयरी सहकारी क्षेत्र में विभिन्न रुझानों पर चर्चा की जा सके और इस क्षेत्र के लिए भविष्य की नीति की दिशा तय की जा सके। बयान में कहा गया है कि सम्मेलन में डेयरी सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठनों, आईएलओ, केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 2,000 प्रतिनिधि भाग लेंगे। अपनी बैठक के दौरान राय ने शाह को बताया कि वर्ष 2019-20 के दौरान 19.84 करोड़ टन दूध का वार्षिक उत्पादन हासिल करने के बाद और पिछले छह वर्षों के दौरान 35.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए भारत, दुनिया के दूध उत्पादक देशों में पहले स्थान पर है।

भारत का दुग्ध उत्पादन विश्व के कुल उत्पादन का लगभग 17 प्रतिशत है। भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 394 ग्राम प्रतिदिन की है। आज देश में लगभग 80 लाख डेयरी सहकारी किसान दुग्ध उत्पादन में लगे हुए हैं। यह ठोस प्रगति मुख्य रूप से भारतीय डेयरी उद्योग में संरचनात्मक परिवर्तनों की वजह से है। डेयरी क्षेत्र, गांवों में लाखों घरों को आजीविका प्रदान करती है और शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्ता वाले दूध एवं दूध उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

केनरा बैंक ने क्यूआईपी में 16.73 करोड़ शेयर आवंटित किए

● इसके साथ ही इक्विटी शेयर पूंजी 1,814.13 करोड़ हो जाएगी

भाषा । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने 2,500 करोड़ रुपए के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के तहत 16.73 करोड़ शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी है। बैंक का क्यूआईपी 17 अगस्त को खुलकर 23 अगस्त को बंद हुआ। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि बोर्ड की उपसमिति बैंक के निदेशक मंडल की पूंजी योजना प्रक्रिया की 24 अगस्त को हुई बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों को 149.35 रुपए प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर कुल 2,500 करोड़ रुपए के 16,73,92,032 इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दी गई।

इसके साथ बैंक की चुकता इक्विटरी शेयर पूंजी 1,646.74 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,814.13 करोड़ रुपए हो जाएगी। बेंगलुरु मुख्यालय वाले केनरा बैंक ने कहा कि क्यूआईपी निर्गम में पेश शेयरों में सात निवेशकों को पांच प्रतिशत से अधिक का आवंटन किया गया। एलआईसी को इस निर्गम में 15.91 प्रतिशत शेयर आवंटित किए।

बीएनपी परिबा आर्बिट्रेज को 12.55 प्रतिशत, सोसायटी जनरल को 7.97 प्रतिशत तथा इंडियन बैंक और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल दोनों को 6.37 प्रतिशत शेयर आवंटित किए। मॉर्गन स्टेनली एशिया (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई ने 6.16 प्रतिशत तथा वोलराडो वेंचर पार्टनर्स फंड दो ने 6.05 प्रतिशत शेयर खरीदे।

सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों के फॉरेंसिक ऑडिट को 16 इकाइयों का पैनल बनाया

भाषा । नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बीडीओ इंडिया, अनर्स्ट एंड यंग और डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडिया सहित 16 इकाइयों का पैनल बनाया है जो सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय लेखे-जोखे का फॉरेंसिक ऑडिट करेगा।

धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियामक ने यह कदम उठाया है। पैनल में शामिल अन्य इकाइयों में चतुर्वेदी एंड कंपनी, चोकसी एंड चोकसी एलएलपी, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी, हरिभक्ति एंड कंपनी एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, मुकुंद एम चिताले एंड कंपनी तथा प्रोवटिविटी इंडिया मेंबर्स प्राइवेट लि. शामिल हैं। एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार पैनल में राजवंशी एंड एसोसिएट्स, रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, एसकेवीएम एंड कंपनी, सुरेश के झा एंड कंपनी, टीआर चड्ढा एंड कंपनी तथा वी सिंघी एंड एसोसिएट्स को भी शामिल किया गया है। सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय बही-खाते के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए पैनल बनाने को मई में पात्र चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किए थे। इसके बाद उपरोक्त कंपनियों का पैनल बनाया गया है। सेबी ने हाल के महीनों में कई कंपनियों के फॉरेंसिंक ऑडिट का आदेश दिया है। अक्टूबर, 2020 में सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों से फॉरेंसिक ऑडिट शुरू करने की जानकारी का खुलासा शेयर बाजारों से करने को कहा था।

इंफोसिस को यूसीएएस से मिला नया अनुबंध

नई दिल्ली। इंफोसिस ने मंगलवार को कहा कि उसने ब्रिटेन की उच्च शिक्षा प्रवेश सेवा यूसीएएस के साथ न्यूनतम तीन साल का नया अनुबंध किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यूसीएएस और इंफोसिस के बीच 2015 से एक प्रौद्योगिकी साझेदारी है, लेकिन एक व्यापक निविदा प्रक्रिया के बाद नया अनुबंध रिश्ते में एक बड़े बदलाव को दर्शाता है। बयान के मुताबिक यह साझेदारी बेहतर स्वचालन, नवाचार और दक्षता के जरिए सहज ग्राहक सेवा अनुभव मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करेगी। यूसीएएस छात्रों, विद्यालयों, सलाहकारों और उच्च शिक्षा प्रदाताओं को महत्वपूर्ण प्रवेश और सूचना सेवाएं देता है। इस सेवा के जरिए हर साल संभावित आवेदकों को 30,000 से अधिक पाठ्यक्रम मुहैया कराए जाते हैं। बयान में कहा गया कि यूसीएएस हर साल लगभग सात लाख आवेदकों की मदद करता है।

माइक्रोसॉफ्ट ने प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स को समर्थन के लिए इनवेस्ट इंडिया से गठजोड़ किया

भाषा । नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने देश में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए इनवेस्ट इंडिया के साथ गठजोड़ किया है। इस भागीदारी के तहत स्टार्टअप्स के लिए माइक्रोसॉफ्ट का कार्यक्रम भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यक्रम नव भारत के नवोन्मेषण की वृद्धि को रफ्तार (अग्नि मिशन) देने के लिए नजदीकी में काम करेगा। इनवेस्ट इंडिया ने ही अग्नि मिशन का क्रियान्वयन किया है। यह स्टार्टअप इकाइयों को उपक्रम के रूप में काम करने को तैयार करता है। एक बयान में कहा गया है कि अग्नि मिशन के सहयोग से माइक्रोसॉफ्ट ने अपने स्टार्टअप कार्यक्रम के साथ 11 स्टार्टअप कंपनियों को जोड़ा है। इनवेस्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपक बागला ने कहा कि अग्नि का प्रमुख योगदान दुनिया के शीर्ष उपक्रमों के साथ मजबूत संबंधों के जरिए भारतीय नवोन्मेषण को आगे बढ़ाना है।

भारत के डाटा केंद्र उद्योग की क्षमता 2023 तक दोगुनी होगी

नई दिल्ली। डिजिटलीकरण में तेज वृद्धि के साथ भारत के डाटा केंद्र उद्योग की क्षमता 2023 तक दोगुनी होकर।,000 मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली संपत्ति जेएलएल ने यह कहा। उद्योग की क्षमता जनवरी-जून 2021 में 499 मेगावाट थी, जिसके 2023 तक दोगुना होकर।,008 मेगावाट होने की उम्मीद है। डाटा सेंटर की क्षमता का आकलन मुख्य रूप से बिजली खपत यानी किलोवाट या मेगावाट में किया जाता है।

उद्योग जगत का सीएसआर खर्च 2020-21 में तीन प्रतिशत बढ़ा

भाषा । मुंबई

भारतीय उद्योग जगत द्वारा पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में परोपकार कार्यों पर किया गया खर्च 3.62 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 22,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर व्यय महामारी में मदद से जुड़े कार्यों के लिए आवंटित किया गया। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां कोविड-19 की पहली लहर के दौरान ज्यादातर नकदी खर्च पीएम-केयर्स फंड के माध्यम से हुआ, वहीं दूसरी लहर में प्राथमिकता बदल गई और वस्तुओं एवं सेवाओं पर खर्च के माध्यम से सीधी मदद को प्राथमिकता दी गई। कंपनियों ने दूसरी लहर के दौरान मार्च-जून 2021 में पीएम-केयर्स फंड में केवल 85 करोड़ रुपए का योगदान दिया, जबकि अन्य के रूप में वर्गीकृत मदद के तौर पर 831 करोड़ रुपए का योगदान किया गया। वहीं, पहली लहर के दौरान मार्च-मई 2020 के बीच उन्होंने पीएम-केयर्स फंड में 4,316 करोड़ रुपए और अन्य मदद के तौर पर 3,221 करोड़ रुपए का योगदान दिया। रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी लहर की गंभीरता को देखते हुए वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, सिलेंडर, टेस्टिंग किट जैसे उपकरणों, और भोजनाराशन के दान के साथ स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का समर्थन करने के रूप में मदद मिली - जिसका पैसों के रूप में मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

इसमें कहा गया कि यह मानते हुए कि कंपनियों का खर्च उनके पिछले तीन वित्तीय वर्ष के औसत लाभ के दो प्रतिशत के अनिवार्य स्तर के आसपास था, पात्र कंपनियों ने वित्त वर्ष 2020-21 में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर 22,000 करोड़ रुपए खर्च किए होंगे, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 में यह राशि 21,231 करोड़ थी।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में सीएसआर पर किए गए खर्च में 1,700 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा 14,986 करोड़ रुपए के खर्च और गैर-सूचीबद्ध इकाइयों द्वारा 7,072 करोड़ रुपए के खर्च शामिल होंगे। जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,387 सूचीबद्ध कंपनियों ने 14,431 करोड़ रुपए और 19,962 गैर-सूचीबद्ध इकाइयों ने 6,800 करोड़ रुपए खर्च किए। एजेंसी ने कहा कि कंपनी अधिनियम में बदलाव के माध्यम से सीएसआर खर्च को लेकर अनिवार्य स्तर तय किए जाने के सात वर्षों के भीतर इस तरह का खर्च एक लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर गया है।

पेज 1 का शेष

सीआईए निदेशक...

कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शीर्ष खुफिया एजेंसी के प्रमुख को काबुल भेजने का फैसला किया। इसमें कहा गया है कि सीआईए ने तालिबान के साथ बैठक पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन चर्चा में संभावित रूप से अमेरिकी सेना के लिए अमेरिकी नागरिकों और अफगान सहयोगियों को अफगानिस्तान से निकालने के लिए 31 अगस्त की समय सीमा शामिल थी। हालांकि, तालिबान के एक प्रवक्ता ने सोमवार को अमेरिका और ब्रिटेन को युद्धग्रस्त देश से अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना की वापसी के लिए 31 अगस्त की समय सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर चेतावनी दी थी।

अफगानिस्तान में...

बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता स्थापित करने और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया। बयान में कहा गया कि व्यापार और अर्थव्यवस्था सहित भारत-रूस के विशेष और विशिष्ट सामरिक साझेदारी को आगे बढ़ाएं जाने विषयों पर भी दोनों नेताओं ने चर्चा की। नरेंद्र मोदी ने रूसी टीके की भारत में आपूर्ति और उत्पादन के साथ ही आवश्यक दवाओं और चिकित्सीय उपकरणों सहित कोविड-19 संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए की गई सहायता के लिए व्लादिमीर पुतिन के प्रति आभार जताया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल से अफगानिस्तान की ताजा स्थिति और इससे विश्व पर पड़ने पर वाले असर को लेकर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता पर भी जोर दिया।

अफगान सिख...

एक दिन बाद 16 अगस्त से लोगों को निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। पुरी ने ट्वीट किया, कुछ देर पहले श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के तीन पवित्र स्वरूप काबुल से दिल्ली लाया गया। इनका स्वागत कर धन्य हुआ। मुरलीधरन ने ट्वीट किया, मंत्री हरदीप सिंह पुरी जी के साथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का स्वागत किया जो अफगानिस्तान से लोगों के साथ लाए गए हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि 78 लोगों को एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली लाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी समेत तीन लोगों को अपने सिर पर पवित्र गुरू ग्रंथ साहिब को हवाई अड्डे से ले जाते हुए देखा गया। गुरु ग्रंथ साहिब सिख धर्म का धार्मिक ग्रंथ है। एक 'स्वरूप' अनिवार्य रूप से पवित्र पुस्तक की एक प्रति है। माना जाता है कि इसकी मूल प्रति करतारपुर गांव के सोढ़ी परिवार के पास है और इसे गुरुद्वारा थम साहिब में रखा गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में इन 46 अफगान सिखों और हिंदुओं को निकालना एक बड़ी राहत है। हमारी समिति निकासी मिशन में भारत सरकार के साथ भी समन्वय कर रही है।

छत्तीसगढ़ में...

ने 2018 में चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री के विभाजित कार्यकाल का मुद्दा भी उठाया था, लेकिन राहुल ने उनको राज्य के विकास और पार्टी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। ऐसा जान पड़ता है राज्य सरकार और पार्टी की परेशानी अब थम गई है। दोनों के बीच बढ़ती तनातनी की खबरों के बीच पार्टी आलाकमान ने भूपेश बघेल और उनके सिंह देव को तलब किया था। मीडिया को जानकारी देते हुए पुनिया ने कहा कि उनकी बैठक के दौरान राज्य में विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा हुई थी।

प्रधानमंत्री 70...

हैं, लेकिन यह सरकार अलग तरह की जादूगर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, यह एक स्कैंडल है। लोगों, यूनियिनों, कर्मचारियों, छात्र संगठनों, युवा संगठनों और सभी को इस पर चर्चा करनी चाहिए। हम संसद में चर्चा करना चाहेंगे, लेकिन सरकार के लोग ऐसा नहीं होने देंगे। इसलिए आप बाहर चर्चा करिए। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को छह लाख करोड़ रुपए की राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) की घोषणा की। इसके तहत यात्री ट्रेन, रेलवे स्टेशन से लेकर हवाई अड्डे, सड़कें और स्टेडियम का मौद्रिकरण शामिल हैं। इन बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निजी कंपनियों को शामिल करते हुए संसाधन जुटाए जाएंगे और संपत्तियों का विकास किया जाएगा। निजी निवेश हासिल करने के लिए चेन्नई, भोपाल, वाराणसी एवं वडोदरा सहित भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के करीब 25 हवाई अड्डे, 40 रेलवे स्टेशनों, 15 रेलवे स्टेडियम और कई रेलवे कॉलोनी की पहचान की गई है। इन्हें निजी क्षेत्र के निवेश से विकसित किया जाएगा।

कोरोना में...

अनुसार, महामारी के पहले वर्ष में वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 5 प्रतिशत तक गिरावट आई। परिणामस्वरूप, देश भर में नौकरियां खोने और वेतन में कटौती होने से 120 मिलियन अधिक लोगों को गरीबी में धकेल दिया गया। इस तरह के आर्थिक झटकों से कमजोर समूहों, जैसे छोटे बच्चों और कम आय वाले देशों में बुजुर्गों के बीच मृत्यु दर बढ़ती है। शोधकर्ताओं ने यह आकलन करने की भी कोशिश की है कि 1985 और 2018 के बीच जन्म लेने वाले 5.2 मिलियन बच्चों के मामले में जीडीपी किस तरह जुड़ी है। अध्ययन में पाया गया कि इनमें से 82 प्रतिशत बच्चों का जन्म निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों में हुआ। शोधकर्ताओं ने 2019 और 2020 के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आर्थिक विकास अनुमानों को भी ध्यान में रखा, जिनमें 2020 में 128 देशों में आर्थिक मंदी का प्रभाव शिशु मृत्यु पर पड़ा। शोध से पता चला कि 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में अतिरिक्त 2,67,208 शिशुओं की मृत्यु हो गई। शोध के लेखकों ने यह भी पाया कि 2009 में वित्तीय संकट के बाद अफ्रीका में 28,000 से 50,000 अतिरिक्त शिशुओं की मृत्यु का अनुमान लगाया गया था। इसके विपरीत, 2020 में लगभग 82,239 अतिरिक्त शिशुओं की जान गई।

सिर्फ आर्थिक...

तबके को लाभ मिलेगा जिनकी वार्षिक आमदनी तीन लाख रुपए से अधिक लेकिन छह लाख से कम है तथा सालाना छह लाख रुपए से अधिक आय वाले को राज्य के कानून के तहत क्रीमी लेयर माना जाएगा। अधिसूचना को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अधिसूचना के आधार पर शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले और राज्य सेवाओं में नियुक्ति...में खलल नहीं डाला जाएगा। पीठ में न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी थे। पीठ ने कहा कि तथ्य यह है कि अधिसूचना केवल आर्थिक मानदंडों के आधार पर जारी की गई थी और इसे रद्द करने के लिए केवल यही पर्याप्त आधार है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को इंदिरा साहनी मामले में अदालत के फैसले के अनुरुप आज से तीन महीने की अवधि के भीतर एक नई अधिसूचना जारी करने की स्वतंत्रता दी। मंडल फैसले का व्यापक जिक्र करते हुए निर्णय में कहा गया है कि पिछड़े वर्गों में क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल आर्थिक मानदंड के आधार पर नहीं किया जा सकता है और सामाजिक, आर्थिक तथा अन्य प्रासंगिक कारकों को भी ध्यान में रखना होगा। पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा हरियाणा तथा अन्य द्वारा दाखिल याचिकाओं पर यह फैसला आया। इन याचिकाओं में 17 अगस्त 2016 और 28 अगस्त 2018 को राज्य सरकार द्वारा जारी दो अधिसूचनाओं को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

अमरिंदर के...

सिंह सिद्धू के दो सलाहकारों द्वारा कश्मीर और पाकिस्तान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए की गई कड़ी आलोचना के बीच हुई। हालांकि, सिद्धू बैठक में मौजूद नहीं थे। चन्नी ने कहा कि कई विधायक 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस द्वारा किए गए उन वादों को लेकर चिंतित हैं जिन्हें अभी तक पूरा नहीं किया गया है। चन्नी ने कहा, हमारे मुद्दे हल नहीं हो रहे हैं। हमें अब विश्वास नहीं है कि इन मुद्दों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोटकपूरा पुलिस गोलीबारी की घटना में एसआईटी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल से पूछताछ के बाद कुछ नहीं हुआ। चन्नी ने कहा, आज स्थिति ऐसी है कि मुख्यमंत्री (अमरिंदर सिंह) के साथ हमारे मुद्दों का समाधान नहीं हो रहा है और इसलिए हम पार्टी आलाकमान से मिलने जा रहे हैं।

अश्विन को मौका मिलना मुश्किल

हैडिंग्ले में चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है भारत

● इंग्लैंड के साथ तीसरा टेस्ट आज से

भाषा । लीड्स

कप्तान विराट कोहली लंबे समय से चली आ रही अपनी खराब फॉर्म से पार पाकर इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ा स्कोर बनाने के साथ भारत को पांच मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में लगाया था। वह वर्तमान श्रृंखला में दो अवसरों पर 40 रन के पार पहुंचे लेकिन बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे। उनसे हालांकि हमेशा बड़े स्कोर की उम्मीद की जाती है।

उन्होंने पहले दो टेस्ट मैचों में ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर अपने विकेट गंवाए। ऐसे में उनसे हैंडिग्ले में इस तरह की गेंदों के सामने बेहतर तकनीकी के साथ बल्लेबाजी करने की उम्मीद की जा रही है। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है। इन दोनों ने हालांकि लार्ड्स टेस्ट के चौथे दिन लगभग 50 ओवर तक बल्लेबाजी करके फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। इससे मैच पांचवें दिन तक खिंच गया जिसके बाद तेज गेंदबाजों ने भारत को जीत दिलाई और श्रृंखला में 1–0 से आगे किया।

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल का प्रदर्शन भारत के लिए बल्लेबाजी विभाग में सकारात्मक पहलू रहा है। इन दोनों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने संयम और तकनीक का अच्छा नमूना पेश करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। चोटिल मयंक अग्रवाल की जगह टीम में लिए गए राहुल प्रत्येक अगली पारी में अधिक आत्मविश्वास से भरे हुए दिखे है।

रोहित भी बहुत अच्छी लय में दिख रहे हैं और उन्हें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उन्हें अपना पसंदीदा पुल शॉट कब खेलना है क्योंकि श्रृंखला में दो अवसरों पर वह यह शॉट खेलकर आउट हुए। ऋषभ पंत अपने नैसर्गिक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि रविंद्र जडेजा ने भी सातवें नंबर पर बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। यह कहा जा सकता है कि वह टीम में बाएं हाथ के स्पिनर के बजाय बल्लेबाज की भूमिका में अधिक खेल रहे हैं।

हैडिंग्ले में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल रहने की संभावना है और भारत चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन के लिए अंतिम एकादश में फिर से जगह नहीं बन पाएगी। शार्दुल ठाकुर फिट हो गए हैं लेकिन लगता नहीं कि कोहली अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में किसी तरह का बदलाव करेंगे।

पहले टेस्ट में नहीं खेल पाने वाले इशांत शर्मा ने लार्ड्स में प्रभावशाली गेंदबाजी की तथा इस अनुभवी तेज गेंदबाज को ठाकुर पर प्राथमिकता मिलने की संभावना है। ठाकुर गेंदबाजी में इशांत से कमतर लेकिन बल्लेबाजी में बेहतर हैं। मोहम्मद सिराज के आने से भारत का विश्व स्तरीय आक्रमण मजबूत हुआ है। सिराज ने लार्ड्स में पांचवें दिन शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी से लगातार प्रभावित किया है। भारत यहां आखिरी बार 2002 में खेला था जब उसने पारी और 46 रन से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड को उम्मीद है कि डाविड मलान के आने से उनकी बल्लेबाजी की कमजोरी दूर होगी। मलान ने अपना आखिरी टेस्ट तीन साल पहले खेला था लेकिन उनके पास प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज तीसरे नंबर पर खेलेगा और ऐसे में हसीब हमीद को रोरी बर्न्स के साथ पारी का आगाज करना पड़ सकता है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को रन बनाने का तरीका ढूंढकर कप्तान जो रूट का साथ देना होगा।

अभी तक इंग्लैंड की तरफ से रूट ने ही अधिकतर रन बनाए हैं। अपनी अतिरिक्त उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डालने वाले मार्क वुड चोटिल हैं और ऐसे में सादिक महमूद को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है। रूट ने मैच से पहले पुष्टि की कि वुड को छोड़कर फिटनेस का कोई मसला नहीं है और मुख्य तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अच्छी स्थिति में हैं। रूट ने इसके साथ ही संकेत दिए कि खिलाड़ी आपसी बहस में नहीं उलझेंगे क्योंकि लार्ड्स में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक दूसरे पर छींटाकशी की लेकिन इसका अधिक फायदा भारत को मिला।

टीमें–भारत: विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, मयंक अग्रवाल, अजिंक्य रहाणे, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, केएल राहुल, ऋद्धिमान साहा, अभिमन्यु ईश्वरन, पृथ्वी सॉव, सूर्यकुमार यादव। इंग्लैंड: जो रूट (कप्तान), मोइन अली, जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम कुरेन, हसीब हमीद, डैन लॉरेंस, साकिब महमूद, डाविड मलान, क्रेग ओवरटन, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान जो रूट के साथ जेम्स एंडरसन

टोक्यो में 16वें पैरालिंपिक गेम्स का शानदार आगाज

भाषा । टोक्यो

टोक्यो में 16वें पैरालिंपिक गेम्स का आगाज हो चुका है। ओपनिंग सेरेमनी में भारत की ओर से जेवलिन थ्रोअर टेक चंद ध्वजवाहक रहे। टोक्यो 2 बार समर पैरालिंपिक गेम्स होस्ट करने वाला पहला शहर है। इससे पहले 1964 में भी टोक्यो ने इन गेम्स की मेजबानी की थी। तालिबान के कब्जे के बाद अफ्गानिस्तान का एक भी एथलीट इस बार पैरालिंपिक खेलों में नजर नहीं आएगा। हालांकिए समर्थन के लिए कार्यक्रम में अफ्गानिस्तान का झंडा भी लहराया गया। अफ्गानिस्तान पैरालिंपिक में तो नहीं हैए पर उसका झंडा भी लहराया गया। इसके जरिए बताया गया कि सभी देश मुश्किल घड़ी में अफ्गानिस्तान के साथ हैं।

अफ्गानिस्तान पैरालिंपिक में तो नहीं हैए पर उसका झंडा भी लहराया गया। इसके जरिए बताया गया कि सभी देश मुश्किल घड़ी में अफगानिस्तान के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने ट्वीट किया कि मुझे यकीन है कि हमारा पैरालिंपिक दल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा और दूसरों को प्रेरित करेगा।

ओपनिंग सेरेमनी डायवर्सिटी का प्रतीक माने जाने वाले पैरा एयरपोर्ट पर सेट की गई। इसकी शुरुआत एक वीडियो के साथ हुई है, जिसमें पैरा एथलीटों की ताकत को दिखाया गया। वीडियो के खत्म होते ही पैरा एयरपोर्ट के कर्मियों की तरह पोशाक में कार्यक्रम पेश किया गया। इसके बाद स्टेडियम में आतिशबाजी का शानदार नजारा देखने को मिला।

टेक चंद

इस बार पैरालिंपिक्स में रिकॉर्ड 4537 खिलाड़ी शामिल होंगे। इसका पिछला रिकॉर्ड 4328 खिलाड़ियों के भाग लेने का थाए जो रियो 2016 में बना था। 13 दिनों के दौरान 22 खेलों के कुल 539 इवेंट होंगे। पांच देश पहली बार पैरालिंपिक खेलों में डेब्यू करते नजर आएंगे। साथ ही रूस त्व्ब् के रूप में प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। उद्घाटन समारोह में सबसे पहले मेजबान जापान के राष्ट्रीय ध्वज को स्टेडियम में लाया गया। 17वें नंबर पर भारतीय दल ने मार्च पास्ट निकाला। भारत की ओर से 54 खिलाड़ी अलग–अलग इवेंट में अपनी किस्मत आजमाएंगे।

अनिर्बान लाहिड़ी संयुक्त 56वें स्थान पर रहे

न्यू जर्सी (**अमेरिका**)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने चौथे और अंतिम दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे वह नार्दन ट्रस्ट गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 56वें स्थान पर रहे। इससे लाहिड़ी की इस सप्ताह होने वाले फेडएक्स कप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी समाप्त हो गई।

लाहिड़ी का कुल स्कोर पांच अंडर रहा। उन्हें फेडएक्स प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए शीर्ष 10 में जगह बनाने की जरूरत थी। तूफान के कारण अंतिम दौर का खेल सोमवार तक स्थगित कर दिया गया था। लाहिड़ी ने पहले छह होल में पार स्कोर बनाने के बाद सातवें होल में बोगी लेकिन आठवें होल में वह बर्डी बनाने में सफल रहे। उनके लिए अंतिम नौ होल का खेल उतार चढ़ाव वाला रहा। इस भारतीय गोल्फर ने 13वें होल में बर्डी बनाई लेकिन 15वें होल में बोगी कर बैठे।

भारत के चार मुक्केबाज एशियाई युवा चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

भाषा । नई दिल्ली

भारत के चार मुक्केबाजों ने दुबई में चल रही एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का आयोजन पहली बार युवा और जूनियर वर्ग में एक साथ किया जा रहा है। भारत के सात मुक्केबाज सोमवार को क्वार्टर फाइनल में उतरे जिनमें से चार ने जीत दर्ज की।

जयदीप रावत (71 किग्रा) ने दबदबे वाला प्रदर्शन किया और संयुक्त अरब अमीरात के अपने प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद आइसा को दूसरे राउंड में ही बाहर का रास्ता दिखाया। वंशज (63.5 किग्रा) ने ताजिकिस्तान के मखकमोव डोवुड के खिलाफ 5–0 से जीत हासिल की, जबकि दक्ष सिंह (67 किग्रा) ने किर्गिस्तान के एल्डर तुर्दुबाएव को 4–1 से हराया। एक अन्य मुकाबले में सुरेश विश्वनाथ (48 किग्रा) ने किर्गिस्तान के अमानतुर झोलबोरोसव के खिलाफ 5–0 से जीत दर्ज की। विक्टर सैखोम सिंह (54 किग्रा) किर्गिस्तान के डरबेक तिलवाल्डिव से 2–3 से जबकि विजय सिंह (57 किग्रा) ताजिकिस्तान के मोरोदोव अबुबकर से 0–3 से हार गए। रवींद्र सिंह को ताजिकिस्तान के योकूबोव अब्दुर हीम ने 3–2 से हराया।

भारत ने ड्रा के दिन ही अपने लिए 20 पदक पक्के कर दिए थे।

पाक ने वेस्टइंडीज को 329 रनों का लक्ष्य दिया

भाषा । किंगस्टन

वेस्टइंडीज ने 329 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 49 रन बनाए। बारिश से प्रभावित मैच के चौथे दिन पाकिस्तान का दबदबा रहा। उसने पहले वेस्टइंडीज को पहली पारी में 150 रन पर आउट किया और फिर अपनी दूसरी पारी में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके 6.43 रन प्रति ओवर की दर से रन जुटाए।

अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 302 रन पर समाप्त करने वाले पाकिस्तान ने दूसरी पारी छह विकेट पर 176 रन पर समाप्त घोषित करके वेस्टइंडीज के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। वेस्टइंडीज ने सजग शुरुआत की लेकिन कीरेन पावेल (23) के रन आउट होने से उसे झटका लगा। स्टंप उखड़ने के समय कप्तान क्रेग ब्रेथवेट 17 और नाइटवाचमैन अलजारी जोसेफ आठ रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज अभी लक्ष्य से 280 रन दूर है जबकि पाकिस्तान श्रृंखला 1–1 से बराबर करने के लिए आखिरी दिन बाकी बचे नौ विकेट निकालने की कोशिश करेगा। वेस्टइंडीज ने सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 39 रन से आगे बढ़ाई लेकिन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की घातक गेंदबाजी के सामने उसका कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। अफरीदी ने 51 रन देकर छह और मोहम्मद अब्बास ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज की तरफ से नक्रुमाह बोनर ने सर्वाधिक 37 और जेरमाइन ब्लैकवुड ने 33 रन बनाए।

LOST & FOUND
Lost my original property papers related to flat no. 1208 C, 12th Floor, Vijaya Building, 17 Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi. NCR is lodged vide LR No: 602269/2021 dated 21.08.2021 in P.S. C R Park, New Delhi. Finder may contact at 9818654616.

PUBLIC NOTICE
My client Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Tilak Raj, R/o Flat No. 384, Ground Floor, Shakti Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, has disowned his son Sh. Nitin Kumar S/o Sh. Ashok Kumar, who is living separately, from all his moveable and immoveable properties. My client, shall not be responsible/liable in any manner for any Act/Deed/Agreement/Loan, done by Sh. Nitin Kumar S/o Sh. Ashok Kumar. Any person/Agency/ Bank, dealing with Sh. Nitin Kumar S/o Sh. Ashok Kumar, shall deal at his/her own risk and cost.
Advocate-Mrs. Smrati Chaturvedi
Delhi High Court Mob.: 9971058282

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री जितेंद्र कुमार** पुत्र श्री कृष्ण कुमार, एक आवासीय मकान संख्या, 967, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज यानी 83.61 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 234/1, गली नंबर 6/3 व एपीएन पब्लिक स्कूल, सैन विहार के पास, ग्राम टूंडाहेड़ा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 12.08.2021 के क्रमांक 6061 के द्वारा मालिक हैं। उपरोक्त संपत्ति मेसर्स विस्तार फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज मूल सामान्य मुख्तारनामा दिनांक 07.02.1997 क्रमांक संख्या 147 कहीं खो गए हैं। जिसकी **एफआईआर** (प्राथमिकी) दिनांक 28.082021 थाना विजय नगर, गाजियाबाद यू.पी. में दर्ज की गई है।
यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त संपत्ति पर कोई दावा है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमें इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
मोबाईल:+91–8076188328

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक जन समूह पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय मकान न0 336/A, ग्राउंड फ्लोर खसरा न0 18/14, गली न0 12, माता वाली गली, जौहरी पुर गॉव, दिल्ली–110094. में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है– पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:–
अध्यक्ष : मनजीत सिंह
महासचिव : दिनेश कुमार
कोषाध्यक्ष : लाखन सिंह
यदि किसी को जन समूह पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली–110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

MODI RUBBER LIMITED
CIN: L25199UP1971PLC003392,
Registered Office: Modinagar - 201204; Dist. Ghaziabad, (U.P.)
Corporate Office: 4-7C, DDA Shopping Centre, New Friends Colony, New Delhi-110025; Website: www.modirubberlimited.com
Email: investors@modigroup.net; Phone: +91-11-47107398
NOTICE
Notice is hereby given that the Company is processing for issuance of duplicate Share Certificates in pursuance of intimation about the loss of shares certificates having the following particulars:-

S. No.	Name of the Shareholders	Folio No.	No. of Shares	Certificate No.	Distinctive No.
1.	SITA RAM AGARWAL	S001750	100 200	167076-77 234674-77	01420775-874 021866775-974

Public is cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above mentioned share certificates. A Duplicate thereof will be issued to the shareholders, unless any objection is received by the undersigned within 15 days from the date of publication of this notice.
For Modi Rubber Limited
Sd/-
(S K Bajpai)
Head-Legal & Company Secretary
Place : New Delhi
Date : 24.08.2021

पाउलो डायबाला की अर्जेंटीनी टीम में वापसी

एपी । ब्यूनस आयर्स

स्ट्राइकर पाउलो डायबाला को युवेंटस की तरफ से प्रभावशाली प्रदर्शन करने के कारण लगभग दो वर्ष बाद अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। डायबाला ने सितंबर में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स के तीन मैचों के लिए अर्जेंटीनी टीम में वापसी की है। अनुभवी सर्जियो आगुएरो चोटिल होने के कारण इन मैचों में नहीं खेल पाएंगे। कोच लियोनेल स्कालोनी ने जुलाई में कोपा अमेरिका का खिताब जीतने वाली टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए टीम में रखा है।

इनमें लियोनेल मेसी, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज और ब्राजील के खिलाफ फाइनल में निर्णायक गोल करने वाले एंजेल डि मारिया भी शामिल हैं। डायबाला 2019 में कोपा अमेरिका की टीम में शामिल थे। उन्होंने अर्जेंटीना की तरफ से अब तक 29 मैच खेले हैं।

सेविला की लगातार दूसरी जीत

मैड्रिड। एरिक एमिला के इंजुरी टाइम में किए गए गोल की मदद से सेविला ने गेटाफे को 1–0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

सेविला के अलावा केवल एटलेटिको मैड्रिड ही अपने पहले दोनों मैच जीतने में सफल रहा। सेविला की दोनों जीत में टीम से नए जुड़े खिलाड़ी लामेला का योगदान अहम रहा। उन्होंने रायो वालेकानो के खिलाफ 3–0 से जीत में भी दो गोल किए थे। लामेला ने इंजुरी टाइम के तीसरे मिनट में राफा मीर के शॉट के पोस्ट से रिबाउंड होने के बाद यह महत्वपूर्ण गोल किया। सेविला ने गेटाफे के खिलाफ पिछले पांचों मैच में एक भी गोल गंवाए बिना जीत दर्ज की है। एटलेटिको ने सेल्टा विगो के खिलाफ 2–1 से जीत के बाद रविवार को एल्ची को 1–0 से हराया था। ओसासुना और सेल्टा के बीच सोमवार को खेला गया एक अन्य मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा।

एंटोनियो के रिकार्ड गोल से वेस्ट हैम की लगातार दूसरी जीत

लंदन। मिचेल एंटोनियो के रिकार्ड गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सोमवार को यहां ओलंपिक स्टेडियम में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लीस्टर सिटी को 4–1 से हराया। एंटोनियो ने दो गोल किए जिससे वह वेस्ट हैम की तरफ से प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके नाम पर अब 49 गोल दर्ज हैं। एंटोनियो ने पहला गोल 80वें मिनट में किया जिससे वेस्ट हैम ने 3–1 से बढ़त बनाई। इससे उन्होंने पाओलो डि कैनियो के 47 गोल के पिछले रिकार्ड को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने 84वें मिनट में दूसरा गोल किया। पाउलो फोरनैल्स ने 26वें मिनट में वेस्ट हैम की तरफ से पहला जबकि सैद बेनरामा ने 56वें मिनट में दूसरा गोल किया। लीस्टर की तरफ से एकमात्र गोल योरी टीलमैन्स ने 69वें मिनट में किया।

वीनस विलियम्स शिकागो ओपन के पहले दौर में बाहर

लास एंजिलिस। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स डब्ल्यूटीए शिकागो ओपन महिला टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में ताइवान की सीह सु वेई से सीधे सेटों में हार गई। विश्व में 81वें रैंकिंग की सीह ने इस 41 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को केवल 67 मिनट में 6–2, 6–3 से हराया। वीनस की यह इस सत्र में नौवीं हार है और वह विश्व रैंकिंग में 147वें स्थान पर खिसक गई हैं। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना भी अगले दौर में पहुंच गई हैं।

वह जब 5–7, 6–1, 2–0 से आगे चल रही थी तब उनकी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी क्लारा बुरेल मैच से हट गई थी। अन्य मैचों में क्रिस्टीना मलाडेनोविच ने जरीना डियास को 6–2, 7–6 (7–3) से हराया।

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह फ्लेट नं0 799 सेक्टर–37, नोएडा उ0प्र0 का मूल आंवटी है। श्री अर्जुन सिंह और श्री अर्जुन सिंह राठौर पुत्र श्री नन्द सिंह जी एक ही व्यक्ति है। श्री अर्जुन सिंह राठौर और श्री दिनेश कुमार नेगी पुत्र स्व: टी0एस0 नेगी के बीच उक्त फ्लेट के खरीद/बिकी का सौदा हुआ। श्री अर्जुन सिंह राठौर ने श्री दिनेश कुमार नेगी निवासी फ्लेट नं0 816, सेक्टर–37, नोएडा उ0प्र0 को अपना True & Lawful General Power of Attorney नियुक्त किया है। श्री दिनेश कुमार नेगी ने उक्त फ्लेट को श्री अर्जुन सिंह राठौर से जी0पी0ए0 के माध्यम से खरीदा है। जो कि सब–रजिस्ट्रार ऑफिस नोएडा में 29.06.93 को "बही नं0 IV, जिल्द 1650, के पृष्ठ 12 में नं0 742 एडी बुक नं0 IV जिल्द 1652, के पृष्ठ 371–376,पर दिनांक 29.06.93 को रजिस्ट्री की गई।" इन दोनो के मध्य इस फलैट को बेचने व खरीदने का इकरारनामा भी हुआ जो कि सब–रजिस्ट्रार–III ऑफिस नोएडा के "बही नं0 I, जिल्द 2 के पृष्ठ 45 में नं0 1339 एडी बुक नं0 I जिल्द 15 के पृष्ठ 309–322 को दिनांक 22.09.94 को रजिस्ट्री की गई।" श्री दिनेश कुमार नेगी इस फ्लेट को श्रीमती सुमन लता नेगी पत्नी श्री आर0पी0एस0 नेगी निवासी बी0जी0 5/75–सी पश्चिम विहार दिल्ली वेस्ट–63 को बेचना चाह रहें हैं।
अत: इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का क्लैम या आपत्ति हो तो कृपया अपना क्लैम/आपत्ति समस्त साक्ष्य और प्रमाण सहित नोएडा प्राधिकरण सेक्टर–6 के ग्रुप हाउसिंग विभाग में इस प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के अन्दर दाखिल कर सकता है।
दिनेश कुमार नेगी

गोल्डएज एस्टेट ऐण्ड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड
सीआईएन : L70101DL1992PLC047541
पंजी. कार्यालय :– सी–115, भू तल, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015
फोन नंबर 011–25193268, ई–मेल : goldedgeestate2016@gmail.com, www.goldedgeestate.in
सूचना
1. एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी के सदस्यों की 29वीं वार्षिक सामान्य बैठक ("एजीएम"), बैठक की सूचना में सूचीबद्ध व्यवसाय के निष्पादन हेतु, बृहस्पतिवार, 23 सितम्बर, 2021 को अप. 03.30 बजे, कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") के प्रावधानों, एमसीए सर्कुलर दिनांकित 5 मई, 2020 के साथ पठित सर्कुलर दिनांकित 8 अप्रैल, 2020, 13 अप्रैल, 2020 तथा 13 जनवरी, 2021 (सामूहिक रूप से "एमसीए सर्कुलर्स" कहे गए हैं) तथा सेबी सर्कुलर्स के अनुपालन में, वीडियो कॉन्फ्रेन्स ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") के माध्यम से आयोजित की जाएगी।
2. उक्त एमसीए सर्कुलर्स तथा सेबी सर्कुलर के अनुपालन में, एजीएम की सूचना तथा वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु वार्षिक रिपोर्ट सभी सदस्यों को कम्पनी में/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के पास पंजीबद्ध उनके पंजीकृत पते/ई–मेल पर भेजी जाएगी।
3. ई–मेल पता पंजीकरण/अद्यतनीकरण की विधि :
(i) डीमैटीरियलाइज्ड रूप में शेयरों के धारक शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपना ई–मेल पता और मोबाइल नंबर अपने संबंधित डिपॉजिटरीज के पास अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के माध्यम से पंजीकृत करवाएं।
(ii) भौतिक रूप में शेयरों के धारक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपना ई–मेल पता और मोबाइल नंबर कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेन्ट (स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फोन नंबर 011–26812682–83, ई–मेल आईडी –admin@skylinerta.com) को उपलब्ध कराएं।
4. 29वीं एजीएम की सूचना तथा वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.goldedgeestate.in पर तथा स्टॉक एक्सचेंज नामतः एमएसईआई लिमिटेड की वेबसाइट https://www.msei.in/ पर भी उपलब्ध कराई जाएगी।
5. कम्पनी अपने सभी सदस्यों को 29वीं एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर अपना वोट डालने के लिए रिमोट ई–वोटिंग सुविधा ("रिमोट ई–वोटिंग") उपलब्ध करा रही है। इसके अतिरिक्त, कम्पनी एजीएम के दौरान ई–वोटिंग सिस्टम के माध्यम से वोट डालने की सुविधा ("ई–वोटिंग") उपलब्ध करा रही है। एजीएम से जुड़ने और रिमोट ई–वोटिंग/ई–वोटिंग हेतु विस्तृत प्रक्रिया 29वीं एजीएम की सूचना में वर्णित की गई है। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में उपस्थित सदस्यों की गणना अधिनियम की धारा 103 के तहत गणपूर्ति के प्रयोजनार्थ की जाएगी।
वास्ते गोल्डएज एस्टेट ऐण्ड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
हस्ता./–
जगदीश चंद अग्रवाल
चेयरमैन
स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 24–08–2021

तालिबान के खौफ से सहमे अफगान, देश छोड़ने का कर रहे बेसब्री से इंतजार

एपी। काबुल

अफगानिस्तान पर इस महीने तालिबान के नियंत्रण के बाद अफगान नागरिकों के लिए एक झटके में सबकुछ बदल गया है। दरवाजे पर कोई दस्तक दे तो लोग सहम जाते हैं। हर पल अंतहीन सा लगता है। तालिबान के खौफ से घरों में रहने को मजबूर अनेक अफगानों के लिए यह एक नई हकीकत है। मजार-ए-शरीफ में रहने वाली पत्रकार मोबिना (39) की हर बात में खौफ झलकता है। उनके शहर पर तालिबान के कब्जे के बाद वह अपने दो बच्चों के साथ वहां से भाग गईं और फिलहाल काबुल के एक सुरक्षित गृह में पनाह लिए हुए हैं। मोबीना कहती हैं, हम खुद से पूछ रहे हैं कि आगे क्या होने वाला है? हम इसलिए सहमे हुए हैं कि कुछ भी ठीक नहीं होने वाला।

मोबीना 25 लोगों के साथ छुपी हुई हैं। अन्य लोगों में नागरिक समाज समूहों के प्रमुख, महिला अधिकार रक्षक और विकास परियोजनाओं के नेता शामिल हैं। वे सुरक्षित गृह से बाहर निकलने से भी डरते हैं। वे कहते हैं कि उन्होंने सुना है कि तालिबान लड़ाके सड़कों पर घूम रहे हैं, महिलाओं को रोक रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि उनका पुरुष अनुरक्षक कहां है। तालिबान के पिछले शासन के तहत, महिलाओं को इस तरह के अनुरक्षण की आवश्यकता थी। मोबीना ने कहा, हमारे दोस्त हमें पैसे भेज रहे हैं ताकि हम खाने का खर्च उठा सकें। इससे हमें लगता है कि लोग हमें भूले नहीं हैं।

ऐसा ही कुछ हाल काबुल में रहने वाली मुमताज का भी है। उनके पिता सरकार के लिए काम करते थे और भाई की 2010 में लगमान प्रांत में ग्रेनेड हमले में मौत हो चुकी है, जहां तालिबान लंबे समय से सक्रिय रहा है। 15 अगस्त को जब तालिबान लड़ाकों ने काबुल में प्रवेश किया तो उनका परिवार भागकर काबुल हवाई अड्डे पर पहुंच गया, जहां उनका सामना भारी भीड़, अराजक स्थिति और गोलीबारी से हुआ, जिसके बाद वे वापस घर लौट आए। तब से वे अपने अपार्टमेंट से नहीं निकले हैं। मुमताज के परिवार को जब उनके एक पड़ोसी ने बताया कि एक सशस्त्र समूह उनकी तलाश कर रहा है, तो उनकी चिंताएं और बढ़ गईं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि घर-घर पर दस्तक दे रहे वे लोग तालिबान के लड़ाके हैं या फिर तालिबान के देश पर नियंत्रण के बाद जेलों से आजाद हुए अपराधी हैं। मुमताज (26) कहती हैं, हम बाहर नहीं जा सकते। हम अपने पड़ोसी से अपने लिए भोजन मंगवा रहे हैं। हम बहुत डरे हुए हैं। मुमताज ने हाल में विधि विद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है।

मोबीना और मुमताज ने कहा कि उन्हें प्रतिशोध का डर है, लिहाजा उनके पहले नाम को ही सार्वजनिक किया जाए। दोनों का कहना है कि उन्हें अब तक प्रत्यक्ष रूप से तालिबान से धमकियां नहीं मिली हैं। तालिबान लड़ाकों ने पूरे काबुल में चौकियां लगा दी हैं। वे मोटर वाहन पर जा रहे हर व्यक्ति को रोककर उनसे पूछ रहे हैं कि वे कहां जा रहे हैं और उनके वाहन के कागज देख रहे हैं। कुछ ऐसी खबरें भी आई हैं कि तालिबान लड़ाके पूर्व सरकारी कर्मचारियों और सिविल कार्यकर्ताओं की तलाश में घर-घर दस्तक दे रहे हैं। हालांकि, ऐसी खबरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। बड़े पैमाने पर घर-घर तलाशी का कोई संकेत नहीं मिला है।

तालिबान कमांडरों ने कहा है कि उनके पास हथियार और कारों सहित सरकारी संपत्ति को जब्त करने के निर्देश हैं, लेकिन उन्होंने अपने लोगों से निजी संपत्ति का सम्मान करने के लिए कहा है। तालिबान नेताओं ने भी सरकारी कर्मचारियों को काम पर लौटने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके बावजूद पाबंदियों के संकेत दिखाई दे रहे हैं।सर-ए-पुल प्रांत में तालिबान ने निर्देशों की एक सूची जारी की। इनमें संगीत, पश्चिमी शैली की पोशाक और ऐसी नौकरियों पर पाबंदी शामिल हैं, जिनमें महिलाओं को सार्वजनिक रूप से उपस्थित होना पड़ता है। इस बीच, देश के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात में लड़कियों को स्कूल जाने की अनुमति है। हालांकि इसपर शर्त यह है कि उनके शिक्षक या तो महिलाएं या फिर बुजुर्ग व्यक्ति होने चाहिए। कुछ लोगों का कहना है कि यह तालिबान के हित में है कि वे 1996 से 2001 तक के अपने पिछले शासन में की गई क्रूरता को न दोहराएं। उन वर्षों में, उन्होंने लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर उनके सार्वजनिक जीवन पर रोक लगा दी थी। साथ ही उन्होंने चोरों के हाथ काटना और सार्वजनिक रूप से फांसी देने जैसे क्रूर दंड देने शुरू कर दिए थे।

जानकारों का मानना है कि देश को चलाने के लिए तालिबान विदेशी दानदाताओं की सहायता पर निर्भर करेगा। साथ ही वह चाहेगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उससे खफा न हो, लेकिन जो लोग देश छोड़ने की सोच रहे हैं उन्हें अब भी यकीन नहीं है कि तालिबान जो कह रहा है वह सही है। फिलहाल तालिबान के खौफ से सहमे हर व्यक्ति की जुबान पर केवल एक ही दुआ है कि तालिबान भले ही देश की सत्ता में लौट आया हो, लेकिन उसका पहले जैसा क्रूर शासन दोबारा वापस न लौटे।

अफगानिस्तान से मैड्रिड लाए गए नागरिक जांच प्रक्रिया से गुजरते हुए

सभी को काबुल से नहीं निकाल पाएंगे: ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन ने कहा है कि उसने हाल के दिनों में काबुल से 8,600 अमेरिकी और अफगान नागरिकों को निकाला है, जिनमें से 2,000 लोगों को पिछले 24 घंटों में निकाला गया। लेकिन रक्षा सचिव बेन वालेस ने माना कि 31 अगस्त को अमेरिकी नेतृत्व वाला मिशन समाप्त होने से पहले हम सभी को देश से बाहर नहीं निकाल पाएंगे। ब्रिटेन सहित अमेरिका के अन्य सहयोगी देश अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर अफगानिस्तान से लोगों को निकालने की समयसीमा बढ़ाने का दबाव डाल रहे हैं। लेकिन वालेस ने स्काई न्यूज को बताया कि इस बात की संभावना नहीं है कि बाइडन इसपर सहमति जताएंगे।

तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने संबंधी कदम सार्थक साबित नहीं होगा: चीन

बीजिंग, भाषा

अफगानिस्तान के संकट और तालिबान के खिलाफ संभावित आर्थिक प्रतिबंधों पर चर्चा के वास्ते जी7 देशों की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक से पहले चीन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को अतीत से सबक सीखना चाहिए और समझदारी से काम लेना चाहिए। चीन ने कहा कि तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जाने संबंधी कदम सार्थक साबित नहीं होगा। जी7 देशों में ब्रिटेन के अलावा, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका हैं। जी7 देशों के नेताओं की मंगलवार को डिजिटल बैठक होगी जिसमें तालिबान के कब्जा करने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की जाएगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। जॉनसन ने बैठक से पहले कहा कि तालिबान को उसकी बातों से नहीं उसके काम से आंका जाएगा। अमेरिकी सैनिकों की वापसी से दो सप्ताह पहले 15 अगस्त को तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था और इस कारण राष्ट्रपति अशरफ गनी को देश छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाना पड़ा था। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बैठक के दौरान, जॉनसन समूह (जी) सात के नेताओं से अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़े रहने और शरणार्थियों और मानवीय सहायता को मजबूत करने का आह्वान करेंगे। तालिबान पर नए प्रतिबंध लगाने की जी7 नेताओं की योजना पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रतिबंध लगाने और दबाव बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान एक स्वतंत्र, संप्रभु राष्ट्र है। अमेरिका और उसके सहयोगियों को अतीत से सबक सीखना चाहिए और अफगानिस्तान से संबंधित मुद्दों पर समझदारी से काम लेना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा, किसी भी तरह के सख्त प्रतिबंध और दबाव बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

तालिबान को उसकी बातों से नहीं कामों से आंका जाएगा: जॉनसन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अफगानिस्तान के संकट पर जी7 देशों की आपात बैठक की अध्यक्षता करने से पहले कहा कि तालिबान को उसकी बातों से नहीं उसके काम से आंका जाएगा।डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बैठक के दौरान, जॉनसन समूह (जी) सात के नेताओं से अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़े रहने और शरणार्थियों और मानवीय सहायता को मजबूत करने का आह्वान करेंगे। जी7 देशों में ब्रिटेन के अलावा, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका हैं।जॉनसन ने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता, हमारे नागरिकों और पिछले 20 साल में हमारी कोशिश में मदद करने वाले अफगानिस्तान के लोगों को निकालना है, लेकिन जब हम अगले चरण की योजना बनाते हैं तो यह जरूरी हो जाता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के तौर पर हम साथ आएं और दीर्घावधि के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण पर सहमत हों। उन्होंने कहा, इसलिए मैंने जी7 की आपात बैठक बुलाई है ताकि तत्काल संकट पर हमारी प्रतिक्रिया का समन्वय किया जा सके और अफगानिस्तान के लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुन:पुष्टि की जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे साझेदारों और सहयोगियों के साथ मिल कर, हम हर मानवीय और राजनयिक प्रभाव का इस्तेमाल मानवाधिकारों और बीते 20 साल में हासिल उपलब्धियों की रक्षा करने के लिए कर सकते हैं। तालिबान को उसकी बातों से नहीं, उसके काम से आंका जाएगा। इस बीच जॉनसन ने बैठक से पहले सोमवार शाम को अफगानिस्तान के संकट पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से बात की।डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने नागरिकों और अपनी सरकारों के साथ काम करने वाले लोगों को तेजी से और सुरक्षित तरीके से निकालने के ब्रिटेन और अमेरिका के प्रयासों को समन्वित करने पर चर्चा की। जी7 की बैठक ऑनलाइन होगी जिसमें नाटो और संयुक्त राष्ट्र महासचिवों को भी आमंत्रित किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने काबुल से 1600 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री कैरन एंड्रयूज ने कहा कि करीब एक सप्ताह से 17 उड़ानों के जरिए ऑस्ट्रेलिया ने काबुल हवाईअड्डे से ।,600 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद की है। एंड्रयूज ने मंगलवार को संसद में कहा, हमने अमेरिका और ब्रिटेन समेत कई अन्य देशों के साथ मिलकर यह अहम काम किया है। काबुल हवाई अड्डे से सुरक्षित निकाले गए लोगों में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के अलावा वे अफगान नागरिक भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले 20 वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलिया सरकार के साथ मिलकर काम किया। सुरक्षित लाए गए लोगों में अन्य देशों के नागरिक भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने यह नहीं बताया है कि उसने कितने लोगों को अफगानिस्तान से निकालने की योजना बनाई है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने इससे पहले कहा था कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने मिलकर सोमवार की रात को काबुल हवाई अड्डे से 650 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला।

ब्रासीलिया में एक कार्यक्रम के आयोजन के दौरान अपना पारंपरिक नृत्य करते आदिवासी

अफगानिस्तान से 31 अगस्त तक निकासी पर ध्यान केंद्रित कर रहा अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

बाइडन प्रशासन ने सोमवार को कहा कि वह अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के अभियान को 31 अगस्त तक पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और पेंटागन के अधिकारियों के अनुसार, काबुल हवाई अड्डे से लोगों को निकालने के अभियान को विस्तार देने पर अंतिम निर्णय राष्ट्रपति जो बाइडन को लेना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने व्हाइट हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह प्रक्रिया किस प्रकार आगे बढ़ेगी, इस पर अंतिम निर्णय सिवाय राष्ट्रपति के और कोई नहीं ले सकता। तालिबान द्वारा तय की गई 31 अगस्त की समयसीमा पर पूछे गए सवाल के जवाब में सुलिवान ने यह कहा। काबुल हवाई अड्डे पर अभी 5,800 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं जो मुख्य रूप से अपने नागरिकों और 20 वर्ष तक अमेरिका की सहायता करने वाले अफगान नागरिकों को निकालने में लगे हैं। सुलिवान ने कहा, राष्ट्रपति का मानना है कि हम उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। दर्जनों उड़ानों में हजारों लोगों को उस देश से निकाला गया है। हमारा मानना है कि आज तथा आने वाले दिनों में हम और प्रगति करेंगे। और जैसा कि मैंने कहा, वह हर दिन हालात पर नजर बनाए हुए हैं और जैसे-जैसे यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, वह फैसले लेंगे।

पेंटागन में रक्षा मंत्रालय के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने तालिबान के प्रवक्ता द्वारा 31 अगस्त की समयसीमा पर दिए गए बयान देखे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, हम सब उस विचार को समझते हैं। हमारा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकालना है। हालांकि, हमें खुशी है कि हम कल अधिक संख्या में लोगों को निकाल पाए लेकिन इस पर हम रुकने वाले नहीं हैं। हमारा ध्यान इस पर केंद्रित है कि महीने के अंत तक हम कितना अच्छा कर लेते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, यह अभियान कब समाप्त होगा इस पर राष्ट्रपति बाइडन को अंतिम फैसला करना है। मैं आपको बता सकता हूं कि हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द और प्रभावी रूप से ज्यादा से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकालना है।

ताबिलान के कब्जे से अल कायदा के सिर उठाने का आशंका बढ़ी

एपी। वाशिंगटन

अफगानिस्तान में बहुत तेज़ी से बदलती स्थिति के मद्देनजर अमेरिका में बाइडन प्रशासन अल-कायदा के फिर से सर उठाने की आशंका से निपटने के लिए योजना बना रहा है। ए ऐसे समय पर हो रहा है जब अमेरिका अपने देश में हिंसक चरमपंथ और रूस एवं चीन की ओर से किए जाने वाले साइबर हमलों से निपटने की जद्दोजहद कर रहा है।

अल कायदा वही समूह है जिसने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका पर हमला किया था जिसके बाद अमेरिका नीत नाटो बलों ने उसका सफाया करने के लिए अफगानिस्तान युद्ध की शुरूआत की थी। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और तालिबान के उभरने पर ट्रंप प्रशासन में आतंकवाद रोधी महकमे में वरिष्ठ निदेशक रहे क्रिस कोस्टा ने कहा, मेरे ख्याल में अल-कायदा के पास मौका है और वह उस अवसर का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा, यह (अफगानिस्तान में जो हुआ) हर जगह के जिहादियों को प्रेरित करने वाला घटनाक्रम है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में चली 20 साल लंबी जंग में अल-कायदा काफी हद तक खत्म हो गया है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समूह के पास अमेरिका पर 2001 जैसा हमला फिर से करने की क्षमता है या नहीं। हालांकि अमेरिका ने 20 साल में निगरानी बढ़ाई है और अन्य सुरक्षात्मक उपाय किए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की जून की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि समूह के वरिष्ठ नेतृत्व अब भी अफगानिस्तान में है और उसके साथ सैकड़ों सशस्त्र कारिंदे हैं।

क्विक न्यूज

अफगानिस्तान से लोगों को निकालने की समय सीमा बढ़ाई जानी चाहिए: नॉर्वे

कोपनहेगन (डेनमार्क)। नॉर्वे की विदेश मंत्री इने एरिक्सन सोरेइड का कहना है कि अफगानिस्तान से लोगों को निकालने की समय सीमा 31 अगस्त से आगे बढ़ाई जानी चाहिए। एरिक्सन सोरेइड ने मंगलवार सुबह नॉर्वे के प्रसारक टीवी 2 को बताया, मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि हवाई अड्डे को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे का सिविल भाग बंद है और हम अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के लिए पूरी तरह से अमेरिकी सैन्य अभियान पर निर्भर हैं। उन्होंने नॉर्वे के अन्य प्रसारक एनआरके से कहा कि नॉर्वे लोगों को निकालना तब तक जारी रखेगा जब तक काबुल में हवाईअड्डा खुला रहता है। उन्होंने कहा, इस बात की कोई गारंटी नही है कि हम नॉर्वे के उन सभी नागरिकों की मदद करने में सक्षम होंगे जो इस बार सहायता चाहते है। गौरतलब है कि नार्वे ने अब तक अफगानिस्तान से 374 लोगों को निकाला है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में शांति के लिए तालिबान के साथ समावेशी राजनीतिक समझौते की बात कही

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद युद्ध से जर्जर देश में शांति और स्थिरता के लिए समावेशी राजनीतिक समझौता सर्वोत्तम मार्ग है। उन्होने कहा कि पाकिस्तान इस दिशा में सभी प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, शाह महमूद कुरैशी ने अफगानिस्तान की स्थिति पर रूस के विदेश मंत्री सेरगी लावरोव के साथ फोन पर बातचीत में उक्त टिप्पणी की। बयान के अनुसार, कुरैशी ने लावरोव से कहा कि शांतिपूर्ण और स्थिर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बयान के अनुसार, कुरैशी ने अफगानिस्तान में बदलते हालात के कारण पैदा हो रही चुनौतियों पर क्षेत्रीय देशों के साथ सलाह-मशविरा की दिशा में पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों से लावरोव को अवगत कराया। बयान के मुताबिक, कुरैशी ने बताया कि अफगानिस्तान में फंसे विदेशी नागरिकों को वहां से निकालने में पाकिस्तान मदद कर रहा है। कुरैशी के मंगलवार को उज्बेकिस्तान रवाना होने की संभावना है।

इजराइली सेना ने गाजा पर हवाई हमला किया, नाबलस में एक किशोर की मौत

तेल अवीव। इजराइली जंगी विमानों ने रात भर गाजा में हमले किए जिसके बाद हमास ने भी मशीनगनों से गोलीबारी की। मई में हुए 11 दिनों के संघर्ष के बाद से यह सबसे भीषण, सीमा पार की लड़ाई है। फलस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि इजराइली सेना के साथ संघर्ष में कब्जे वाले पश्चिमी तट पर एक किशोर मारा गया। फलस्तीनी प्रशासन के अनुसार, नाबलस में सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान 15 साल के एक किशोर के सिर में गोली लग गई और वह मारा गया। इजराइली सेना ने कहा कि सैनिक बलाटा शरणार्थी शिविर में छापा मार रहे थे, कि उसी दौरान समीप की छतों से उन पर हमला किया जाने लगा। सेना ने कहा कि सैनिकों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जा रहे थे, तभी सैनिकों ने एक व्यक्ति पर गोली चला दी क्योंकि वह उन पर एक बड़ी सी वस्तु गिराने वाला था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इमाद हशाश नामक यह किशोर वही तो नहीं है, जो मारा गया। इजराइली सेना ने कहा कि रात भर गाजा पट्टी में हमास के हथियार विनिर्माण स्थल, एक सुरंग और एक भूमिगत रॉकेट लांच स्थल को निशाना बनाया गया। यह हिंसा ऐसे वक्त हुई है जब मिस्र की मध्यस्थता में हो रही वार्ता की स्थिति बिगड़ती जा रही है।

लीबिया के निकट शरणार्थियों की एक नौका पलटी, 17 लोगों की मौत की आशंका

काहिरा। लीबिया के निकट शरणार्थियों की एक नौका पलटने से उसमें सवार 17 लोगों की मौत की आशंका है।संयुक्त राष्ट्र में प्रवासी मामलों की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन की प्रवक्ता सफा मसेहली ने सोमवार को बताया कि यह हादसा पश्चिमी शहर जुवारा में रविवार रात हुआ। रबर की एक नौका में 70 लोग सवार थे और लीबिया तटरक्षकों ने मिस्र के 51 लोगों का बचा लिया है। एक शव बरामद हुआ है और अन्य 16 लोग लापता है, जिनके डूबने की आशंका है।लीबिया में पिछले महीने भी दो नौका हादसे हुए थे, जिनमें करीब 80 लोगों के मारे जाने की आशंका है।

बहरीन के कार्यकर्ताओं की जासूसी के लिए किया गया स्पाईवेयर का इस्तेमाल : रिपोर्ट

रिचमंड (अमेरिका)। साइबर सुरक्षा निगरानी से जुड़े एक समूह ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि इजराली कंपनी एनएसओ के स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर बहरीन की नौ हस्तियों के फोन हैक किए गए थे।टोरंटो विश्वविद्यालय स्थित सिटिजन लैब ने कहा कि एनएसओ समूह के पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर जून 2020 से फरवरी 2021 के बीच फोन सफलतापूर्वक हैक किए गए। इसने कहा कि जिन लोगों की जासूसी की गई, उनमें बहरीन मानवाधिकार केंद्र के सदस्य, निर्वासन में रह रहे दो राजनीतिक नेता और लंदन में रह रहा एक कार्यकर्ता शामिल है।

उम्मीद है अफगानिस्तान की स्थिति पड़ोसियों के लिए चुनौती नहीं बनेगी

भाषा। नई दिल्ली

अफगानिस्तान की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के एक विशेष सत्र को भारतीय राजदूत इंद्र मणि पांडेय ने किया संबोधित

भारत ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पड़ोसियों के लिए चुनौती नहीं बनेगी तथा लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी समूह द्वारा अपनी गतिविधियों के लिए अफगान भूमि का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही भारत ने काबुल में एक समावेशी और व्यापक आधार वाली ऐसी व्यवस्था पर बल दिया जिसमें अफगान समाज के सभी तबकों का प्रतिनिधित्व हो।

अफगानिस्तान की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत इंद्र मणि पांडेय ने कहा कि देश (अफगानिस्तान) में एक "गंभीरै मानवीय संकट उभर कर सामने आ रहा है और हर कोई अफगान लोगों के मौलिक अधिकारों के बढ़ते उल्लंघन को लेकर चिंतित है।जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पांडेय ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि वहां की स्थिति जल्द ही स्थिर होगी और संबंधित पक्ष मानवीय और सुरक्षा मुद्दों का समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा, "हमें यह भी उम्मीद है कि एक समावेशी और व्यापक आधार वाली व्यवस्था होगी जो अफगान समाज के सभी तबकों का प्रतिनिधित्व करती है। अफगान महिलाओं की आवाज, अफगान बच्चों की आकांक्षाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि व्यापक आधार वाले प्रतिनिधित्व से व्यवस्था को अधिक स्वीकार्यता और वैधता हासिल करने में सहायता मिलेगी।पांडेय ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिरता से क्षेत्र की शांति और सुरक्षा जुड़ी है। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि अफगानिस्तान की स्थिति उसके पड़ोसियों के लिए एक चुनौती नहीं होगी और उसके क्षेत्र का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) जैसे आतंकवादी समूहों द्वारा किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा।

राजदूत ने कहा कि अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पड़ोसी देश होने के नाते भारत के लिए "गंभीर चिंतौ का विषय है। उन्होंने कहा, "हम अफगानिस्तान में तेजी से उभर रही सुरक्षा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और हम संबंधित पक्षों से कानून व्यवस्था बनाए रखने, सभी अफगान नागरिकों, संयुक्त राष्ट्र कर्मियों और राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अफगानिस्तान में सभी परिस्थितियों में मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन करने का आह्वान करते हैं।

काबुल पर तालिबान का कब्जा हो जाने के बाद अफगानिस्तान में मानवाधिकार संबंधी चिंता और स्थिति पर विचार विमर्श के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का विशेष सत्र आयोजित किया गया है। पांडेय ने कहा, "सुरक्षा की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है, एक गंभीर मानवीय संकट उभर कर साने आ रहा है। हर कोई अफगान नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बढ़ते उल्लंघन को लेकर चिंतित है। अफगान नागरिक चिंतित हैं कि क्या गरिमा के साथ जीने के उनके अधिकार का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा, " अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के रूप में, हमें देश में शांति, स्थिरता और सुरक्षा की इच्छा रखने वाले अफगान लोगों को पूर्ण समर्थन सुनिश्चित करना चाहिए और महिलाओं, बच्चों तथा अल्पसंख्यकों सहित सभी अफगानों को शांति और सम्मान से जीने में सक्षम बनाना चाहिए।पांडेय ने कहा कि आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हजारों लोग भोजन, इलाज और आश्रय की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में अफगानिस्तान के विकास में भारत के महत्वपूर्ण योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "अफगानिस्तान के साथ भारत की विकास साझेदारी पांच स्तंभों - बड़ी आधारभूत ढांचा परियोजनाएं और संपर्कअ मानवीय सहायताअ मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माणअ एवं उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) पर टिकी हुई है।

उन्होंने कहा कि भारत ने बिजली, जलापूर्ति, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परियोजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि भारत का जोर अफगानिस्तान के लोगों के कल्याण पर रहा है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के सभी 34 प्रांतों में भारत की विकास परियोजनाएं मौजूद हैं और भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अफगानिस्तान को 75,000 मीट्रिक टन गेहूं की मानवीय सहायता भी मुहैया कराई है।

टाक-टाइम

गौतम मेहरा

*लेखक-अभिनेता **गौतम मेहरा,** जिन्होंने राजधानी में थिएटर से अपनी यात्रा शुरू की, रूही तथा आकाशवाणी जैसी फिल्मों में देखे गए, **शालिनी सक्सेना** के साथ बातचीत में अपने हालिया प्रोजेक्ट चुट्जपा तथा थिएटर और फिल्मों के लिए लेखन किस प्रकार भिन्न है, के बारे में बता रहे हैं*

मैं वर्चुअल स्पेस के बजाय रियल स्पेस में रहना पसंद करता हूं

■ चुट्जपा किस बारे में है?

यह शो आज के जीवन तथा वास्तविकता किस प्रकार आभासी दुनिया से बिल्कुल अलग है, के बारे में है। आज, हर कोई दोहरा जीवन जी रहा है - एक, जो वास्तविक है और दूसरा, आभासी (सोशल मीडिया)। यह सीरीज दिलचस्प है क्योंकि यह विशेष रूप से साइबर दुनिया में जीवन के द्वंद्व की चर्चा करती है। कहानी अलग है और कुछ ऐसी है जिसे लोग देखना पसंद करेंगे क्योंकि यह निश्चित रूप से आज के युवा लोगों को पसंद आएगी।

■ आपकी भूमिका क्या है?

मैं केविन की भूमिका में हूं। वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है, दूसरे शब्दों में, वह एक छोटा सोशल मीडिया स्टार है। लेकिन कहानी के दौरान और जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वह बहुत बड़ा स्टार बनता जाता है। और जैसे-जैसे समय बदलता है, उसके आसपास के लोगों की धारणा कैसे बदलती है और वह ऐसे काम कैसे करता है जो उसे नहीं करने चाहिए। लेकिन इससे उसकी साइबर हैसियत बदल जाती है। चरित्र के माध्यम से, यह दर्शाता है कि साइबर स्पेस में हमारा वास्तविक जीवन और हमारी पहचान कितने ज्यादा परस्पर जुड़े हुए हैं।

रंगमंच में, विचार बड़े होते हैं लेकिन आपके पास सीमित साधन होते हैं और आपको खुद को मंच तक सीमित रखने की आवश्यकता होती है। वित्तीय बाधाएं हैं जो आपको सीमित करती हैं, आपको एक संकीर्ण ढांचे के भीतर सोचना होता है, जो मंच के अनुकूल हो। जब फिल्मों की बात आती है तो आपकी कल्पना का दायरा बहुत बड़ा होता है। आप चीजों को उनकी गति से चलने दे सकते हैं। फिल्मों में आपको बहुत सारी लोकेशंस के बारे में सोचना होता है और दर्शकों को सीन से जल्दी अंदर और बाहर ले जाना होता है। रंगमंच इस विलासिता की अनुमति नहीं देता है

■ आपने किस वजह से ओटीटी प्रोजेक्ट के लिए सहमति दी?

केविन इतना शानदार किरदार है। वह बहुत कुछ है, वह मजाकिया है और पागलपन के काम करता है। वह उन लोगों से बहुत अलग है जिन्हें कोई देख सकता है। किसी भी शो या फिल्म में केविन के लिए कोई संदर्भ नहीं है जिसे किसी ने देखा होगा। जो लोग शो को फॉलो कर रहे हैं, उन्हें पता होगा कि केविन बेहद क्रेजी हैं और अपने फॉलोअर्स का मनोरंजन करने और ज्यादा से ज्यादा फॉलोअर्स हासिल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। उनका किरदार निभाना दिलचस्प रहा है क्योंकि यह इस कदर अजीब किरदार है।

■ क्या ऐसी भूमिका के साथ अपनी पहचान बनाना कठिन था?

बिलकुल नहीं। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं भूमिका के साथ पहचान बना सकता था - यानी केविन का जुनून और वह जो ऊर्जा प्रदान करता है। यह किरदार इतना भावुक है कि वह जो करता है वो उसे बहुत मानवीय बना देता है। वह अपने काम, दोस्तों, अपने आस-पास के लोगों के प्रति भावुक है जो उसे पहचानते हैं। लेकिन उनकी जिंदगी सोशल मीडिया पर ही टिकी है। लेकिन, असल जिंदगी में मैं वह शख्स नहीं हूं। कभी-कभी, मेरे कुछ भी पोस्ट करने से पहले सप्ताह बीत जाते हैं। मेरे दोस्त मुझसे कहते हैं कि मुझे और सक्रिय रहने की जरूरत है। केविन के साथ, यह बिल्कुल विपरीत है। वह छह-सात बार पोस्ट करता है और फिर अपने दोस्तों को कॉल करता है और उन्हें लाइक, शेयर और कमेंट करने के लिए कहता है।

■ लेखन-कार्य कैसे शुरू हुआ?

मेरा सफर दिल्ली के थिएटर से शुरू हुआ। मैं अपने नाटक लिखता था और फिर उन्हें अपने दोस्तों के साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर करता था। एक नाटक था जो मैंने लिखा था, मैड, मैडर, मैडेस्ट। यह मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं इस पर फिल्म बनाना चाहता हूं। मैंने इसे एक स्क्रिप्ट में रूपांतरित किया और मुंबई आ गया। इसे तुरंत राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने अपने कब्जे में ले लिया, जिन्होंने इसका शीर्षक तीन थे भाई रखा। इस तरह यह सब शुरू हुआ। थिएटर कलाकार के रूप में, आप सब कुछ करते हैं - लेखक, अभिनेता और निर्देशक बनते हैं। मैं हमेशा एक अभिनेता रहा हूं, मैंने लघु फिल्में की हैं और एक फुल लैंथ फिल्म करने में समय लगता है।

■ वास्तविकता में जीना कितना महत्वपूर्ण है?

मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं लोगों से आमने-सामने मिलूं। लेकिन मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिला हूं जो केवल आभासी दुनिया में रहते हैं, वे सोशल मीडिया पर प्रासंगिक होने के लिए बहुत ज्यादा त्याग कर रहे हैं। लेकिन मेरे लिए अपने जीवन को इसके इर्द-गिर्द केंद्रित करना बहुत थकाऊ है।

■ थिएटर के लिए लेखन, पटकथा से किस प्रकार भिन्न है?

कई भिन्नताएं हैं। रंगमंच में, विचार बड़े होते हैं लेकिन आपके पास सीमित साधन होते हैं और आपको खुद को मंच तक सीमित रखने की आवश्यकता होती है। वित्तीय बाधाएं हैं जो आपको सीमित करती हैं, आपको एक संकीर्ण ढांचे के भीतर सोचना होता है, जो मंच के अनुकूल हो। जब फिल्मों की बात आती है तो आपकी कल्पना का दायरा बहुत बड़ा होता है। आप चीजों को उनकी गति से चलने दे सकते हैं। फिल्मों में आपको बहुत सारी लोकेशंस के बारे में सोचना होता है और दर्शकों को सीन से जल्दी अंदर और बाहर ले जाना होता है। रंगमंच इस विलासिता की अनुमति नहीं देता है।

■ क्या आप अभी भी थिएटर से जुड़े हैं?

नहीं, दुर्भाग्य से मैं अब इससे जुड़ा नहीं हूं। मुझे मंच पर उतरे हुए बहुत लंबा समय हो गया है।

■ आप स्वयं को किस रूप में बताएंगे - लेखक या अभिनेता?

मैं कहूंगा कि मैं दोनों हूं। लेखक और अभिनेता एक दूसरे की तारीफ करते हैं। जब मैं लिखता हूं तो संवादों को भी लिख लेता हूं। जब मैं अभिनय कर रहा होता हूं और स्क्रिप्ट पढ़ता हूं, तो मैं उनसे सीखता है।

■ आपके आने वाले प्रोजेक्ट क्या हैं?

दो फिल्में हैं जिनके लिए मैंने पटकथा लिखी है। अब जब चुट्जपा रिलीज हो गई है, तो मुझे कई प्रस्ताव मिल रहे हैं, जिन पर मैं अभी विचार कर रहा हूँ।

फिल्मों की बदलती गतिशीलता

आनंद पंडित का मानना है कि फिल्म उद्योग मौजूदा महामारी संबंधी संकट से उबर जाएगा

मैं सिनेमा के जादू और विपरीत परिस्थितियों पर मानवीय भावना की अपरिहार्य विजय में विश्वास करता हूं। और इसलिए एक सिनेप्रेमी और एक निर्माता के रूप में, मुझे विश्वास है कि फिल्म उद्योग कोविड-19 की दो खतरनाक लहरों के बावजूद खोई हुई जमीन को दुबारा हासिल करेगा। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जमीनी हकीकत से वाकिफ नहीं हूं। मैंने कुछ समय पहले पढ़ा था कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण 2,000 से अधिक सिनेमाघर स्थायी रूप से बंद हो गए हैं। ये सिनेमाघर दशकों से चल सकते थे लेकिन महामारी को मात नहीं दे सके। पिछले साल भी, पहली लहर के कारण 1,000-1,500 से अधिक सिनेमाघर बंद हो गए। इसलिए हाँ, बड़े पर्दे के मनोरंजन के निर्माता और प्रशंसक के रूप में, मैं सिंगल स्क्रीन थिएटर और यहां तक कि मल्टीप्लेक्स के भविष्य के बारे में सोचता हूं। लॉकडाउन, बढ़ते किराये, सैनिटेशन खर्च, कम दर्शक और महामारी संबंधी चिंताएं बॉक्स-ऑफिस के लिए अच्छी नहीं हैं, लेकिन मैं इस कहानी का दूसरा पक्ष भी देख सकता हूं।

उम्मीद की तलाश में

यह कहना मेरी ओर से असंवेदनशील और भोलापन होगा कि महामारी ने उद्योग को प्रभावित नहीं किया है। बहुत सारे लोगों ने अपनी आजीविका और प्रियजनों को खोया है। प्रदर्शकों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को लगातार अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है और बड़े पर्दे के मनोरंजन का भविष्य धुंधला नजर आ रहा है। हालांकि मुझे उद्योग के लचीलेपन, अनुकूलन क्षमता और कभी न हारने वाली भावना से आशा और साहस मिलता है। यह एक ऐसा उद्योग है जिसने स्टूडियो सिस्टम के पतन, सैटेलाइट टीवी क्रांति की शुरुआत, वीडियो चोरी और ओटीटी प्रसार पर

विजय प्राप्त की है। हां, महामारी एक वैश्विक संकट है लेकिन हम पहले से ही इसके इर्दगिर्द रहकर काम करने के संकेत दे रहे हैं।

हमने अपने सेटों को महामारी से बचाने के लिए स्वच्छता और सुरक्षा रणनीति विकसित की है और नए सामान्य का सामना करने के लिए फिल्म निर्माण के व्याकरण पर दुबारा काम किया है। बस यह तथ्य कि हम अभी भी विचार कर रहे हैं, शूटिंग कर रहे हैं और इस दौरान फिल्मों को पूरा कर रहे हैं, चमत्कारी है। अगर हम इस उपलब्धि को हासिल कर सकते हैं तो हम कुछ भी कर सकते हैं।

मनोरंजन के नए रूपों का उदय

हर बड़ा संकट सोचने के पुराने तरीकों को बदल देता है और इस महामारी ने हमें दुबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हम कैसे सामग्री बनाएं और दर्शकों का मनोरंजन करें। हां, सिनेमा के साथ हम जिस जादू को जोड़ते हैं उसका मुख्य आधार बड़ा पर्दा हमेशा रहेगा लेकिन हम महसूस कर रहे हैं कि मनोरंजन के कई आयाम हो सकते हैं। इस अहसास ने उद्योग को ओटीटी प्लेटफार्मों और उन रचनाकारों के साथ तालमेल बिठाने के लिए प्रेरित किया है, जो लीक से हटकर सोच रहे हैं, अनकही कहानियां सुना रहे हैं और कम उपयोग में आई प्रतिभा की संपदा को साध रहे हैं। यह एक आंख खोलने वाला अनुभव रहा है, स्पष्ट कहूं तो इसने मुझे उन नए विचारों का सृजन करने के लिए प्रेरित किया जिन्होंने मुझे पहले कभी नहीं उलझाया था। यह पता लगाना फायदेमंद रहा है कि कंटेंट के समझदार उपभोक्ता न केवल आबादीगत बल्कि अनेक से संबंधित होते हैं। यही कारण है कि अब भी मुख्यधारा के निर्माता वैश्विक दर्शकों के लिए अनेक भाषाओं में पद्यावलियो, विविध शैलियों और असामान्य विषयों की खोज कर रहे हैं। दूसरी लहर के कहर के बावजूद यह प्रवृत्ति जारी रहेगी और हम देखेंगे कि अधिक निर्माता रचनात्मक जोखिम उठा रहे हैं। हम ओटीटी प्लेटफार्मों पर अधिक बड़े बजट की फिल्में भी देखेंगे, यदि लंबे समय तक प्रतिबंध एक नाटकीय रिलीज को फिलहाल असंभव बना देता है।

संगठित प्रयास समय की मांग है

जिस तरह उद्योग दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों की मदद के लिए संसाधन जुटाने, ऑक्सीजन बेड प्रदान करने और टीकाकरण अभियान चलाने के लिए एक साथ आया, हमें भी देश भर में प्रदर्शकों की मदद करने के लिए एक साथ मिलकर विचार करना चाहिए। मल्टीप्लेक्स मालिकों की चिंताओं को दूर करते हुए, हमें सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों को नहीं भूलना चाहिए जो दूरदराज के इलाकों, छोटे शहरों व ग्रामीण इलाकों में जनता को किफायती मनोरंजन प्रदान करते हैं और उद्योग के लिए काफी राजस्व उत्पन्न करते हैं। अगर हम दूसरी लहर से उबरना चाहते हैं, तो हमें यह पता लगाना शुरू करना होगा कि और अधिक सिनेमाघरों को बंद होने से रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। हम वर्तमान में महामारी के अनुकूल बैठने की क्षमता, राज्य विशिष्ट नियमों के रखरखाव को संसाधित कर रहे हैं और हजारों करोड़ के नुकसान को भी देख रहे हैं। हालांकि सबसे बड़ा नुकसान हमारे मनोबल और आशावाद का होगा, इसलिए हमें इस समय के दौरान एक-दूसरे की मदद करने के लिए समान आधार खोजना होगा।

बड़ी तस्वीर को भूलना नहीं है

सिनेमा हमें कई सबक सिखाता है जिसमें सुखद अंत की संभावना पर आज की कठिनाइयों से परे देखना भी शामिल है। यह हमें सिखाता है कि हम बड़ी तस्वीर को कभी नहीं भूलें। इसलिए भले ही यह एक कठिन समय है, हमें समाधान खोजने की अपनी क्षमता पर भरोसा नहीं खोना चाहिए। आइए हम यह भी स्वीकार करें कि अभी, हमारे व्यवसायों के स्वास्थ्य की तुलना में बहुत कुछ दांव पर है। दूसरी लहर के दौरान हमारे साथी नागरिकों को बहुत नुकसान हुआ है और हममें से, जो कर सकते हैं, उन्हें कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की सेवा में अपने संसाधनों की मदद और विस्तार करना चाहिए। इस तरह के संकट में, हम सभी सह-यात्री हैं जिन्हें एक-दूसरे का ध्यान रखना चाहिए। यह हमारी मानवता है जो कथा को बदल देगी और हमें सामान्य स्थिति और पुनर्प्राप्ति की ओर ले जाएगी। जब ऐसा होगा, अपने साथियों की तरह, मैं भी सिनेमाघरों में ब्लॉकबस्टर देखने और हंसने, रोने, जयकार करने और ताली बजाने के लिए वापस आऊंगा। मैं अपने स्वयं के प्रोडक्शन चेहरे के साथ अनेक बड़ी टिकट की फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना पसंद करूंगा, जो एक शानदार रिलीज की प्रतीक्षा कर रही हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि सबसे बुरे को अब पीछे छोड़ आए है और निकट भविष्य में जो भी संभावित अप्रत्याशित मोड़, हमें मिल सकता है, वह सुखद होगा।

(लेखक बॉलीवुड फिल्म निर्माता हैं, जिनकी नवीनतम परियोजना अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म चेहरे है।)

मैं हमेशा से अभिनय करना चाहती थी!

सब टीवी पर 'ज़िद्दी दिल माने ना' में एक ज्वलंत स्वतंत्र भूमिका निभाने वाली सिंपल कौल, ने **शालिनी सक्सेना** के साथ शो, उनके चरित्र और रेस्तरां व्यवसाय में कैसे प्रवेश किया, के बारे में बात की।

■ ज़िद्दी दिल माने ना क्या है?

यह शो यूथ बेस्ड है। यह युवा है, मस्ती से भरा है, यह एक बहुत ही विश्वसनीय शो है। यह छोटे पर्दे पर अन्य नियमित सीरीज की तरह नहीं है। यह यथार्थवादी है और इसलिए संबंधित है। सीरीज को वैसे ही शूट किया जाता है जैसे कोई शो डायरेक्टर ओटीटी पर करते हैं।

■ क्या आप सामग्री के संबंध में टीवी पर बदलाव देख रही हैं - यह अधिक यथार्थवादी होता जा रहा है?

मुझे नहीं लगता कि पूरी सामग्री यथार्थवादी हो रही है, यह वहीं है जहां यह था। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ऐसे लोग हैं जो प्रयोग और खोज कर रहे हैं। यह टीवी पर शो में एक और स्वाद जोड़ रहा है।

■ यहां आपकी क्या भूमिका है?

मेरा चरित्र उग्र है, वह एक स्वतंत्र महिला हैं। वह अप-मार्केट है, वह जानती है कि वह क्या चाहती है। वह बहुत आगे और ईमानदार भी हैं। मेरा किरदार एक मजबूत महिला का है।

■ क्या यही शो करने का आकर्षण था?

भूमिका के बारे में कुछ ऐसा था जो तुरंत मेरे साथ जुड़ गया। यह बहुत जरूरी है, यह हमेशा नहीं होता है। मैं चरित्र से संबंधित हूं, वह बहुत कुछ वैसी ही है जैसी कुछ चीजों को छोड़कर मैं असल जिंदगी में हूं। मैंने कभी भी ऐसा किरदार नहीं निभाया है जो इतना सीधा और बुद्धिमान हो। साथ ही भेद्यता भी है जो शो की प्रगति के रूप में दिखाई देगी। ऐसी भूमिका कम ही देखने को मिलती है।

भूमिका के बारे में कुछ ऐसा था जो तुरंत मेरे साथ जुड़ गया। यह बहुत जरूरी है, यह हमेशा नहीं होता है। मैं चरित्र से संबंधित हूं, वह बहुत कुछ वैसी ही है जैसी कुछ चीजों को छोड़कर मैं असल जिंदगी में हूं

■ आप परियोजना के लिए बोर्ड पर कैसे आईं?

जब मुझे शो का ऑफर आया तो मैं दिल्ली में थी। यह महामारी के बीच में था। मैं इसे ठुकराने के लिए भी बहुत उत्साहित थी। मुझे इसके लिए हां कहना पड़ा। फिर सीरीज के ऑडिशन हुए। मैं घर से बाहर कदम रखने को लेकर थोड़ा आशंकित थी लेकिन मैं भी बाहर जाकर काम करना चाहता थी। बहुत बाद में मुझे पता चला कि वे मेरे बोर्ड में आने के लिए उत्सुक थे।

मैं हमेशा से एक्टिंग करना चाहती थी जब से मैं स्कूल में थी। यह मेरा एकमात्र फोकस था। एक बार जब मैं इसमें आ गया, तो मैंने कई शो किए लेकिन फिर मैं विविधता लाना चाहती थी और एक अन्य टीवी अभिनेता के साथ एक रेस्तरां व्यवसाय शुरू किया। मुझे इसमें इतना मजा आया कि मैं इस पर ध्यान देती रही। महामारी के दौरान हम अपेक्षाकृत मुक्त रहे हैं, इसलिए घर के कामों और खाना पकाने में काफी समय बिताया गया। लेकिन फिर मैं एक्टिंग में वापस आना चाहती थी।

■ आप रेस्तरां व्यवसाय में कैसे आईं?

तीनों रेस्टोरेंट मुंबई में हैं। मैं एक समानांतर करियर चाहती थी और तीन को खोलने का फैसला किया। मुझे और मेरे साथी अंतरिक्ष को सुंदर बनाना और अच्छा खाना परोसना पसंद करते हैं। हम एक ऐसी जगह बनाना चाहते थे जहां लोग खुश महसूस करें और अच्छी वाइब्स दें। साथ ही, यह व्यवसाय आसान था क्योंकि मैं अभिनय और रेस्तरां पर ध्यान केंद्रित कर सकती थी। रेस्तरां में से एक को (ब्रू हाउस किचन) कहा जाता है, हम बहु-व्यंजन परोसते हैं। रचनात्मक सोच वाले बहुत से लोग यहां आते हैं। अन्य दो में फ्रेंच/इतालवी आकर्षण है।

अब तक आपकी पसंदीदा भूमिका कौन सी है?

मुझे लगता है कि ज़िद्दी दिल... में भूमिका मेरी पसंदीदा है। मैं बस इसे प्यार करती हूं और आभारी हूं कि यह मेरी गोद में आ गया। मैं हमेशा से ऐसा शो करना चाहती था जिसमें स्पोर्ट हो। इस शो में बहुत ही कूल वाइब है।

■ क्या कोई ऐसी भूमिका है जिसे करने पर आपको पछतावा हुआ?

मैं वास्तव में इसके बारे में बात नहीं करना चाहती। यह अतीत में हुआ है। एक बार जब मैंने इसे उठाया, तो मैंने पैंतरेबाज़ी करने और इससे बाहर निकलने की कोशिश की। यह मेरे लिए दुर्लभ क्षण था। लेकिन दूसरी बार, आप अपने द्वारा की गई प्रतिबद्धता के इर्द-गिर्द काम करते हैं। यहां तक कि अगर कोई भूमिका थी जो मुझे लगा कि वह कुछ ऐसा नहीं है जो मुझे पसंद है, तो मुझे अभिनय में मजा आता है और इससे बहुत फर्क पड़ता है। जब आप खुद का आनंद लेते हैं, तो यह आपके काम में दिखता है। बेहतर होगा कि आपने जो भूमिका निभाई है, उसके साथ खुद को संरेखित करें।

■ कोई अन्य आगामी परियोजनाएं?

मैं सिर्फ इसी पर ध्यान दे रही हूं।